CMYK

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

SUNDAY

बिलासपुर, रविवार, 11 मई 2025

वर्ष - 35 | अंक - 11 | पृष्ठ - 12

मूल्य - 4.00 रु.

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

संपर्क करे :-bilaspurdeshbandhu@gmail.com

35 YEARS

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

▸ मड़ई
बोरे बासी पृष्ठ 4

▸ विराट टेस्ट क्रिकेट से लेना चाहते हैं संन्यास
▸ मधुरा के स्वर्ण पदक से भारत के पदकों की संख्या 4 पहुंची पृष्ठ 10

देश विदेश

▸ पाकिस्तानी ड्रोन के निशाने पर थे निर्दोष नागरिक : भारतीय सेना
▸ रूस की ओर से उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती सही : किम जोंग
▸ भारत के साथ तनाव के बीच कठिन स्थिति में है पाकिस्तान : मसूद अख्तर पृष्ठ 9

आपरेशन सिन्दूर

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर सहमत

दोनों पक्ष शनिवार शाम पांच बजे से सभी तरह की सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमत हुए

- विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार शाम विशेष ब्रीफिंग
- पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय समकक्ष से की बात
- कल बारह बजे फिर से बात करेंगे दोनों सैन्य अधिकारी

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां) भारत और पाकिस्तान ने सीधी बातचीत के बाद एक दूसरे के खिलाफ गोलाबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जतायी है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने शनिवार शाम विशेष ब्रीफिंग में इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) ने आज दोपहर बाद अपने भारतीय समकक्ष के साथ टेलीफोन पर बातचीत की शुरुआत की। उसके बाद हुई चर्चा में दोनों पक्ष शाम पांच बजे से सभी तरह की सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमत हो गए हैं। विदेश सचिव ने बताया कि पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने अपने भारतीय समकक्ष के साथ दिन में तीन बजकर 35 मिनट पर बातचीत की थी। दोनों पक्ष भारतीय समय के अनुसार शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र सभी क्षेत्रों में सैन्य कार्रवाई बंद करने पर सहमत हुए हैं। इस संबंध में दोनों देशों ने अपने सशस्त्र बलों को इस पर अमल के आदेश जारी कर दिए हैं। दोनों सैन्य अधिकारी स्थिति की समीक्षा के लिए सोमवार यानी 12 मई को दिन में बारह बजे फिर से बात करेंगे।

पाकिस्तान ने भी सीजफायर की पुष्टि की

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा, 'पाकिस्तान और भारत ने तत्काल प्रभाव से युद्ध विराम पर सहमति जताई है। पाकिस्तान ने हमेशा अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता किए बिना क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए प्रयास किया है।'

डोनाल्ड ट्रम्प ने दी सबसे पहले जानकारी

भारत और पाकिस्तान सीजफायर के लिए राजी हो गए हैं। यह दावा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने किया। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, रात में यूएस की मध्यस्थता में चली लंबी बातचीत के बाद मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान तुरंत और पूरी तरह हमले रोकने के लिए तैयार हो गए हैं। मैं दोनों देशों को कॉमनसेंस, समझदारी से भरा फैसला लेने के लिए बधाई देता हूं।'

अमेरिकी विदेश मंत्री ने भारत-पाक से बात की थी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार रात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात की। उन्होंने दोनों देशों से तनाव कम करने और दक्षिण एशिया में शांति स्थापित को लेकर मिलकर काम करने की अपील की थी।

फिर हमला किया तो मुंहतोड़ जवाब देंगे : रक्षा मंत्रालय

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के ऐलान के बाद शनिवार शाम को रक्षा मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें आर्मी से कर्नल सोफिया कुरैशी, एयरफोर्स से विंग कमांडर व्योमिका सिंह और नेवी से कमोडोर रघु आर नायर मौजूद थे। रक्षा मंत्रालय की ब्रीफिंग कुल 9 मिनट चली। इसमें कर्नल सोफिया ने पाकिस्तान की तरफ से गलत सूचनाएं फैलाने की जानकारी दी। वहीं कमोडोर नायर ने कहा कि भारत की सेनाएं पूरी तरह सतर्क और तैयार हैं। अगर फिर हमला हुआ, तो हम मुंहतोड़ जवाब देंगे। अब मैं आपको पाकिस्तान की मिस इन्फॉर्मेशन कैंपेन के बारे में जानकारी दूंगी। पहला उसने अपने जेएफ-17 से हमारे एस-400 और ब्रह्मोस मिसाइल बेस को नुकसान पहुंचाया। ये बिल्कुल गलत है। उसका कहना है कि हमारी एयरफील्ड सिरसा, जम्मू, पठानकोट और भुज में हमला किया है, ये भी पूरी तरह से गलत है।

पाकिस्तान की तरफ से गलत सूचनाएं फैलाने की जानकारी दी

संघर्ष विराम के बाद जयशंकर ने किया साफ
आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष जारी रहेगा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत आतंकवाद के साथ कोई समझौता नहीं करेगा और इसके विरुद्ध संघर्ष जारी रहेगा। डॉ. जयशंकर ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और पाकिस्तान ने एक दूसरे के विरूद्ध गोलाबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने की समझ बनाई। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद और उसके सभी रूपों के खिलाफ कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद पर कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा, "भारत और पाकिस्तान के बीच आज गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी है। भारत आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ अपनी सख्त और अडिग नीति पर कायम है, और आगे भी रहेगा।

संघर्ष विराम के तीन घंटे बाद पीएम मोदी ने की बैठक
रक्षा मंत्री, एनएसए और सीडीएस ने दी हालात की जानकारी

भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम को पांच बजे संघर्ष विराम हो गया। संघर्ष विराम होने के तीन घंटे बाद रात आठ बजे पीएम मोदी ने उच्च स्तरीय बैठक की।

बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद रहे। उन्होंने पीएम मोदी को हालात की जानकारी दी।

सर्वदलीय बैठक संसद का विशेष सत्र बुलाए सरकार : कांग्रेस

कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिका की तरफ से हुई अभूतपूर्व घोषणा के मद्देनजर राष्ट्रीय हित को सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शीघ्र एक सर्वदलीय बैठक बुलाकर तत्काल संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए ताकि भविष्य के मुद्दे पर एकजुट होकर सामूहिक चर्चा की जा सके।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने संघर्ष विराम की घोषणा के बाद यहां जारी एक बयान में कहा वाशिंगटन डीसी से आई अभूतपूर्व घोषणाओं के संदर्भ में अब यह राष्ट्रीय आवश्यकता बन गई है कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर प्रधानमंत्री उसकी अध्यक्षता करें और देश के राजनीतिक दलों को विश्वास में लें ताकि संकट की घड़ी में राष्ट्रीय हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा, संसद का एक विशेष सत्र तत्काल बुलाया जाए, जिसमें पिछले 18 दिनों की घटनाओं, विशेषकर पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले से लेकर अब तक की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हो और आगे की दिशा तय की जाए ताकि देश एकजुट होकर सामूहिक संकल्प का प्रदर्शन कर सके।

पिछले 18 दिनों की घटनाओं पर विस्तार से चर्चा हो

ऑपरेशन सिंदूर में पांच आतंकवादी सरगना ढेर, लश्कर-ए-तैयबा का अबू जुंदाल भी है शामिल

पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों के 6 मई की रात को चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में पांच आतंकवादी सरगनाओं के साथ साथ सैकड़ों अन्य आतंकवादी मारे गए। सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में मौलाना मसूद अजहर के परिजनों सहित ऐसे बर्बर आतंकवादी मारे गए हैं जिनकी भारत में कई बड़े आतंकवादी हमलों में तलाश थी। मारे गये आतंकवादियों में कुख्यात आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का मुदस्सर खादियां खास उर्फ मुदस्सर उर्फ अबू जुंदाल भी शामिल है। यह मरकज तैयबा, मुरीदके का प्रभारी था और इसकी ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

भविष्य में किसी भी आतंकी घटना को युद्ध मानेगा भारत

भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि भविष्य में कोई भी आतंकी घटना भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी। भारत सरकार के शीर्ष सूत्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारत सरकार के शीर्ष सूत्र के मुताबिक, भारत ने निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी कार्रवाई को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसी के अंदाज में जवाब भी दिया जाएगा।

सार संक्षेप

ईडी ने 6.30 करोड़ की नकदी जब्त की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालाय (ईडी) की मुंबई शाखा ने 'टॉरेस ज्वेलरी' ब्रांड नाम से कारोबार कर रही कंपनी मेसर्स प्लैटिनम हर्न प्रा. लि. के खिलाफ जांच के सिलसिले में छापे और तलाशी के दौरान 6.3 करोड़ रुपए नकद तथा आपत्तिजनक सामग्री एवं दस्तावेज जब्त किए हैं। ईडी ने शनिवार को कहा कि इस मामले में चल रही जांच में धनशोधन निवारक अधिनियम (पीएमएलए), 22 के प्रावधानों के तहत शुक्रवार को मुंबई और सूरत में चार परिसरों में तलाशी अभियान चलाया गया।

पाकिस्तान को कर्ज देकर आईएमएफ ने गलत किया: तिवारी

नई दिल्ली। आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1 बिलियन डॉलर का लोन दिया है। भारत ने इस फैसले का सख्त विरोध किया है। जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने इस पर हैरानी जताई तो अब कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने भी नाराजगी जाहिर करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। तिवारी ने कहा यह पैसा उन आतंकवादी संगठनों को मजबूत करने के लिए जाता है, जिन्हें पाकिस्तान ने पनाह दी है और उनके द्वारा बनाए गए आतंकवाद के नेटवर्क को मजबूत करने के लिए जाता है।

15 मई तक बंद रहेंगे भारत के 32 एयरपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और संबंधित विमानन अधिकारियों ने नोटिस टू एयरमेन (नोटम) जारी कर उत्तरी और पश्चिमी भारत के 32 हवाई अड्डों को सभी नागरिक उड़ान संचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की है। ये आदेश 15 मई तक प्रभावी रहेगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सुबह के ताजा अपडेट में कहा, परिचालन कारणों से यह बंद 15 मई 225 को भारतीय समयानुसार 5:29 बजे तक रहेगा।

शराब घोटाला मामला

अनवर ढेबर की याचिका पर 23 को सुनवाई

रायपुर, 10 मई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में जेल में बंद अनवर ढेबर द्वारा आठ डिस्टलरी संचालकों को आरोपी बनाए जाने की मांग की थी। इस आवेदन पर अब 23 मई को सुनवाई होगी।

- 8 डिस्टलरी संचालकों को आरोपी बनाने की मांग

अनवर ढेबर का आरोप है कि ईओडब्लू ने एकपक्षीय कार्रवाई करते हुए उन्हें झूठे प्रकरण में फंसाया है। विशेष न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले की सुनवाई को 14 दिन के लिए टाल दिया है।

इन डिस्टलरी संचालकों को आरोपी बनाए जाने की है मांग- अनवर ढेबर ने अपनी याचिका में जिन 8 डिस्टलरी संचालकों को घोटाले में शामिल बताते हुए आरोपी बनाने की मांग की है, उनमें वेलकम डिस्टलरी, भाटिया वाइन मर्चेंट, छत्तीसगढ़ डिस्टलरी, मैसर्स नेक्स्ट जेनरेशन, दिशिता वेंचर्स, ओम साईं बेवरेज, सिद्धार्थ सिंघानिया और मैसर्स टाप सिक्योरिटी डिस्टलरी के संचालक शामिल हैं। विशेष न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद सुनवाई को 14 दिन के लिए आगे बढ़ा दिया है।

कवासी लखमा की रिमांड भी बढ़ी

इसके साथ ही शराब मामले में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री एवं सुकमा विधायक कवासी लखमा की न्यायिक रिमांड को भी 23 मई तक के लिए आगे बढ़ा दिया गया है।

नवा रायपुर में प्रस्तावित होलसेल कॉरिडोर रद्द

540 रुपए वर्गफीट में जमीन देने का भी था प्रस्ताव

रायपुर, 10 मई (देशबन्धु)। नवा रायपुर अटल नगर में प्रस्तावित 'होलसेल कॉरिडोर' प्रोजेक्ट पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में तैयार किए गए होलसेल कॉरिडोर प्रोजेक्ट को निरस्त किया जा चुका है। होलसेल कॉरिडोर निर्माण के लिए अब नए सिरे से प्रोजेक्ट तैयार किया जाएगा। नवा रायपुर में बसाहट, निवेश व वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए होलसेल कॉरिडोर विकसित करने का निर्णय लिया गया था। पूर्व में 'होलसेल कॉरिडोर' के लिए नवा रायपुर में 1083 एकड़ जमीन चिन्हित कर ली गई थी और इसका भू-उपयोग परिवर्तन किया जा चुका था। 'होलसेल कॉरिडोर' को दक्षिण एशिया व देश का सबसे बड़ा थोक व्यावसायिक बाजार बनाने की योजना थी। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा होलसेल कॉरिडोर में 540 रुपए वर्गफीट में व्यवसायियों को भू-खंड आवंटित करने तथा इसके निर्माण में अतिरिक्त राशि राज्य सरकार द्वारा खर्च किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया था।

बताया गया है कि पूर्ववर्ती सरकार के इस निर्णय पर वर्तमान भाजपा सरकार सहमत नहीं है और भूखंड आवंटन की प्रक्रिया को भी निरस्त कर दिया गया है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा नवा रायपुर में नीलामी के जरिए जमीन का आवंटन किए जाने का प्रावधान है। जबकि होलसेल कॉरिडोर के लिए भू-खंडों की दर निर्धारित की गई थी।

अधोसंरचना निर्माण पर 100 करोड़ रुपए होंगे खर्च

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की ओर से नवा रायपुर क्षेत्र में सड़क, नाली, बिजली, पेयजल सहित अन्य अधोसंरचना निर्माण का कार्य भी शुरू किया जा रहा है। ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

डीएमएफ घोटाला मामले में 4 अधिकारी गिरफ्तार

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। जिले में सामने आए बहुचर्चित डीएमएफ घोटाले की जांच तेज हो गई है। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। सभी को विशेष अदालत में पेश कर 13 मई तक रिमांड पर लिया गया है। जांच में यह भी सामने आया है कि इन अधिकारियों ने तत्कालीन कलेक्टर रानू साहू के साथ मिलकर ठेका वितरण में भारी अनियमितताएं की थीं। सरकारी अफसरों द्वारा ठेका प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और अवैध लाभ पहुंचाने की बात सामने आई है। ईडी की रिपोर्ट के आधार पर ईओडब्ल्यू ने इस घोटाले में केस दर्ज किया है।

जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया है कि कोरबा की तत्कालीन कलेक्टर रानू साहू, जो वर्तमान में निलंबित हैं और जेल भेजी जा चुकी हैं, इन गिरफ्तार अफसरों के साथ मिलकर घोटाले में शामिल थीं। इन अफसरों के नाम पहले से ही घोटाले के चालान में दर्ज हैं।

13 मई तक रिमांड पर

गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में भरोसाराम ठाकुर (तत्कालीन नोडल अधिकारी), भुनेश्वर सिंह राज (तत्कालीन सीईओ, जनपद), राधेश्याम मिर्झा (तत्कालीन सीईओ, जनपद), वीरेंद्र कुमार राठौर (तत्कालीन सीईओ, जनपद) शामिल है। सभी को विशेष न्यायाधीश की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 13 मई तक रिमांड पर भेजा गया है। ईओडब्ल्यू की जांच में यह भी सामने ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

भारतीय सेना की आंख बने इसरो के सैटेलाइट

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमला करने में इसरो की अहम भूमिका रही। इसरो के सैटेलाइट नेटवर्क के इनपुट के जरिए मिली मदद से भारतीय सेनाओं ने सैन्य राडार सिस्टम नष्ट करने और पाकिस्तान के ड्रोन व मिसाइल हमलों को निष्क्रिय करने में सफलता हासिल की।

इसरो का सैटेलाइट नेटवर्क भारतीय सेनाओं को आतंकियों के अड्डों की सटीक पहचान करने, हमले के लिए लक्ष्य तय करने से लेकर पाकिस्तान सेना के ठिकानों, हथियारों व टुकड़ियों के मूवमेंट, राडार स्टेशनों की जानकारी मिली। साथ ही उनके इलेक्ट्रॉनिक गतिविधियों को ट्रैक करने जैसी हर संवेदनशील हरकत को पकड़ने और खुफिया जानकारी हासिल करने में खासा मददगार बन रहा है। इस समय इसरो के कम से कम 7 सैटेलाइट से संवेदनशील व खुफिया जानकारी मिल रही है। इसरो के 7 सर्विलांस ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

- पाकिस्तान के आतंकी अड्डों की सटीक लोकेशन दे रहे
- ड्रोन व मिसाइल हमलों को निष्क्रिय करने में सफलता मिली

केरल में मानसून 27 मई के आसपास पहुंचेगा

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण पश्चिमी मानसून 27 मई को केरल पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून तक केरल पहुंचता है, लेकिन इस बार इसके जल्दी केरल पहुंचने की उम्मीद है। अगर मानसून 27 मई तक केरल में दस्तक दे देता है तो यह साल 2009 के बाद से सबसे जल्दी मानसून का आगमन होगा। साल 2009 में मानसून ने केरल में 23 मई को दस्तक दे दी थी। मौसम विभाग ने अपने अप्रैल महीने के अनुमान में साल 2025 में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की उम्मीद जताई है। इससे अल-नीनो के असर को नकारा जा रहा है, क्योंकि अल नीनो के असर से सामान्य से कम बारिश होती है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने बताया कि भारत में इस साल चार महीने के मानसून के मौसम में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की उम्मीद है। इस दौरान 105 प्रतिशत बारिश हो सकती है, जो औसत बारिश 87 सेंटीमीटर से ज्यादा है।

भ्रष्टाचार

चार साल पहले बह चुके स्टॉप डेम के नाम पर हर साल लूटा जा रहा कैम्पा का खजाना

कांगेर घाटी में 75 लाख का कैम्पा घोटाला उजागर

जगदलपुर, 10 मई (देशबन्धु)। बस्तर का कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान इन दिनों भ्रष्टाचार का उद्यान बना हुआ है। राजधानी में मोटी रकम अर्पित कर पोस्टिंग पाने वाले रेंजर और एसडीओ इस उद्यान में दिन रात भ्रष्टाचार का खेल खेल रहे हैं। बड़े अधिकारी और नेता सभी इस भ्रष्टाचार के खेल में शामिल हैं यही वजह है कि यह राष्ट्रीय उद्यान भ्रष्टाचार का राष्ट्रीय उद्यान बना हुआ है।

ताज़ा मामला यहां के कोटमसर रेंज का है। जहां आज से पांच साल पहले बने और बनने के तुरंत बाद बह चुके एक स्टॉप डैम के नाम पर कैम्पा के 75 लाख रुपये ठिकाने लगाए जा चुके हैं। पैसों की भूख इतनी की मात्र 35 मीटर लंबे स्टॉप डैम के लिए वन अधिकारियों ने करीब 9 हज़ार बोरी सीमेंट की बोगस खरीदी कर ली। रेत, गिट्टी और लोहे के फ़र्ज़ी बिल बीजापुर की एक फर्म से खरीदे गए और इतना ही नहीं जिनसे कथित रूप से मज़दूरी कराई गई है वे मज़दूर भी रायपुर और सुकमा के रहने वाले हैं।

भ्रष्टाचार की यह कहानी एक पूर्व काँग्रेसी विधायक के दामाद से भी जुड़ी हुई है। कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान के मान्दरकोंटा के कक्ष क्रमांक 163 में मुनगा बहार नाला पर कैम्पा मद से एक स्टॉप डैम बनाने का कार्य स्वीकृत किया गया जिसकी लागत 75 लाख रुपए थी। कैम्पा के एपीओ वर्ष 2019-20 में स्वीकृत इस कार्य को वन अधिकारियों ने अघोषित रूप से एक पूर्व काँग्रेसी विधायक के दामाद को तोहफे के रूप में प्रदान कर दिया। बस यहीं से शुरू हुआ इस 75 लाख रुपये को ठिकाने लगाने का कार्यक्रम। शुरुआती वर्ष में 705000 रुपये से 3000 बोरी सीमेंट, 312900 रुपये से रेत और गिट्टी तथा 267560 रुपये का लोहा बस्तर के वन अधिकारियों की चहेती फर्म रजा सेल्स से खरीदा गया। इस वर्ष 2019-20 में करीब 13 लाख रुपये की सामग्री तो खरीदी गई लेकिन कागजों में मज़दूरी भुगतान के नाम पर चवन्नी भी खर्च नहीं कि गई। जानकार समझ गए होंगे कि यह 13 लाख रुपये विधायक ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

सिर्फ 35 मीटर के स्टापडेम में खपा दिया 8700 बोरी सीमेंट

नेशनल लोक अदालत में, एक हजार से अधिक प्रकरणों का हुआ निराकरण

सैकड़ों पक्षकार लाभान्वित

गौरेला पेंड्रा मरवाही 10 मई (देशबन्धु)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सिराजुद्दीन कुरैशी के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय पेण्ड्रारोड में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।

इस लोक अदालत में न्यायाधीश श्रीमती ज्योति अग्रवाल (जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, पेण्ड्रारोड) द्वारा हिन्दू विवाह अधिनियम के अंतर्गत विवाह विच्छेद से संबंधित 3 मामलों में पक्षकारों को समझाइश देकर राजीनामा कराया गया, जिसमें पति-पत्नी अपने बच्चों के साथ पुनः दाम्पत्य जीवन जीने के लिए सहमत हुए। लोक अदालत के अंतर्गत विभिन्न न्यायालयों से निम्नानुसार प्रकरणों का निराकरण किया गया-जिला एवं अपर सत्र न्यायालय-मोटर दुर्घटना दावे (05), निष्पादन एवं एम.जे.सी. सिविल प्रकरण (07), क्रिमिनल प्रकरण (02)।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महेश बाबू साहू- सिविल (03), धारा 125 (02), परक्राम्य लिखत अधिनियम (01), ट्रैफिक चालान (362), आबकारी प्रकरण (09), क्रिमिनल (17)। न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी कुमारी सीमा जगदल्ला-धारा 125 (02), परक्राम्य लिखत (01), ट्रैफिक चालान (202), क्रिमिनल प्रकरण (17)। कुल मिलाकर 1000 से अधिक प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया, जिससे बड़ी संख्या में पक्षकारों को त्वरित न्याय मिला।

इस अवसर पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर न्यायाधीशगण व अधिवक्ताओं द्वारा पक्षकारों को कानून की जानकारी दी गई। इसके साथ ही (अनि समन यंत्र) के संचालन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

लोक अदालत में क्षेत्रीय परिवहन विभाग द्वारा विशेष शिविर लगाकर वाहनों में हाई सिक्युरिटी नंबर प्लेट लगवाने की सुविधा दी गई तथा ड्राइविंग लाइसेंस के लिए पंजीयन भी किया गया।

कार्यक्रम में न्यायाधीश श्रीमती एकता अग्रवाल, महेश बाबू साहू, कुमारी सीमा जगदल्ला सहित सभी न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, न्यायालय कर्मचारी एवं पैरा लीगल वॉलंटियर्स उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेता गिरीश देवांगन कांग्रेस परिवार ने किया आत्मीय स्वागत

मुंगेली, 10 मई (देशबन्धु)। कांग्रेस के लोकप्रिय नेता गिरीश देवांगन के आगमन पर कांग्रेस परिवार द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर आलोक चंद्राकर और राम गिड़लानी भी उपस्थित रहे। जिला उपाध्यक्ष अभिलाष सिंह ने गिरीश देवांगन को भारत का संविधान भेंट कर उनके लोकतांत्रिक मूल्यों एवं उच्चतम आदर्शों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

इस स्वागत समारोह में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष लोधी घनश्याम वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला, पूर्व मंडी अध्यक्ष आत्मा सिंह क्षत्रिय, जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मीकांत भास्कर, संगठन महामंत्री संजय यादव, सागर सोलंकी, दीपक गुप्ता, जित्तू श्रीवास्तव, विष्णु खांडे, बोगी बारमते, अभिषेक यादव, राम तलरेजा, नीरज यादव, राजा मानिक और लल्लू खान शामिल रहे। समारोह के दौरान नगर विकास, सामाजिक एकता और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की गई। गिरीश देवांगन ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया।

7.830 किलो गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

मुंगेली, 10 मई (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन बाज के तहत पथरिया क्षेत्र में अवैध गांजा बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पथरिया थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 06, आवास पारा निवासी आनंद किशोर उर्फ गुड्डा यादव (उम्र 47 वर्ष, पिता रंगीलाल) को उसके घर के आंगन में बने बाथरूम से अवैध रूप से गांजा छिपाकर बेचने की सूचना मुखबिर से प्राप्त हुई थी। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दबिश दी और आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया।आरोपी के कब्जे से कुल 7.830 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 70,470 रुपये है, एवं एक मोबाइल फोन जिसकी कीमत लगभग 5,000 रुपये आंकी गई है, जप्त किया गया। कुल जब्ती की राशि 75,470 रुपये बताई जा रही है।

पथरिया थाना में आरोपी के विरुद्ध धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।इस कार्यवाही को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नवनीत पाटिल के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। इस अभियान में निरीक्षक रघुवीर लाल चंद्रा, सायबर सेल मुंगेली की टीम, सहायक उप निरीक्षक पुहकल सिंह ठाकुर, नरेश साहू तथा आरक्षक राजीव पटेल, विनोद बंजारे और जितेंद्र सिंह ठाकुर की सक्रिय भूमिका रही।

प्रथम पृष्ठ का शेष

ऑपरेशन सिंदूर में पांच आतंकवादी ...

पाकिस्तानी सरकार में अच्छी पैठ थी। पाकिस्तान सेना द्वारा उसके अंतिम संस्कार में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख और पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की ओर से उसे पुष्पांजलि अर्पित की गई। उसके अंतिम संस्कार की नमाज एक सरकारी स्कूल में आयोजित की गई, इसमें जमात-उद-दावा के नामित वैश्विक आतंकवादी के हाफिज अब्दुल रऊफ ने किया। पाकिस्तानी सेना एक सेवारत लेफ्टिनेंट जनरल और पंजाब पुलिस के आईजी नमाज में शामिल हुए। इस ऑपरेशन में जैश-ए-मोहम्मद का कुख्यात आतंकवादी हाफिज मुहम्मद जमील भी मारा गया है। यह मौलाना मसूद अजहर का सबसे बड़ा साला और बहावलपुर के मरकज सुभान अल्लाह का प्रभारी था। यह युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और जैश-ए-मोहम्मद के लिए धन जुटाने में सक्रिय रूप से शामिल था। मारे गए तीसरे बड़े आतंकवादी का नाम जैश-ए-मोहम्मद के मोहम्मद यूसुफ अजहर उर्फ उस्ताद जी उर्फ मोहम्मद सलीम उर्फ घोसी साहब है। यह भी मौलाना मसूद अजहर का साला और जैश-ए-मोहम्मद के लिए हथियारों के प्रशिक्षण का काम देखता था। यह जम्मू-कश्मीर में कई आतंकवादी हमलों में शामिल था। इस आतंकवादी की कंधार विमान अपहरण मामले में भी तलाश थी। हमलों में मारा जाने वाला चौथा आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा का खालिद उर्फ अबू अकाशा था जो जम्मू-कश्मीर में कई आतंकवादी हमलों में शामिल था। यह अफगानिस्तान से हथियारों की तस्करी में शामिल था। इसका अंतिम संस्कार फ़ैसलाबाद में किया गया।

नवा रायपुर में प्रस्तावित ...

करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न अधोसंरचना निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इनमें 30 करोड़ रुपए सड़क निर्माण पर खर्च होंगे। शेष राशि नाली, बिजली, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित करने पर व्यय किए जाएंगे।

डीएमएफ घोटाला मामले में ...

आया कि निविदा देने के बदले अफसरों द्वारा ठेकेदारों से मोटी रकम वसूली गई। ठेके के नाम पर निविदा राशि का लगभग 40 फीसदी कमीशन के रूप में आपस में बांटा गया। इस घोटाले में सरकारी नियमों की भारी अनदेखी हुई है।

भारतीय सेना की आंख बने ...

उपग्रह से सेनाओं को सटीक इनपुट मिल रहा है। कार्टोसेट से 0.6 मीटर से 0.35 मीटर तक की हाई रिजॉल्यूशन इमेजरी मिल सकती है। इसके जरिए पाक के आतंकी लॉन्च पैड्स, सैन्य ठिकानों की सटीक लोकेशन और मूवमेंट की स्पष्ट तस्वीरें मिल पाईं। दिन की अच्छी रोशनी में इस सैटेलाइट से सीमावर्ती इलाकों में रियल टाइम तस्वीरें और वीडियो क्लिप्स तक हासिल की जा सकती हैं।

कांगेर घाटी में 75 लाख का ...
के दामाद जी को गिफ्ट के रूप में दिए गए थे ।

सिर्फ 6 महीनों में ही बह गया स्टॉप डैम-डेढ़ साल बाद बची हुई राशि से कार्य की शुरुआत हुई ।उच्चाधिकारियों के दबाव के बाद अचानक 2021 के दिसंबर माह में 7 से 31 दिसंबर के बीच किसी अन्य ठेकेदार से स्टॉपडेम का निर्माण करवाया गया ।इस बीच 375121 रुपये का भुगतान रायपुर के श्रमिकों को करना बताया गया। पहले बोगस बिलों से खरीदी गई निर्माण सामग्री से तो काम हो नहीं सकता था लिहाज़ा इधर उधर के प्रोजेक्ट से निर्माण सामग्रियों का एडजस्टमेंट किया गया। इसीलिए इस वर्ष विभाग के खातों में किसी भी निर्माण सामग्री की खरीदी का उल्लेख नहीं किया गया।

वर्तमान रेंजर ने भी खुल कर किया भ्रष्टाचार

2023 में यहां विंसेंट जेकब की पदस्थापना पार्क रेंजर के रूप में हुई। उन्होंने भी इस बहते मुनगाबहार नाले में खूब हाथ धोया। इस साल इस खंडहर में बदल चुके स्टॉप डैम के लिए विंसेंट जेकब ने 10 लाख रुपये का सीमेंट 5 लाख की गिट्टी ,सवा 6 लाख की रेत और 45 हज़ार का लोहा खरीदा है। इसमें से एक रुपये की सामग्री भी निर्माण स्थल तक नहीं पहुंची है। कागजों में इस खरीदी के छह माह बाद 8 अगस्त और 25 अक्टूबर के बीच सुकमा के मजदूरों के नाम से फर्जी वाउचर बना कर लाखों का भुगतान किया गया है ।कोटमसर और तीरथगढ़ इलाके में श्रमिकों की कोई कमी नहीं है फिर भी सुकमा के श्रमिकों से काम कराना बताया गया है। वैसे ही रेत,गिट्टी और सीमेंट जैसी आसानी से उपलब्ध होने वाली सामग्री की खरीदी भी बीजापुर के माजीसा ट्रेडर्स से दर्शायी गई है।

सामग्री की जगह माजीसा ट्रेडर्स से खरीदे गए बोगस बिल

यह स्टॉप डैम वनविभाग के अधिकारियों के लिए एटीएम जैसा था। जब जब इन्हें खुद के लिए पैसों की ज़रूरत होती थी इस स्टॉपडेम का काम कागजों में शुरू कर दिया जाता था ।पिछले साल इस प्रोजेक्ट के लिए कैम्पा की बची हुई राशि भी साफ कर दी गई है। रेंजर विंसेंट जेकब द्वारा 2023 की तरह 2024 में भी जमकर बोगस खरीदी की गई है ।इस वर्ष माजीसा ट्रेडर्स से 745000 का सीमेंट,558000 की गिट्टी ,192000 की रेत खरीदी गई है जो अब तक भ्रष्टाचार के इस मौका ए वारदात तक नहीं पहुंच सकी है। इतना ही नही इसी वर्ष 3 फरवरी से लेकर 25 फरवरी तक सुकमा के श्रमिकों के नाम से जमकर फ़र्ज़ी वाउचर बनाये गए हैं और 184508 रुपये का सीधे सीधे गबन कर लिया गया है ।इस तरह कैम्पा के 75 लाख रुपये कोटमसर के मुनगाबहार नाले में डूब चुके है ।35 मीटर के स्टॉप डेम में 8700 बोरी सीमेंट खपाने वाले नेशनल पार्क के अधिकारियों ने एक ढह चुके स्टॉप डैम पर 5196132 रुपये की निर्माण सामग्री और 2074036 रुपये का मज़दूरी भुगतान दर्शाकर भ्रष्टाचार की एक और नई कहानी को अंजाम तक पहुंचा दिया है।

रॉयल्टी भी कागजों में करते रहे जमा

बीजापुर से गौण खनिज के बिल खरीदे जाते रहे और उनकी रॉयल्टी के वाउचर बनाये जाते रहे लेकिन खनिज विभाग को इस पूरे काम की रॉयल्टी का एक रुपया भी भुगतान नहीं किया गया ।इस संबंध में जब कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के सहायक वन संरक्षक कमल तिवारी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि रॉयल्टी तो शासन का पैसा है वह किसी भी विभाग में रहे इससे कोई फर्क नही पड़ता ।उन्होंने कहा कि रॉयल्टी के वाउचर बनाये गए लेकिन खनिज विभाग के खाते में राशि जमा नहीं की गई है ।इसी तरह बीते दो सालों से इस स्टॉपडेम के लिए लाखों की निर्माण सामग्री खरीदने वाले पार्क परिक्षेत्र अधिकारी विंसेंट जेकब से जब पूरे मामले पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

नेशनल लोक अदालत में 17371 प्रकरणों का हुआ निराकरण

51.13 लाख रुपये की अवार्ड राशि पारित

मुंगेली, 10 मई (देशबन्धु)। जिला न्यायालय, तहसील न्यायालय एवं राजस्व न्यायालय, मुंगेली में वर्ष 2025 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में कुल 17371 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा कुल 51,13,673 रुपये की अवार्ड राशि पारित की गई ।नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रातः 10ः45 बजे जिला न्यायालय मुंगेली में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती गिरिजा देवी मेरावी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायालय में 06 खंडपीठ, तहसील न्यायालय लोरमी में 01 खंडपीठ तथा राजस्व न्यायालय में 08 खंडपीठों का गठन किया गया ।इस लोक अदालत में कुल 21655 प्रकरणों को सुनवाई हेतु सूचीबद्ध किया गया, जिसमें से 1832 प्रकरण न्यायालय में लंबित थे और 19823 प्रकरण प्री-लिटिगेशन श्रेणी के थे। न्यायालय में लंबित मामलों में से 1438 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 50,45,772 रुपये की राशि पारित की गई। वहीं, प्री-लिटिगेशन मामलों में 15933 प्रकरणों का निपटारा कर 67,931 रुपये की अवार्ड राशि स्वीकृत की गई ।विशेष रूप से, परिवार न्यायालय के न्यायाधीश श्री राजीव कुमार द्वारा पति-पत्नी के मध्य उत्पन्न विवाद को काउंसलिंग के माध्यम से सुलझाया गया। आपसी सहमति से दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ, जिससे संबंधित प्रकरण का सौहार्दपूर्ण समाधान संभव हो सका।

कार और पिकअप में टक्कर तीन प्रोफेसर घायल

कार और पिकअप में टक्कर तीन प्रोफेसर घायल

तखतपुर 10 मई (देशबन्धु)। मुर्गा लेकर जा रही पिकअप वाहन से कार की टक्कर हो जाने से कार में बैठे तीन प्रोफेसर गंभीर रूप से घायल हो गए वहीं पिकअप से पलट जाने से कुछ मुर्गीयां मौके पर ही मर गई और कुछ मुर्गीयां खेत में भाग गई।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जरहागांव थाना अंतर्गत ग्राम बरेला पथरिया मोड़ के पास आज सुबह सुबह मुंगेली बिलासपुर की ओर पिकअप वाहन सीजी 10 बीवी 1540 आ रही थी तभी सामने से आ रही कार क्रमांक सीजी 10 एएफ 2311 में बैठे तीन प्रोफेसर सुरेश कुमार भारते, खुर्शी अहमद, नरोत्तम कुमार जो उस्लापुर से मुंगेली जा रहे थे सड़क दूर्घटना में पिकअप और कार की टक्कर होने से तीनों प्रोफेसर घायल हो गए वहीं टक्कर से कुछ मुर्गीयां मौके पर ही मर गई पिकअप का डाला खुल जाने से मुर्गीयां खेत के तरफ भाग गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नंद लाल पैकरा मौके पर पहुंचें और घायलों को जिला अस्पताल मुंगेली भेज दिया गया।

आम आदमी पार्टी से मनीष सिंह धुर्वे ने दिया इस्तीफा,

गौरेला पेंड्रा मरवाही 10 मई (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी को एक बड़ा झटका देते हुए, सामाजिक कार्यकर्ता मनीष सिंह धुर्वे ने आज पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

अपने इस्तीफे के माध्यम से उन्होंने कहा कि उन्होंने पार्टी से जुड़ते समय स्वच्छ और वैकल्पिक राजनीति की उम्मीद की थी, लेकिन समय के साथ पार्टी की कार्यशैली में कोई विशेष अंतर नजर नहीं आया और वह भी पारंपरिक राजनीतिक दलों की राह पर चल पड़ी है।

मनीष सिंह धुर्वे ने कहा, (मैंने यह निर्णय व्यक्तिगत मूल्यों और सिद्धांतों के आधार पर लिया है। मेरा उद्देश्य समाज और विशेषकर आदिवासी समुदाय के अधिकारों की लड़ाई को बिना किसी राजनीतिक दबाव के पूरी स्वतंत्रता से जारी रखना है।)

// राजस्व मामले में नोटिस //

न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला सक्ती (छ.ग.)

पृ.प्र.क्रं. 202307310700004/ 3102/ Apl/ अ-6/ 2022-23
ग्राम - निमोही, तहसील-डभरा

पक्षकार :-
1. उमाशंकर पिता घसियाराम उम्र 61 वर्ष
2. भवानी शंकर पिता घसियाराम उम्र 52 वर्ष
3.श्रीमती सेतबाई पिता घसियाराम उम्र 85 वर्ष
सभी निवासी निमोही थाना व तहसील डभरा, जिला-सक्ती (छ.ग.)

बनाम

1. श्रीमती मीनाकुमारी उम्र 40 वर्ष पिता घसियाराम कलार, निवासी ग्राम कैथा थाना व तहसील जैजैपुर जिला सक्ती (छ.ग.) हाल-मुकाम ग्राम निमोही थाना व तहसील डभरा जिला सक्ती (छ.ग.)
2. छ.ग.शासन,

प्रति,
1. श्रीमती मीनाकुमारी उम्र 40 वर्ष पिता घसियाराम कलार, निवासी ग्राम कैथा थाना व तहसील जैजैपुर जिला सक्ती (छ.ग.) हाल मुकाम ग्राम निमोही थाना व तहसील डभरा जिला सक्ती (छ.ग.)

आवेदकगण उमाशंकर पिता घसियाराम साकिन निमोही तहसील डभरा जिला-सक्ती (छ.ग.) व 02. अन्य में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सक्ती में प्रकरण क्रमांक 202307310700004/ अ-6/ 2022-23 में पारित आदेश दिनांक 13.05.2024 के विरूद्ध पुनरीक्षण प्रस्तुत कर उक्त आदेश को निरस्त करने की मांग की गई है। आपको पक्षकार के रूप में संयोजित किया गया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 22.05.2025 को दिन के 11.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सभी प्रश्नों का उत्तर दे सके। न्यायालय में आपकी उपसंजाति के लिए नियत दिनांक 22.05.2025 है वह इस वाद के निपटारे के लिए नियत है।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

आज दिनांक 22.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की सील मुद्रा लगाकर जारी किया गया।

सील
अपर कलेक्टर
जिला सक्ती (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक – 2 बिलासपुर (छ.ग.)
(झूलेलाल धर्मशाला के बगल में, चकरभाठा केम्प जिला-बिलासपुर)
E-mail ID - ee.2bsp@rediffmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

क्रमांक- 1751/NIT-01/2025-26/SAC — दिनांक 07.05.2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि — 15-05-2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि — 22-05-2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि — 23.05.2025 अपरान्ह 11.30 बजे तक

एन.आई.टी. क्र. निविदा	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि एवं बैंक साल्वेंसी (रू.में)
01 T0005	जमा मद शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोटा जिला बिलासपुर स्थित मोटर सायकिल पार्किंग शेड निर्माण मेन गेट में साईन बोर्ड एवं अन्य निर्माण कार्य।	6.07 4553.00 91050.00
01 T0006	हाईकोर्ट उपसंभाग क्र.-2 बिलासपुर के अंतर्गत मा.उ.न्या. आवासीय परिसर बोदरी (सेक्टर-1,2 एवं 3) के आंतरिक पहुंच मार्गों में डब्ल्यू एम एम एवं बी टी पेच रिपेयर का कार्य।	6.00 4500.00 90000.00
01 T0007	हाईकोर्ट उपसंभाग क्र.-2 बिलासपुर के अंतर्गत छतौना सकर्रा मार्ग एवं मा.उ. न्या.परिसर बोदरी के आंतरिक पहुंच मार्गों में डब्ल्यू एम एम एवं बी टी पेच रिपेयर कार्य।	9.00 6750.00 135000.00
01 T0008	उपसंभाग- कोटा बिलासपुर के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों (स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य विभाग) में ए.आर.एवं वॉटर प्रुफिंग कार्य।	5.00 3750.00 75000.00
01 T0009	उपसंभाग क्र-3 बिलासपुर के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों (स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य विभाग) में साधारण मरम्मत कार्य।	5.00 3750.00 75000.00
01 T0011	हाईकोर्ट उपसंभाग क्र -2 बिलासपुर के अंतर्गत मा.उ.न्या. मुख्य भवन एवं परिसर स्थित अन्य भवनों का साधारण मरम्मत कार्य।	10.00 7500.00 150000.00
01 T0012	हाईकोर्ट उपसंभाग क्र-2 बिलासपुर के अंतर्गत मा.उ.न्या. आवासीय परिसर बोदरी बिलासपुर में साधारण मरम्मत कार्य।	10.00 7500.00 150000.00
01 T0013	हाईकोर्ट उपसंभाग क्र-1 बिलासपुर के अंतर्गत आवासीय भवनों (स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य विभाग) में साधारण मरम्मत कार्य।	5.00 3750.00 75000.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/ pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग क्र.-2
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

जी- 252600732/1

IN THE HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR
CAVEAT APPLICATION N0. ..../ 2025
IN
PROPOSED Writ Petition (s) No....... /2025
(OR OTHER NATURE MATTER)

CAVEATOR PROPOSED RESPONDENT 1 Amit Sharma, son of Hirendra kumar Sharma, aged about years, resident of H.No. 22, college Road to Shiv Mandir Marg Kawardha, and District- Kawardha, and District-Kawardha (C.G.)
2. Bhupendra Verma, son of Madhav Prasad Verma, aged about years, resident of 130/k Street-6 C, Zone-2, near Mahamritunjay Mandir, New Adarsh Nagar and District-Durg (C.G.)
3. Manish Kumar Verma s/o Chanshyam Kumar Verma, aged about-years, Resident of Viru Kirana store, Majdoor Chauk, Tekari, District-Raipur (C.G.)
4. Prakash Patela s/o Chinta Ram Patela, Aged about-years, Resident of Bemcha Kharora, Kharora District-Mahasamund.
5. Shubham Chandrakar s/o C L Chandrakar aged about years, Resident of Priyanka Colony, Ward no. 12, Bypass Road Kurud, District-Dhamtari (C.G.)

VERSUS

NON-CAVEATOR: : Public in General
Proposed appellant

CAVEAT APPLICATON UNDER SECTION 148 (A) OF CIVIL PROCEDURE CODE, 1908

That, the Caveator / Proposed respondent respectfully begs to submit as under :-
1. That, State Government has issued notification dated 30/4/25 regarding adjustment of removed B.Ed teachers Copy of notification is as **Annexure C-1**
2. That, the caveator humbly submitted that in case the proposed petitioner files any petition against C/1 then Cavato may also be heard before passing any interim order in the said petition as Caveator are benificiary of C/1. Notice before removal is marked as Annexure C/2.
3. That, the copy of this caveat application is published in local news paper Copy is filed herewith as **Annexure C-2.**

PRAYER

It is therefore, humbly prayed that this Hon'ble High Court may kindly be pleased to allow the instant application and may kindly be provided the opportunity of hearing to the Caveator / Proposed respondent before passing any order on interim application, in the interest of justice.

BILASPUR
DATED: 09.05.2025

Ajay Shrivastava
COUNSEL, FOR THE CAVEATOR/ PROPOSED RESPONDENT 8827678167, 9425236552

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. 2118/ निर्माण/ 2025 — दिनांक 01.05.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र. 42 दैहान पारा राखड़ डेम के पास एसएलआरएम सेंटर का निर्माण (15वें वित्त मद) (प्रथम निविदा)	25.90	22.05.2025 T,No. 167736

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

// स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें //

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर
जिला- बिलासपुर
मामले की श्रेणी : राजस्व

संदर्भः-जिला-बिलासपुर तहसील-बिलासपुर प.ह.नं. 29 चिल्हाटी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध क्रमांक-CT202425400107200096

// ईश्तहार //

तहसील बिलासपुर के प.ह.नं. 29 के अंतर्गत ग्राम चिल्हाटी के वर्तमान भूमिस्वामी झनकलाल नागपुरे पिता झाडूलाल नागपुरे पता-भटगांव तह. सूरजपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 224/107 (0.0130) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता श्रीमती निर्मला प्रसाद पिता/ पति परशुराम प्रसाद खैरवार पता-चंदन आवास राजकिशोर नगर, लिंगियाडीह तह. व जिला बिलासपुर छ.ग. के नाम पर पंजीयन/ फौती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरुस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 13/05/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर जिला-बिलासपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/04/2025 को जारी किया जाता है।

सील
Mukesh Kumar Dewangan
तहसीलदार
तहसील बिलासपुर

आवश्यकता है

रायपुर,और राजनांदगांव में ऑनलाइन सामान की डिलिवरी हेतु लड़के चाहिए। बाहर वालो को रहने की सुविधा मिलेगी। अपना वाहन नही होने पर,कम्पनी देगी ।6264826402 में पहले अपना बायोडाटा भेजिये। फिर कम्पनी की तरफ से काल आएगी।

आवश्यकता है

रायपुर,भिलाई,बिलासपुर, राजनांदगांव, में चारो जगह ड्राईक्लीन का काम जानने वाले की जरूरत है। बाहर वालो को रहने की व्यवस्था मिलेगी।

सम्पर्क करें।
6264826402

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER
PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE
BILASPUR, CHHATTISGARH

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 318 दिनांक 31.12.2024, 327 दिनांक 08.01.2025 एवं 329 दिनांक 08.01.2025 को अपेन्डिक्स 2.10 की कंडिका 4.6 के तहत् अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है।

पूर्व जी.नं. 242505036 & 242505274
जी-252600729/4

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) जिला-गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.)

दूरभाष क्र.- 07751- 220658 — Email - actwd. gpm@gmail.com

संशोधित ई- निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/ 358/ पी.एम.जनमन/ निर्माण/ 2025-26 — गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, दिनांक 07/05/2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्यों के लिए कार्यालय कलेक्टर (सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा) गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के कार्यालय में नीचे दर्शाए गए विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत ''द'' श्रेणी एवं इससे उपर श्रेणी के ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग भवन दर अनुसूची जो दिनांक 01.01.2015 एवं संशोधित दिनांक 23.12.2022 तक लागू एवं विद्युतीकरण दर अनुसूची जो दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील है। (समस्त संशोधन सहित) एस.ओ.आर. पद्धति के तहत ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है :-

01. ई-निविदा प्रारंभ तिथि - 07.05.2025
02. निविदा की अंतिम तिथि- 19.05.2025 (सायंकाल 5.30 बजे तक)
03. निविदा प्रपत्र की चालान एवं अमानत राशि (एफ.डी.आर.) प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि (स्पीड पोस्ट से) - 22.05.2025
04. निविदा खोलने की तिथि - 23.05.2025 (सायंकाल 4:00 बजे)

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित)
1	पी.व्ही.टी.जी.हेतु बहुउद्देशीय केन्द्र का निर्माण छोटकीदादर (ठाड़पथरा)	60.00	60000.00	06 माह वर्षा ऋतु सहित
2	पी.व्ही.टी.जी.हेतु बहुउद्देशीय केन्द्र का निर्माण तलवाटोला (बेलगहना)	60.00	60000.00	06 माह वर्षा ऋतु सहित

निविदा की सामान्य शर्तें व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
जिला-गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.)

जी- 252600745/2

देश

उवाच

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का जो घिनौना खेल खेला गया, इस वक्त आईएमएफ की तरफ से पाकिस्तान को आर्थिक सहायता देना सही नहीं था। आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर भारतीय सेना ने अपना काम कर दिया।

–तारिक अनवर, कांग्रेस सांसद

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	3[illegible]	26
मुंबई	32	29
कोलकाता	37	28
चेन्नई	33	29

स्थायी कमीशन पर कोर्ट के फैसले से बढ़ेगा महिला अधिकारियों का मनोबल

कांग्रेस ने सेना में महिलाओं के स्थायी कमीशन पर शीर्ष अदालत के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने सेना में महिलाओं के स्थायी कमीशन पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए शनिवार को कहा कि देश के वर्तमान माहौल को देखते हुए यह फैसला महिला अधिकारियों का मनोबल बढ़ाएगा। विंग कमांडर सेवानिवृत्त अनुमा आचार्य ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सेना की महिला अधिकारियों के स्थायी कमीशन को लेकर उच्चतम न्यायालय का शुक्रवार को एक निर्णय आया है जो बहुत राहत देने वाला है और आज जो देश का माहौल है, उसमें इस फैसले से महिला अधिकारियों का मनोबल बढ़ाता है।

वर्तमान में देश की जो स्थिति है, उसमें सेनाओं के प्रति हम अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं और उनके शौर्य और साहस को सलाम करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं खुद इस केस की एक लाभार्थी रही हूं। साल 1992 में पहली बार महिला अधिकारियों की एंट्री शुरू हुई और वायु सेना ने रक्षा मंत्रालय की तरफ से एक सर्कुलर 25 नवंबर 1991 को जारी कर कहा था कि एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में महिला अधिकारियों

वर्तमान में देश की जो स्थिति है, उसमें सेनाओं के प्रति हम अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं व उनके शौर्य और साहस को सलाम करते हैं : अनुमा आचार्य

को लिया जाएगा। अगर प्रयोग सफल होता है, तो आने वाले छह साल के लिए उन्हें सेवा विस्तार दिया जाएगा। फिर 11 वर्ष बाद महिला अधिकारियों से पूछा जाएगा कि क्या वे पेंशन वाली सेवा में शामिल होना चाहती हैं।

साल 1999 से 2004 के बीच में जब बाकी सरकारी नौकरियों में ओपीएस खत्म हुआ तो उसी समय महिला अधिकारियों की पेंशन के लिए विकल्प देने की बात थी, वो भी खत्म हुआ। आगे चल कर 2007 में विंग कमांडर अनुपमा जोशी और स्कॉर्डन लीडर रुखसान हक ने पहले यह केस कोर्ट में दायर किया। उन्होंने कहा कि बाद में थल सेना की भी महिला अधिकारियों ने इस मामले को आगे बढ़ाया और 2009 आते-आते सारे केस क्लब करते हुए 14 दिसंबर 2009 को दिल्ली की हाई कोर्ट ने यह केस फैसले के लिए सुरक्षित कर लिया गया। बारह मार्च 2010 को कोर्ट का महिला अधिकारियों के पक्ष में फैसला आया और वायु सेना की महिला अधिकारियों के मामले में रक्षा मंत्रालय का एक नीतिगत पत्र जारी हुआ तो मेरे जैसी 23 महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन मिल गया। इस मामले में सेना ने कोई नीतिगत पत्र नहीं निकला था, तो बबिता पुनिया वर्सेस भारत सरकार को केस की बाकी महिला अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट में अपनी लड़ाई आगे के 10 साल तक लड़नी पड़ी। इसमें नौ सेना की महिला अधिकारियों ने बाद में अपने स्थायी कमीशन की लड़ाई लड़ी।

हम देश की सेनाओं के साथ खड़ें हैं : कांग्रेस

विंग कमांडर सेवानिवृत्त अनुमा आचार्य ने कहा कि अब उच्चतम न्यायालय का निर्णय आया है कि महिला अधिकारियों को तब तक बहाल रखा जाए, जब तक अगली सुनवाई अगस्त में नहीं होती। हम सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत करते हैं और हम देश की सेनाओं के साथ खड़ें हैं। हम हर सैन्यकर्मी के शौर्य को हमारा सलाम है। पूर्व सेना अधिकारी ने कहा कि नौ मई को उच्चतम न्यायालय ने शॉर्ट सर्विस कमीशन महिला अधिकारियों की याचिका पर अगली सुनवाई तक उनकी सेवाएं बहाल करने के निर्देश दिए हैं। न्यायालय ने कहा कि ऐसे समय में महिला अधिकारियों का मनोबल बढ़ा रहना चाहिए। हमारी महिला अधिकारी प्रतिभाशाली हैं। इस पर केंद्र सरकार की तरफ से कहा गया था कि हर वर्ष केवल 250 शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारियों को ही परमानेंट कमीशन दिया जा सकता है। सेना में अधिकारियों का युवा काडर होना बहुत जरूरी है। इस पर उच्चतम न्यायायल ने कहा कि जो अनुभवी महिला अधिकारी हैं, वे भी युवा सैनिकों के मार्गदर्शन और मानसिक संबल के लिए बहुत आवश्यक हैं। न्यायालय का यह फैसला महिला अधिकारियों के लिए उम्मीद की किरण है।

सुरक्षित निकाले गए 23 तेलुगु छात्र

हैदराबाद, 10 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के आदेश पर जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने तेजी से कार्रवाई करते हुए संघर्षग्रस्त क्षेत्र में फंसे 23 तेलुगू छात्रों को सुरक्षित निकाल लिया है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के रहने वाले ये छात्र शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) में पढ़ रहे थे। पिछले कुछ दिनों से कश्मीर में तनाव तेजी से बढ़ गया है, पाकिस्तान ने नागरिक घरों, सरकारी भवनों और सेना के शिविरों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। जमीनी स्तर पर स्थिति लगातार बिगड़ती रही, जिससे निवासियों और छात्रों में लगातार भय का माहौल बना हुआ था। तेलुगु छात्र खुद को फंसा हुआ पा रहे थे, क्योंकि क्षेत्र में हवाई अड्डे बंद थे और वे बाहर नहीं निकल पा रहे थे। इस अनिश्चितता के बीच, उन्होंने केंद्रीय मंत्री को एक पत्र भेजकर मदद की गुहार लगाई थी।

संघर्षग्रस्त क्षेत्र में फंसे थे छात्र

छात्रों ने कहा कि हम युद्ध क्षेत्र में फंसे हैं, कृपया मदद करें। हालात की गंभीरता देखते हुए मंत्री ने तुरंत छात्रों से संपर्क किया और जिला कलेक्टर और एसकेयूएएसटी यूनिवर्सिटी डीन से बात करके उनकी सुरक्षित निकासी सुनिश्चित कराई। मंत्री के निर्देश पर जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने छात्रों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की पूरी व्यवस्था की। अब खतरे से बाहर ये छात्र तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से हैं, जो एसकेयूएएसटी में पढ़ रहे थे और हिंसा के चलते फंस गए थे।

उपमहाद्वीप में नेतृत्वकर्ता की भूमिका अपनाए भारत : महबूबा

तनाव कम करने के लिए कदम उठाने का किया आग्रह

श्रीनगर, 10 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता महबूबा मुफ्ती ने पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार से शांति प्रक्रिया का नेतृत्व करने और तनाव कम करने की दिशा में पहला कदम उठाने का शनिवार को आग्रह किया। मुफ्ती ने कहा कि भारत को उपमहाद्वीप में नेतृत्वकर्ता की भूमिका को अपनाना चाहिए और तनाव कम करने की दिशा में कदम उठाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख से संपर्क किया है और तनाव कम करने का आग्रह किया है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि शुरुआत में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव में अमेरिका एक निश्चित बिंदु से आगे हस्तक्षेप नहीं करेगा, लेकिन अब स्थिति की चिंताजनक गंभीरता को देखते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख से संपर्क किया है और तनाव

कम करने का आग्रह किया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अब वह ऐसी उभरती हुई शक्ति है, जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है तथा वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उसे असंगत अंतरराष्ट्रीय समर्थन पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इसकी बजाय, भारत को उपमहाद्वीप में अपनी नेतृत्वकर्ता की भूमिका को अपनाना चाहिए और तनाव कम करने के लिए पहला कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया हमें देख रही है। यह भारत के लिए मजबूती से खड़े होने और यह दिखाने का समय है कि उसकी असली ताकत परमाणु हथियारों में नहीं बल्कि संयम और शांति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता में निहित है।

सार संक्षेप

मुंबई तट पर हाई अलर्ट

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य मत्स्य विभाग ने मछली पकड़ने वाले समुदाय को चेतावनी जारी की है कि वे तेल रिग और 877.97 किमी लंबे महाराष्ट्र तट पर अपतटीय रक्षा क्षेत्रों के पास न जाएं। भारतीय नौसेना ने मुंबई और कोंकण क्षेत्र के मछुआरा समुदाय, मत्स्य विभाग, तटीय पुलिस, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और तटरक्षक बल के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की व संवेदनशील क्षेत्रों में मछली पकड़ने के खिलाफ सलाह दी। सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहे महाराष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उच्च स्तरीय बैठक में निषिद्ध क्षेत्रों में प्रवेश करने पर 'गोली मार डालने' के निर्देशों के साथ हाई अलर्ट पर चर्चा की गई है।

इंदौर के होलकर स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी

इंदौर। मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर के होलकर स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। मिली जानकारी के अनुसार, होलकर स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन को आया। इस ईमेल में होलकर स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसके साथ ही देश भर में स्लीपर सेल होने का जिक्र किया गया। इतना ही नहीं, यह भी कहा गया कि पाकिस्तान से पंगा मत लो। इस ईमेल में ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया गया। स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी के ईमेल को पुलिस-प्रशासन ने गंभीरता से लिया है और पुलिस अमला मौके पर पहुंचा व उसने तलाशी अभियान चलाया।

पटेल ने जिला प्रशासनों के साथ की समीक्षा बैठक

गांधीनगर। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के जिला प्रशासनों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस समीक्षा बैठक की। मौजूदा हालात में राज्य सरकार के पास जरूरी वस्तुओं, दवाइयों, ईंधन आदि का भंडार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। राज्य के सीमावर्ती जिलों के कलेक्टर उनके जिलों में ऐसी किसी भी वस्तु की जरूरत प्रतीत हो कि वे तुरंत ही राज्य सरकार से संपर्क कर तत्काल प्राप्त कर सकेंगे।

ग्रेनाइट स्लैब से लदी लॉरी पलटने से तीन की मौत

बापटला। परचूर मंडल के थिम्माराजूपालम गांव में शनिवार को ग्रेनाइट स्लैब से लदी लॉरी पलटने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मार्टूर से गुंटूर जा रही ग्रेनाइट स्लैब से लदी लॉरी सड़क पर पलट गई, जिससे पलापर्थी श्रीनू, तल्लूरी प्रभुदास और तम्मुलुरु सुरेंद्र की मौत हो गई। दुर्घटना के समय सभी मृतक लॉरी में सवार थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए जीजीएच भेज दिया है। लॉरी का चालक फरार है।

ओडिशा के 23 और मीसा बंदियों को मिलेगी मासिक पेंशन

भुवनेश्वर, 10 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने 23 और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था अधिनियम (मीसा) के तहत बंदियों को पेंशन देने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है, जिनमें मीसा के अंतर्गत गिरफ्तार 19 और डीआईएसआईआर प्रावधानों के अंतर्गत गिरफ्तार चार बंदी शामिल हैं। इससे पहले 21 मीसा बंदियों के लिए पेंशन स्वीकृत की गई थी। इन 23 लोगों के जुड़ने के बाद अब राज्य में कुल 44 पूर्व बंदियों को पेंशन योजना के लिए पात्र माना गया है। प्रत्येक लाभार्थी को 20,000 रुपए मासिक पेंशन मिलेगी तथा उनके सभी चिकित्सा खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार ने ओडिया स्वतंत्रता की भावना को मूर्त रूप प्रदान करने वाले लोगों को सम्मानित करने की कोशिश की है।

मोहन चरण माझी ने प्रस्ताव को प्रदान की मंजूरी

इस पहल में स्वतंत्रता सेनानियों के भत्ते में बढ़ोतरी की गई है तथा आपातकाल के दौरान मीसा अधिनियम के अंतर्गत जेल में बंद लोगों को पेंशन भी प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 के बीच देश में लगाए गए आपातकाल के विरोध में अनेक लोगों को मीसा, डीआईआर और डीआईएसआईआर कानूनों के अंतर्गत गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। ओडिशा सरकार ने निर्णय लिया है कि एक जनवरी 2025 तक सभी जीवित कार्यकर्ता पेंशन और चिकित्सा लाभ के लिये पात्र होंगे।

बिहार के सीमावर्ती जिलों में बरतें पूरी सतर्कता : नीतीश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अफवाहों पर कड़ी नजर रखने के दिए निर्देश

पूर्णिया, 10 मई (देशबन्धु)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव को ध्यान में रखते हुए नेपाल और बांग्लादेश की सीमा से लगे प्रदेश के सभी जिलों में पूरी सतर्कता बरतने के साथ ही राज्य में असामाजिक तत्वों के उकसावे वाली किसी भी अफवाह पर कड़ी नजर रखने का आज निर्देश दिया। कुमार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की पृष्ठभूमि में राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों की कड़ी निगरानी के लिए शनिवार को यहां उनकी अध्यक्षता में हुई सुरक्षा संबंधी उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को ध्यान में रखते हुए सीमावर्ती इलाकों में पूरी तरह से सतर्कता बरतें। सीमा पर

स्थित सड़कों पर लगातार गश्ती करते रहें तथा आने-जाने वालों की पूरी जांच करें। साथ ही महत्वपूर्ण सड़कों, पुलों, रेलवे लाईन एवं धार्मिक स्थलों जैसे संवेदनशील स्थानों पर पूरी निगरानी रखें। राज्य सरकार के सभी पदाधिकारी, सेना एवं सशस्त्र सीमा बल के (एसएसबी) पदाधिकारियों के साथ मिलकर काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पांच जिलों पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया और सुपौल जिलों के अलावा अन्य सीमावर्ती जिलों में भी इसी तरह से सतर्क रहने एवं

सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर किए जाएं पुलिस बल प्रतिनियुक्त : नीतीश कुमार

मिलकर काम करने की आवश्यकता है। सभी जिलों में कड़ी चौकसी रखी जाए। उन्होंने कहा कि सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर पुलिस बल प्रतिनियुक्त किया जाए। वरीय पदाधिकारी नियमित रूप से गश्ती कर सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लेते रहें। इस घटना के आलोक में भारत एवं पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए बिहार के सीमावर्ती जिलों पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया और सुपौल के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, भारतीय सेना तथा सशस्त्र सीमा बल के पदाधिकारियों के साथ यह बैठक की जा रही है।

इंडो-नेपाल बॉर्डर रोड पर हो लगातार गश्त

नीतीश कुमार ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर कड़ी चौकसी रखी जाए एसएसबी के साथ मिलकर इंडो-नेपाल बॉर्डर रोड पर लगातार गश्ती होनी चाहिए। सीमा पर आवाजाही पर कड़ी नजर रखी जाय। संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जाय। उन्होंने कहा कि सेना के साथ उचित समन्वय सुनिश्चित किया जाए एवं राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम की घटना के बाद की स्थिति को ध्यान में रखते हुए हर तरह से सतर्कता बरतने की जरूरत है। आतंकवादी या असामाजिक तत्व किसी व्यक्ति को गुमराह कर या लालच देकर गड़बड़ी करा सकते हैं। इन सब चीजों पर भी विशेष नजर रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलों के साथ समन्वय सुनिश्चित किया जाय। महत्वपूर्ण पथों, पुलों, रेलवे लाईन, एयरपोर्ट, पेट्रोल-डीजल डिपो, गैस स्टेशन आदि पर कड़ी नजर रखी जाय। उन्होंने कहा कि अफवाहों पर कड़ी नजर रखी जाए। आसूचना तंत्र को अत्यंत संवेदनशीलता से सूचना संग्रहण हेतु लगाया जाए।

आईएमएफ को पाकिस्तान को लोन देने से पहले सोचना चाहिए था : मनोज झा

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। आईएमएफ द्वारा पाकिस्तान को 1 बिलियन डॉलर का लोन दिए जाने पर राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि आईएमएफ को लोन देने पहले सोचना चाहिए था। राजद सांसद ने कहा कि आईएमएफ की ओर से जिस तरह से पाकिस्तान को लोन दिया गया, इस पर कई बातें कही जा रही हैं। लेकिन, मैं एक महत्वपूर्ण बात कहना चाहूंगा कि जिन देशों या संस्थाओं ने यह फैसला लिया है, उन्हें गंभीरता से विचार करना चाहिए कि यह रकम पाकिस्तान के लोगों के लिए है या आतंकी प्रयोगशालाओं के लिए। जब सच्चाई सामने आएगी, तो वे भी चौंक जाएंगे। राजद सांसद ने आगे कहा कि पूरी दुनिया को भारत और पाकिस्तान की आर्मी के बीच का अंतर भी देखना

हमने कभी भी स्थिति को बढ़ाने की कोशिश नहीं की

चाहिए। पाकिस्तान जो नापाक हरकत कर रहा है, हमारे सशस्त्र बल और हमारी सरकार पूरी तरह मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं। मैंने सेना और रक्षा मंत्रालय की प्रेस ब्रीफिंग सुनी और मैं लोगों से आग्रह करता हूं कि वे तथाकथित स्त्रोतों और टेलीविजन चैनलों पर ध्यान न दें। विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि हमने कभी भी स्थिति को बढ़ाने की कोशिश नहीं की। ऑपरेशन सिंदूर की पहली रात को नागरिकों या सैन्य प्रतिष्ठानों पर कोई हमला नहीं हुआ, लेकिन पाकिस्तानी सेना की ओर से प्रतिक्रिया पूरी तरह से विपरीत थी। भारत-पाक के बीच तनाव है और जिस तरह से पहलगाम में आतंकवादी हमले हुए, एक चिंगारी लगाई गई।

पाक की नापाक हरकत में हमने अपने लोगों को गंवाया

राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि पाकिस्तान की नापाक हरकत में हमने अपने लोगों को गंवाया। पीडीपी प्रमुख के सोशल मीडिया पोस्ट पर राजद सांसद ने कहा कि हमें यह देखना चाहिए कि हमारी सेना जो प्रेस वार्ता में बता रही है, हमेशा उन्हीं की बातों पर गौर करना है। सूत्र या सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही खबरों पर ध्यान नहीं देना है।

सिद्दारमैया आंतरिक सुरक्षा की समीक्षा करेंगे : परमेश्वर

बेंगलुरु, 10 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और सोशल मीडिया पर चल रही युद्ध संबंधी अफवाहों के मद्देनजर आंतरिक सुरक्षा की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। डॉ. परमेश्वर ने बताया कि बैठक में राज्य की तैयारी की समीक्षा की जाएगी और केंद्र सरकार की एडवाइजरी के अनुसार आवश्यक कदमों पर विचार किया जाएगा।

युद्ध या युद्ध जैसी स्थिति में नागरिक सुरक्षा विभाग ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती कदम उठाए हैं। गृह मंत्री ने अफवाहों और भड़काऊ सामग्री के फैलाव पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे अफरा-तफरी मच सकती है और खाद्य पदार्थ, पानी, दूध जैसी जरूरी चीजों की कमी हो सकती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग युद्ध, समाज और समुदायों को लेकर झूठी बातें फैलाकर अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। डॉ. परमेश्वर ने बताया कि बैठक में मंत्री प्रियंक खड़गे, आईटी विभाग और आंतरिक सुरक्षा प्रभाग के अधिकारी शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फैल रही अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं को रोकने की रणनीति बनाना है। उन्होंने सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं और मीडिया से अपील की कि वे ऐसी गलत जानकारियां न फैलाएं तथा ऐसे पोस्ट तुरंत ब्लॉक किए जाएं ताकि जनता में घबराहट और अशांति न फैले।

मुलुगु विस्फोट में पीड़ित परिवार को अनुग्रह राशि की घोषणा

हैदराबाद, 10 मई (एजेंसियां)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवंत. रेड्डी ने मुलुगु जिले में बारूदी सुरंग विस्फोट और उसके बाद हुई गोलीबारी की घटना में तीन पुलिस कांस्टेबलों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है और पीड़ित परिवार के एक सदस्य को नौकरी तथा एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। शहीद कांस्टेबलों में मेडचल जिले के घाटकेसर के संदीप (27), कामारेड्डी जिले के पलवंचा के वडला श्रीधर (29) और आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले के कनिगिरी के पवन कल्याण (23) ने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गवां दी। रेडी ने प्रत्येक शहीद के परिवार के लिए एक करोड़ रुपए की विशेष अनुग्रह राशि की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि सभी आवश्यक वित्तीय सहायता बिना देरी के प्रदान की जाए। इसके अलावा, राज्य की सुरक्षा योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 80 लाख रुपये और 300 वर्ग गज आवासीय भूमि आवंटित की जाएगी। साथ ही परिवारों के पात्र सदस्य को सरकारी नौकरी दी जायेगी। उन्होंने शनिवार को राज्य की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वालों के परिवारों को समर्थन देने के लिये सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि उनकी बहादुरी और समर्पण को कभी नहीं भुलाया जाएगा।

एक करोड़ रुपए व सरकारी नौकरी देगी रेड्डी सरकार

ऑप्रेशन सिंदूर में इंटेलिजेन्स इनपुट बने बड़े मददगार

■ जोगेंद्र सोलंकी

नई दिल्ली, 10 मई (देशबन्धु)। पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवादियों के अड्डों और ट्रेनिंग कैंपस पर सफल एयर स्ट्राइक के बाद दुश्मन मुल्क में घुसकर भारतीय वायुसेना ने अभी तक जो भी कामयाबी हासिल की है उसमें देश की सर्वोच्च खुफिया एजेंसी रिसर्च एनालिसिस विंग (रॉ) से मिले इंटेलीजेंस इनपुट का खास योगदान रहा है।

पहलगाम में आतंकी हमले के 15 दिन बाद 6 मई की दरम्यानी रात पाकिस्तान तथा पीओके में 25 मिनट की छोटी सी अवधि में 9 आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना ने हमला किया जिसे ऑपरेशन सिंदूर का नाम दिया गया था। जिसमें जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मौलाना मसूद अजहर के दर्जनभर करीबी रिश्तेदारों के साथ सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए।

इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने बहावलपुर (जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय), मुरीदके (लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय), सियालकोट (आतंकी अड्डा) और चक अमरू (आतंकी शिविर) और मुजफ्फराबाद में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के शिविरों के साथ कोटली, भीमबर, बाग और गुलपुर में आतंकी ठिकानों पर सटीक

हमले किए। वह केवल बाहरी खुफिया एजेंसी रॉ से मिले इन्टैलीजेंस इनपुट के आधार पर संभव हो पाया है॥ बता दें कि पहलगाम हमले के बाद जब रक्षा मंत्रालय सैन्य अफसरों और खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर पाकिस्तान को सबक सिखाने की रणनीति तैयार कर रहा था तब रॉ ने पीओके व पाकिस्तान में आतंकवादियों और सेना द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण कैंप और लॉचिंग पेड के 21 ठिकानों की पूरी जानकारी दी थी। बताया जा रहा है कि इसी लिस्ट के आधार पर 9 ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर प्रहार किया गया और इसमें कामयाबी भी मिली। इस एयर स्ट्राइक के बाद जब पाकिस्तान लगातार तीन दिन से भारत पर ड्रोन अटैक कर रहा था उसके बाद घर में घुसकर की जा रही स्ट्राइक में भी रॉ से मिल रहे इंटेलीजेंस इनपुट का बड़ा रोल है। चाहे अरब सागर में खड़े भारतीय युद्धपोत आईएनएस विक्रांत करांची में बंदरगाह की तबाही हो या पाकिस्तान के अलग-अलग शहरों में प्रमुख सैन्य ठिकानों व ऐयरबेस की जानकारी सब कुछ तीनों सेनाओं को देश की सर्वोच्च खुफिया एजेंसी ही उपलब्ध करा रही है।

■ रॉ के पास है पाकिस्तान में आतंक के अड्डों और सैन्य ठिकानों की पूरी जानकारी

बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी और एनएसए अजित डोभाल के निर्देश पर खुद रॉ चीफ तीनों सेनाओं के साथ इंटैलीजेंस इनपुटस को लेकर कोर्डिनेशन कर रहे हैं।

भारत-पाक संघर्ष विराम स्वागत योग्य कदम : स्टालिन

चेन्नई, 10 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान द्वारा चार दिनों से चल रही भीषण शत्रुता को समाप्त करने के लिए घोषित संघर्ष विराम एक स्वागत योग्य कदम है। एक्स पर एक पोस्ट में, स्टालिन ने उनके द्वारा भारतीय सशस्त्र बलों के समर्थन में आयोजित रैली की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि तमिलनाडु ने भारतीय सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता में मार्च किया। एम के स्टालिन ने लिखा कि युद्धविराम एक स्वागत योग्य कदम है, शांति कायम रहे। हमारी सीमाओं की रक्षा करने वालों के साहस को हमारा हार्दिक सलाम।

हाना

लंगड़ी धोड़ी बहुत उपायी,
छानही में चघ के बंदूक चलायी।
जेन मनखे ह थोरकिन लंगड़ा, खोरवा या शरीर ले कमजोर होथें तेन मन के दिमाग ह ज्यादा काम करथे, वो मन ह छानही में चढ़ के बंदूक चलाए के काम ल कर डारथें।

शब्द अरथ

1. छंदइया-छानने वाला। फंसाने वाला, बांधने वाला
2. छदई - छानने, फंसाने या बांधने की क्रिया या भाव
3. छदउनी- छानने, फंसाने या बांधने का खर्च या पारिश्रमिक
4. छंदना- छानने के लिए प्रयुक्त वस्तु फंसना, बंधना
5. छदनी-छदना
6. छंदल- छना हुआ,फंसा हुआ
7. छंदवइया- छानने, फंसाने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने वाला
8. छदवई- छानने, फंसाने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने की क्रिया या भाव
9. छदवउनी- छानने, फंसाने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने का खर्च या पारिश्रमिक
10. छदवा- छाना हुआ, शुद्ध किया हुआ, फंसा हुआ, बंधा हुआ।

बंजर धरती म वृक्षारोपण

आज जब ताप हर बछर एक डिग्री बाढ़त हावय त पेड़ लगाना जरुरी हे। पर्यावरण के संतुलन बिगड़त हावय। जब कार्बन डाई आक्साइड के अधिकता ल पेड़-पौधा मन आक्सीजन म नइ बदल पावत हावंय त संतुलन तो बिगड़बे करही। कारखाना गाड़ी के धुआँ मन ले नाइट्रोज पारा के अलावा अउ बहुत अकन तत्व निकलत रहिथे येखर ले भी हवा दूषित होथे। ये ह वातावरण ल अउ गरम करत हावय। पेड़ नइये त पानी के स्तर गिरत जात हावय।

ये सब ल देख के मध्यप्रदेश म पेड़ लगाये के एक नवा उदिम करे हावंय। मध्यप्रदेश के कान्हा अउ बांधवगढ़ के आसपास के जंगल म पेड़ के कमी होगे रहिस हे। जंगल के सघनता कमती होगे रहिस हे। उहां के वन विभाग अउ द कार्बेट फाऊंडेशन (सीटीएफ) मिल के घना जंगल तइयार कर डरिन। पौधारोपण करे गिस।

तीन लाख इक्कीस हजार पेड़ लगाये गीस। अइसना खरपतवार लैंटाना कैमारा जेन ले जमीन खराब होथे ओला नष्ट करे गीस। 2018 ले 2025 तक 2592 हेक्टेयर याने छः हजार चार सौ चार एकड़ जंगल ल रीस्टोर करिन। मतलब ये मन मिलके जंगल ल फेर से बनइन, पुनर्स्थापित करिन। इहां बांस भी लगाये गीस। आठ साल म ये जंगल के स्वरूप देखे के लइक होगे।

इंहा पशु-पक्षी आना शुरु होगे। इहां 58 तरह के पक्षी के आवाज गूंजत हावय। पहिली जतका स्तनधारी जानवर रहिन हें ओखर अलावा तेरह प्रजाति अउ आ गे हावय। एक्कीस तरह के आथ्रीपोडा परिवार के कीट आ गे हावय। घास फूस एक्कीस प्रकार के हावय जेन ह मिट्टी ल उपजाऊ बनावत हावय।

येखर बन कान्हा के बैगा अउ गोंड़ महिला मन स्वसहायता समूह बना के नर्सरी म पौधा तइयार करिन। स्थानीय प्रजाति के पेड़-पौधा ही लगाये गीस। इही मन पेड़-पौधा के देखरेख करिन। टीसीएफ ह इको डेवेलपमेंट कमेटी अउ विलेज डेवेलपमेंट कमेटी के संग मिल के काम करिन। स्थानीय प्रजाति के नर्सरी बना के काम करिन। मध्यप्रदेश के ये प्रयोग ह देश के पहिली प्रयोग आये। ये प्रयोग ल हर गांव कर सकत हावय। छत्तीसगढ़ शासन ल तो एखर बर सोचना चाही। करोड़ों रुपिया वृक्षारोपण समारोह म खर्च करे जाथे। देखरेख होवय नहीं तिहाई हिस्सा मर जथे। जतका बांचिस तेनो ह रोवत-रोवत दू-चार बछर म मर जथे।

जेन तरीका ले मध्यप्रदेश म जंगल तइयार करे के काम होय हावय वइसने इंहा भी करना चाही। ये प्रयोग गांव मन म परती जमीन में भी करना चाही। देशी वृक्ष ही लगाना चाही। चालीस बछर म पहिली, बॉटल ब्रश, नीलगिरी अउ साइकस के पेड़ लगाये गे रहिस हे। येखर ले पानी के स्तर कमती होवत जाथे। धनबहार याने अमलताश के अउ परसा के पेड़ ल लगाना चाही। कनेर लगे तेनों बढ़िया हावय। परती जमीन बर तो बहुत पेड़ हावय।

मानसून अवइया हावय अपन-अपन बर तइयारी कर लेवव। परती जमीन म अधिकतर बरगद, पीपल, तुलसी, बेल, करंज के पौधा लगाना चाही। ये ह 85-100 प्रतिशत तक आक्सीजन देथे। अभी तो 45—49 तक पारा चढ़थे। वैज्ञानिक मन कहिथें के ये पारा यदि 55-56 तक जाही त जीव-जंतु मन जल जही। आज ले सोचना शुरु करव, पेड़ लगावव।

-सुधा वर्मा

बोरे बासी

ठंडा मतलब बोरे बासी- बोरे बासी हमर छत्तीसगढ़ के अड़बड़ प्रसिद्ध व्यंजन आए।ए हमर छत्तीसगढ़ के प्रमुख पहिचान अऊ प्रमुख भोजन तको आए। छत्तीसगढ़ सबो वर्ग के मनखे मन चाहे ओहा गरीब हो, कमइया किसान हो,चाहे ओहा कोनो साहेब हो।सबो झन मन ए व्यंजन ल अड़बड़ चाव ले खाथे।

हमर छत्तीसगढ़ धान बर जबर फेमस हे, फेर एकर पाछू के हीरो हमर किसान भाई मन हरय जेन ह अपन पसीना के ओगरत ले, जांगर टोरके खेत म कमाथे अउ खेत के चारो मुड़ा ल हरियर कर देथे। हमर छत्तीसगढ़ के विकास म ए मेहनतकस किसान मन के बड़ जबर योगदान हे। हमर छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र मन खेत भर म नहीं, ओहा खदान म, बड़े-बड़े फेक्ट्री म, अउ अइसने सबो छेत्र म जबर ईमान से जांगर टोर कमाथे। हमर छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र अतेक मेहनती अउ अतेक उर्जावान, अऊ अतेक फुर्तीला पन कहां ले आथे? त मंय बता देथवं कि हमर छत्तीसगढ़ के रहवासी मन म अतेक मेहनती, उर्जावान अउ फुर्तीला होए म सबले सुघ्घर, स्वादिस्ट अउ एकदम सात्विक भोजन बोरे-बासी के अड़बड़ महत्व हे। खेत कमइया, गोदी जवइया, फेक्ट्री म बुता करइया छत्तीसगढ़िया मनखे के टिफिन म तोला बोरे बासी, चटनी, अउ गोंदली के सुघ्घर सात्विक अउ पोस्टिक भोजन देखें बर जरूर मिलही। गरमी बेखत म जेन दिन हम छत्तीसगढ़िया मनखे ल बोरे बासी नई मिलिस ओ दिन मन उबुक-चुबुक लागथे, दिन ह बने नई गुजरे, कतको रंग-रंग के जेवन पानी ल कर लेबे फेर मन ह नई माढ़हे।

छत्तीसगढ़ के बासी म हमर छत्तीसगढ़िया साहित्यकार टिकेन्द्र टिकरिहा जी ह अड़बड़ सुघ्घर कविता लिखे हे-

अइसे हाबय छत्तीसगढ़ के गुदगुद बासी
जइसे नवा बहुरिया के मुच-मुच हांसी
मया पोहाये येकर पोर-पोर म
अउ अंतस भरे जइसे जोरन के झांपी
कासा जइसे दग-दग उज्जर चोला
मया-पिरित के बने ये दासी
छल-फरेब थोकरो जानय नहीं
हमर छत्तीसगढ़ के ये बासी।
कोंवर गजबेच जइसे घिवहा सोहारी
भोभला तक के बने ये संगवारी
रोटी सहीं तक के ये महतारी
अउ अंतस भरे जइसे जोरन के झांपी
सब कलेवा बनेगे सोना
येला बना दीन रासी
कभू पारटी म चलिस नहीं
हमर छत्तीसगढ़ के ये वासी।
येकर बर गहेरिच बन गे गंगा
पानी म बूड़े बपुरा रहिगे ग नंगा
येकर पाछू कतको तरगे भइया
ऐरे गैरे परदेसी अउ लफंगा
उथलही के मरम जानिस नहीं
गहेरींच के रहिगे ये वासी
पानी के मया में बूड़े रहिगे
हमर छत्तीसगढ़ के ये वासी।।

अतेक सुग्घर कविता म टिकरिहा जी ह हमर छत्तीसगढ़ के वासी मन ल हमर सुग्घर जेवन बासी ले उपमा देके एकर व्यथा ल प्रस्तुत करे, अपन सिरतोन गोठ ल आघू रखे हे। आज के परिवेश म ए कविता ह एकदम फिट अउ सटिक बईठथे। फेर आज के परिदृश्य मन ल देखके मोर अंतस ह बड़ रोथे जी, आज हमर हमर छत्तीसगढ़ के सुघ्घर सिधवा मनखे मन ह अपन लोक व्यंजन मन ल सह्लग बिसरावत जाथे।

आज इंकर मुंहू मन म गुरतुर बासी के जेवन ह लीलात नइहे, चाउर के बने चीला, अउ खापुर्री रोटी आज एमन ल चेम्मर बरोबर जनाथे। आवव संगवारी हो बोरे बासी दिवस म हम सबो छत्तीसगढ़िहा संगवारी मन एकठन परन लेवन कि हमन अपन लोकव्यंजन मन ल संजो के रखबो, एला कभू नंदाए ल नई देवन, अउ एकर सुघ्घर मीठास पन ल गुरतुरपन ल चारों मुड़ा म बगराये के उदीम म करबोन अउ जबर गरब ले ए कहावत ल कहीबोन-

ठंडा मतलब बोरे बासी- बोरे बासी हमर छत्तीसगढ़ के अड़बड़ प्रसिद्ध व्यंजन आए।ए हमर छत्तीसगढ़ के प्रमुख पहिचान अऊ प्रमुख भोजन तको आए। छत्तीसगढ़ सबो वर्ग के मनखे मन चाहे ओहा गरीब हो, कमइया किसान हो,चाहे ओहा कोनो साहेब हो।सबो झन मन ए व्यंजन ल अड़बड़ चाव ले खाथे।

बोरे बासी का हरे? बोरे बासी कईसे बनथे आवव जानन- बोरे बासी ह दुठन सब्द ले मिलके बने हावय। बोरे अऊ बासी, एला अधिकतर मनखे मन ह एके समझथे ,फेर एहा एके नइहे। बोरे अऊ बासी दूनों के आने आने अर्थ हे। बोरें अऊ बासी म नानमुन अंतर नइहे, बहुत बड़का अन्तर हे। इंकर दूनों के बीच म का अंतर हे आवव जानन।

जउन भात ल बनाये के बाद ठंडा करके ओतके बेर पानी डार के खाय जाथे ओला बोरे कहे जाथे। माने तुरते बने भात ल जुड़ों के पानी म बोर के खाये जाथे तेला बोरे केहे जाथे।

बासी का आए-जब रातकुन के भात बनथे त खाये के बाद म जउन उपराहा भात बांचथे, नइते जानबुझ के बचाए जाथे ,तउन ल पानी डारके रातकन रख दे जाथे अऊ दूसरइया दिन बिहनिया कन के बाद कतको बेरा होए खाये जाथे। इही ल 'बासी' केहे जाथे।

का संग खाबे त मजा आथे बोरे बासी के-बोरे बासी के मजा पायेबर नून अऊ मिर्चा सबले जादा जरूरी हे। एकर बिगर बासी खायेके मजा नई आए। एकर संग म आमा के चटनी, निमऊ के चटनी, मिर्चा के चटनी , पाताल के चटनी, गोंदली हो जाये त फेर पूछ मत ।

हमर छत्तीसगढ़ म लोगन मन ह दही मही, नून मिरचा, गोंदली , चटनी आदी मन संग खवई ल जादा पसंद करथे। फेर आजकल नवा जमाना चटनी बासी, बोरे बासी हलू हलु नंदावत जात हे।

बोरे बासी खायेले बलड प्रेशर ह कन्ट्रोल म रहिथे। गर्मी के दिन म बोरे बासी खाये ले लू घलो नई धरे, हाईपर टेंसन तको कंट्रोल म रहिथे अऊ गर्मी के दिन म काम-बुता करइया मन के शरीर के तापमान ल बनाये रखथे। एकरे सेती छत्तीसगढ़ म बोरे बासी बिक्कट प्रसिद्ध हे।

हमर छत्तीसगढ़ म एकठन प्रसिद्ध तकियाकलाम तको हे- 'ठंडा मतलब बोरे बासी।'

- गणेश्वर पटेल
पोटियाडिह धमतरी

धरम के नांव म लूटे बर संडा आगे

धरम के नांव म लूटे बर संडा आगे।
खारुन के घाट म पुजेरी पंडा आगे।।
छत्तीसगढ़िया जेन पछीना गारत हे,
ओखर हक ला परदेसिया मारत हे।
हाथ म धरे कतको लाठी डंडा आगे
धरम के नांव म लूटे बर संडा आगे।
खारुन खारुन ये,गंगा झन बनावव,
लूटे बर आय तेन लुटेरा ल भगावव।
लहरावत आनी-बानी के झंडा आगे,
धरम के नांव म लूटे बर संडा आगे।।
गुंडागर्दी करके सब ठऊर पोगरावत,
बाहिर ले आके इहां सबे ह भोगावत।
पूजा पाठ के ओखी नवां फंडा आगे।
धरम के नांव म लूटे बर संडा आगे।।
मन चंगा हे तेखर बर कठौती म गंगा,
हमर बर त तरिया नरवा घलो ये गंगा।
चरू ला चपके बर कतको हंडा आगे,
धरम के नांव म लूटे बर संडा आगे।।
सिधवा जान के करत धरम के धंधा,
बोट खातिर नेता घलो डारे हे फंदा।
करम बिगाड़े बर घोलहा अंडा आगे,
धरम के नांव म लूटे बर संडा आगे।।

-डॉ.पीसी लाल यादव

सोंचतेच रहीस के प्रहलाद के तरपंवां फेरे दौड़त पीं-पीं करत रहय के कांड़ी मं खुसरगे। अउ दई कथे ऊंच जा मोर हीरु...बेटा, तव प्रहलाद हर निहुर के ऊंचत रहिथे भीतरी कांड़ी मं खुसरे बांटी कस गोल मुड़ी के पिंयर-पिंयर दिख जथे-सोन के अंड़वा।

सोन के अंड़वा

कहिनी

ए दई मनिहारी दुकान वाला मन आनी -बानी के जिनिस धरे लानथे अउ घरी-घरी सबो जिनिस ल अलग करके पसरा लगाथें। नान्हे प्रहलाद ह दादू के खंधइया म चढ़ के हटरी गे रहय तव देखे रहय। अपन घर म खेलत-खेलत कहत हे- दादू हमर बर दू ठन खिलौना लानथे। तेहू ल बिसर डरथन। काय खा के मनिहारी वाला मन आथें के उँकर कोनो समान हर नइ बुले। नाती प्रहलाद अपन ककादाई ल कहीस।

तव दई कथे नही हीरू समे हर सबो जिनिस ल सरेखे बर सबे मनखे ल सीखा देथे। तोर बाप घलो ननपन म खेले के जिनिस ल गवां डरय तहन दिन भर खोजत रहय। रोवत रहय, तव तोर दादू च हर फेर खेलवना गढ़ देवय। तव नइ बेटा हीरू तोर काय खिलौना बिसर डरे हच।

नान्हे प्रहलाद ल दई मया म हीरू कहय। तव प्रहलाद कथे-दई मैं अंगना -परछी मं खेलत रहेंव, दौंड़त खनी धारन म टक्कर होगीस तव उहीं धारन के उपर ले गिरे रहीस पिंयर रंग के बांटी असन गोली ओ, खोलइत म धरे रहेंव। उही हर कोन मेर ढुलगे।

हीरु के गोठ ल सुने मं दई के दूनो आंखी ले टप-टप दू बूंद झरगे। आंसू आंखी म झूल गे। सबो सुरता आघूच म आगे। कतका महिनत मजदूरी ले डोकरा मोर बर गवन के बछर पूरा होय के समे मोला भेंट म दे रहीन। गरीबी अंकाल म एक नंग ल बेंच के पेज पसिया पी के जिनगी राखे रहेंन अउ हीरू के बाप ल ले दे के भुखमरी ले बचाय रहेन। संचार करे रहेंन मालिक! तव एक नंग ल धारन के उपर टांग दे रहेंन। उहू आज टपकगे।

सोंचतेच रहीस के प्रहलाद के तरपंवां फेरे दौड़त पीं-पीं करत रहय के कांड़ी मं खुसरगे। अउ दई कथे ऊंच जा मोर हीरू...बेटा, तव प्रहलाद हर निहुर के ऊंचत रहिथे भीतरी कांड़ी मं खुसरे बांटी कस गोल मुड़ी के पिंयर-पिंयर दिख जथे-सोन के अंड़वा।

अश्वनी कोसरे
कवर्धा कबीरधाम

कपड़ा म प्राकृतिक रंगाई के बुता करत हे 'पनकी आदिवासी'

बस्तर के सभ्यता संस्कृति अउ कला ह अपन आप म अलग पहिचान कराथे। देश दुनिया म बस्तर कला के बिकट मांग हावय। ऐसना कलात्मक बुता करत हावय बस्तर के सुदुर अंचल म रहइय्या आदिवासी समुदाय मन। जेन ह कपड़ा म प्राकृतिक रंगाई के बुता करत हे बस्तर के 'पनिकाज आदिवासी समुदाय।

आल पेड़ के जर ले तियार करे जाथे रंग । रंग म सुतरी ल बोर देथे जेकर ले सुतरी ह रंगीन हो जाथे । रंगीन सुतरी ले कपड़ा बुने के बुता करथे अउ किसिम-किसिम के कलात्मक कपड़ा बुनथे बस्तर के दुर्लभ प्राकृतिक रंगाई कला के देस दुनिया म बिकट मांग हवय।

आल पेड़ के जर ले तियार करे जाथे रंग । रंग म सुतरी ल बोर देथे जेकर ले सुतरी ह रंगीन हो जाथे। रंगीन सुतरी ले कपड़ा बुने के बुता करथे अउ किसिम-किसिम के कलात्मक कपड़ा बुनथे बस्तर के दुर्लभ प्राकृतिक रंगाई कला के देस दुनिया म बिकट मांग हवय।

आल रुख के महत्व- पनकी आदिवासी समुदाय बस्तर अउ उड़ीसा सीमा कोटपाड म प्राकृतिक रंगाई (नेचुरल डाइंग) के बुता करत हावय। ए बुता ल करत 500 बछर ले जादा हो गे हावय। आल रुख दुनिया म बड़ किमती रुखवा आय।जेन हर गिने चुने जगह म देखे बर मिलथे। ए हर हमर भाग आय की ए रुखवा ह हमर बस्तर म पाए जाथे। पनकी आदिवासी समुदाय मन आल रुख के जर ल खन के लान के ओ जर ले रंग निकाले के बुता करय अउ उन रंग ले कपड़ा ल रंगाय ।

फेर रुख के जर ल काट देय ले रुखवा ह मर जावय। धीरे-धीरे जागरुकता बाढ़िस त पनकी आदिवासी समुदाय मन आल रुख के जर ल काट के लाने के बजाय उंकर जर के छाल ल आन के रंग निकाले के बुता करय अउ जर ल उही मेरा माटी म तोप देवय। जेकर ले दुनो बुता होवय रुख के रुख राहय अउ छाल ले रंग घलो मिलत राहय।

रंग तियार करे के बिधि- पनकी समुदाय के लोगन मन आज घलोक सालो पुराना चलत परम्परा ले रंग निकाले के बुता करत हे। सबले पहिली आल रुख के छाल ल बने घाम म सुखा देथे। बने सुखा जाय ले ओला बने बारीक पीस के पाउडर बना लेथे। सादा रंग के सुतरी ल पानी म एक दिन एक रात भर बोर दे रहिथे । बोरे सुतरी ल पानी ले निकाल के जाड़ा तेल म मिलाथे तेकर पाछु सुतरी ल बने निचोड़ के गोबर लगाथे जेकर बाद म सुतरी ल सुखाथे। सुतरी के बने सुखावत ले एक ठन बर्तन म राख मिला के पानी ल डबकाथे अउ सुखा जाय के पाछू इही राख पानी म धोथे अउ सूखा देथे। सुखाए के बाद म आल रुख के छाल ले बने पाउडर म पानी घोरथे अउ उही सुखाए धागा ल मिला देथे। ओकर बाद धागा ल सुखो देथे जेन ह कपड़ा बुने के काम आथे। ए प्रक्रिया म पूरा 15 ले 20 दिन समय लग जाथे।

लाल अउ भुरवा रंग करथे तियार- आल रुख ले सिरीफ लाल रंग ही तियार हो पाथे फेर पनकी आदिवासी मन लाल रंग के अलावा जगदलपुर म पाए जाने वाला हीराकसी पत्थर ले डार्क ब्राउन रंग घलो तियार करके प्राकृतिक रंगाई के बुता करत हे।

बिदेशी बजार म बाढ़िस मांग- पनकी समुदाय के माइलोगिन मन कपड़ा रंगाई के बुता करथे अउ बाबूजात मन लुगरा,फेटा,टुपट्टा किसिम - किसिम के जिनिस बुनाई करथे। पहिली सिरीफ लूंगी अउ गमछा बुनत रिहिन फेर धीरे-धीरे जागरुकता बाढ़िस अउ समय के संग चलत अब नोनी मन बर कुर्ती,लेंगिस अउ फेसनेबल जिनिस बुने लगिस जेकर मांग अब बिदेशी बज़ार म घलो होवत हे।. केमिकल ले रंगाई के मांग कम होवत हे अउ प्राकृतिक रंगाई के मांग ह बढ़त हे जेन हर पनकी समुदाय मन बर शुभ संकेत आय।

—प्रीतम कुमार साहू, गुरुजी
लिमतरा धमतरी

महतारी खाइस चेन के मार, फेर टूटीस नहीं भरथरी के धार- रेखा जलक्षत्रीय

छत्तीसगढ़ी लोककला लोकोन्मुखी हे। जेखर पोठ रोंठ थाथी ल साजे संवारे खातिर कतकोन कलाकार अपन जिनगी के हूम देहें हावयं। तभो ले जबड़ कमाई- धमाई अउ प्रचार- प्रसार के मामला म लोक कलाकार मन के ज्यादा पूछारी आजो नी होय।'

ए बिचार हर छत्तीसगढ़ के नामी भरथरी लोकगायिका रेखा जलक्षत्रीय के आय। उंखर संग राजधानी रायपुर के घासीदास संग्रहालय के अंगना म भेंट होइस। जिहां छत्तीसगढ़ी लोककला ल बड़हर देहे बर अउ नवा पीढ़ी के कलाकार मन ल जोड़े खातिर संस्कृति विभाग हर 'सीखे सिखाए' के सिविर लगाए रहिस। उंहचे गोठ- बात करत रेखा जी ल पूछेंवं कि सहर म लोककला सिविर लगाए के कोनो फायदा दिखथे का?

त वोमन बोलिन- नंदावत कला संस्कृति के बीजा ल सहरिया लइका मन के भीतर बोना जरूरी हे। इहां बगरही तभे लोककला म नवा जान फूंकाही। काबर कि गांव म तो लोककला के गंगा हर बोहातेच हे। सहर म तको लोकधारा बोहवत रहय अइसन उदिम जरूरी हे। गरब के बात आए कि गावं-सहर के लइका मन भरथरी,पंडवानी सीखे बर गजब के ललक देखावत हें।

वाह ए तो बने बात आए। फेर कतको झन कहिथें कि हमर लोकगीत -संगीत- परंपरा हर नंदा जाही। मोर बात ल बीचे म काटत रेखा जी कहिन-अइसन कभु नी हो सकय महाराज। काबर कि बर पेड़ के जरी कस हमर लोककला संस्कृति हर जनमन म समाए हे। आप तो देखे हव हवा गरेर के चपेट म डारा पाना टूटबेच करथे। फेर जरी ह मजबूत रहिथे त पेड़ हर ठाढ़े रहिथे। हमर लोककला के जरी हर जबड़ मजबूत हे।एहर अउ फलय फूलय एखर जवाबदारी नवा पीढ़ी के खांद म हावय।जेन मन करा हमर ले जादा मौका- मंच - मीडिया हावय। अपन पुरखा के गुन ल सुन सीख के ओमन हर कला ल नंदावन नी देवंय। मोला भरोसा हे।

रेखाजी तूंहर भरोसा हमर भरोसा आए। सही म एहर बड़ा गुमान के बात तको आए। फेर एला तो बतावव कि आपके चरन लोककला जगत म कहां कइसे परिस? ए सवाल ल सुनके पहली तो रेखा जी खलखला के हांसिन।फेर बताइन- मोर जनम सीमेंट नगरी मांढर म 14 जून 1956 म गरीब परिवार म होए रहीस। महतारी जामवंती ददा बिष्णु के कोरा म खेलत-कूदत बाढ़ेवं। नानपन म मे तोतरी रहेवं। लोगन मोला तोतो कहयं।फेर मोर गायिकी म मिठास रहीस अउ नाचे- गाए- बजाए के चलन तो हमर समाज के पहचान आय। ए पुस्तैनी गुन ल पाके दसे बछर के उमर ले नचाई-गवई संग मोर नता जुड़गे रहीस।

वाह इही ल कहिथें पूत के पांव पालना म दिख जाथे। अच्छा ए बतावव रेखाजी लोक मंच के रद्दा म रेंगत-रेंगत भरथरी के तमूरा ल कइसे थाम लेव?

एखर जवाब देवत रेखा जी बताइन- उज्जैन के राजा भर्तृहरि के गाथा के भरथरी म गाय जाथे। अइसे माने जाथे कि भर्तरी गायन विधा के जनक छपरा के महादेव आराजी हर आएं। लोकवाद्य चिंकारा, करताल, हारमोनियम, तबला,के उपयोग एमा होथे है। मोला भरथरी के भान- गियान मोर

11 मई सुरता

कलाकार हर अपन जिनगी म सदा दिन मुसीबत के मोहाटी म ठाढ़े रहिथे। इही पाए के कलाकार हर आगी म तीपे सोन कस जगमगाथे।जिनगी के बदतर हालत म तको सपना ल पोसत ओहर नवा इतिहास रंचथे। जेन हर इतिहास नी रंचे पाए तेन ह साजिश रंचथे है।

दादा मेहतर प्रसाद ले होइस। उही हर गुरू बन के मोला भरथरी गायन म राजा भरथरी के जिनगी के बैराग, बियोग, भिक्छा, बिहाव कस कतको प्रसंग ल सिखोइस। भरथरी गायन के बेरा म करुणा, सिंगार,भय, बीर, हास्य रस के भाव भंगिमा ल देखाना परथे। ते पाय के गायन संग एकल अभिनय (मोनो प्ले) के गुन पंडवानी,भरथरी, चंदैनी,ढोला-मारू, आल्हा-ऊदल गायक कलाकार म होना चाही।

आपके जनमजात गुन ल अगासदिया कस ऊपर चघाए म अउ काखरो पंदोली मिलीस का पूछेवं त रेखा जी बताइन- महराज मोला ऊपर बढ़े चढ़े बर सरगनिसेनी कस पद्मलोचन जायसवाल जी अउ आकासवानी के बरसाती भइया केसरी प्रसाद बाजपेई जी मिलीन। उही मन ह इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ म गायन के मौका देवाइन। उहां मोर कला ल देखे के पाछु शरीफ सर, आशा खरे मन ह मोला आदिवासी लोक कला परिषद भोपाल के मंच म मौका देवाइन। जेन ल देख परख के डॉ भावसार अउ निर्गुणी सर हर संगीत नाटक अकादमी दिल्ली म मंच देवाइस। तहां ले मोर कला हर छत्तीसगढ़ के चौखट ल नाहक के देश अउ बिदेस म बगरत चल दिस।

मांढर के माटी ले निकल के भरथरी के भभूति ल कहां-कहां बगराए हव अउ कइसे कइसे अनुभव मिलीस कहेवं त रेखा जी बताइन- भरथरी गायन ल महानगर दिल्ली, कलकत्ता सहित नागपुर जोन दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र महाराष्ट्र, उत्तर सांस्कृतिक केंद्र इलाहाबाद के बूते देस-बिदेस म देखाय हवं।

पटना म तो नामी भोजपुरी गायिका सारदा सिन्हा हर मोला पोटार के मन भर मया आसीस देहे रहीस। फिलमी कलाकार मिथुन चक्रवर्ती जी के दुलार मिलीस। भरथरी गायन म महारथ के सुफल आय मोला दिल्ली म राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा अउ पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ले उदयपुर म सम्मान मिलीस। हबीब तनवीर जी के साथ प्रस्तुति देहे के मौका मिलीस। बिदेस (जर्मनी मास्को) म तो मोला दीदी बहिनी मन पोटार के चूम देवत रहीन। बिकट लाज लागय महराज जी।

बात ल बढ़ावत रेखा जी ल बोलेवं राजा भरथरी के दु:ख पीरा ल सुनावत दुनिया भर म किंजरत रहिथो। दुनिया ल लेके आपके मन म का बिचार हे? तब ओ बोलिन - दुनिया म मनखे के पहिचान गरीब अउ धनवान होथे।फेर मोर कहना कि गरीब मनखे ल धीरजवान अउ पूंजीपति ल दयावान होना चाही। दुनिया म चलत भेदभाव बर कबीर दास जी लिखे हावयं च्च निर्धन गिरे पर्वत से कोई ना पूछे हाल, धनी को कांटा लगे पूछें लोग हजार'।

अतका सुनके में हर वाह वाह कहत पूछेवं- रेखा जी, आपके जिनगी के कुछ दु:ख पीरा ल बताहू का? मोर सवाल सुनके उंखर आंखी डबडबा गिस।आंसू पोंछत ओ बताइन -महराज , मैं हर दु:ख सागर म कई घवं बूड़े हवं। हलाकान होए हवं। एक घवं तो मोर नचई गवई के बिरोध करत हमर समाज के लोगन मोर महतारी ल लोहा चेन म मार-मार के अधमरा कर देहे रहीन। तभो ले मोर कला यात्रा नी थमीस। आज उही समाज हर मान देवत मोला माला पहिनाए म गरब करथे। सरसती माई ल सुमिरत कहिथों 'सरसती के दास होवय नहीं उदास'।

रेखा जी तूंहर बात हर सोला आना सही आए। तूंहर कांटा भरे जिनगी म लोक कला हर उछाह बना के राखे हावय।अपन ए कला यात्रा म का सीखेव बने फोर के बताहू कहेवं त वो बड़ सुग्घर बात बताइन- कलाकार हर अपन जिनगी म सदा दिन मुसीबत के मोहाटी म ठाढ़े रहिथे। इही पाए के कलाकार हर आगी म तीपे सोन कस जगमगाथे।जिनगी के बदतर हालत म तको सपना ल पोसत ओहर नवा इतिहास रंचथे। जेन हर इतिहास नी रंचे पाए तेन ह साजिश रंचथे है। अइसन दोगला मन ले बांचत कलाकार मन ल काखरो साजिस चारी-चुगली के डारा फांदा ले दूरिहा अपन सपना ल पूरा करे म डटे रहना चाही,तभे सफलता के नवा-नवा दुवार खुलही।

दार भात चुरगे मोर किस्सा पूरगे कहत रेखा जी संग गोठ- बात ल खतम करेन त मन म एके बिचार आइस कि- 'जेन हर बरसा के पानी म भींजथे तेन हर अंगरक्खा ल बदलथे अउ जेन हर पछीना म भींजथे तेन हर इतिहास ल बदलथे।

विजय मिश्रा 'अमित'
सुंदर नगर रायपुर

उल्टा पुल्टा

पति- परसों मेरी बीवी कुंए में गिर गई, बहुत चोट लगी, बहुत चिल्ला रही थी।
डॉक्टर- अब तबीयत कैसी है?
पति- अब ठीक है, कल से कुंए से आवाज नहीं आई। डॉक्टर तबसे सदमे में है।

कलेक्टर ने ली बोर खनन ठेकेदारों की बैठक बोरवेल मशीनों में जीपीएस लगाने के निर्देश

भूजल खतरे के निशान पर, रिचार्ज करने सभी को करना होगा योगदान

अंधाधुंध भूजल के उपयोग पर जताई चिंता

सभी एसडीएम को प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज मंथन सभाकक्ष में बोर खनन करने वाले ठेकेदारों की बैठक ली। उन्होंने जल संरक्षण की महत्ता बताते हुए इसमें सहयोग करने का आग्रह किया। जिले भर के करीब 50 ठेकेदार उपस्थित थे। खनन पर लागू प्रतिबंध का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी। सभी लोग जल को बचाने में अपनी भूमिका निभाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल और पीएचई विभाग के ईई हर्ष कबीर भी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जिले में पंजीकृत सभी बोर मशीनों में जीपीएस सिस्टम लगाने के निर्देश दिए ताकि उनकी ट्रैकिंग किया जा सके। पीएचई यांत्रिकी विभाग इसे सुनिश्चित करेगा। उनका पंजीयन इसी कार्यालय में होता है। प्रतिबंध के बावजूद चोरी - छिपे बोर खनन की शिकायत यदा कदा मिलते रहती है। उन्होंने सभी एसडीएम और राजस्व अधिकारियों को भी इन पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि जिला प्रशासन ने पेयजल संकट को देखते हुए एक माह पहले नलकूप खनन पर बंदिश लगा दी है।उन्होंने कहा कि भूमिगत जल को बचाने की हम सभी को चिंतित होना चाहिए। जल संरक्षण के उपाय सुनिश्चित करने हमें कठोर कदम उठाने होंगे। जल का दुरुपयोग और अंधाधुंध इस्तेमाल आगे स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्राकृतिक संसाधनों पर केवल एक या दो पीढ़ी का अधिकार नहीं है। हमें आगे आने वाली पीढ़ी के लिए भी पानी को बचाकर रखना होगा। और यह काम अकेले सरकार का नहीं बल्कि संपूर्ण मानव समाज की जिम्मेदारी है। कलेक्टर ने केंद्रीय ग्राउंड वाटर बोर्ड की रिपोर्ट का जिक्र किया और इसकी भयावहता के प्रति सचेत किया। भूजल का केवल 2 प्रतिशत पेयजल में उपयोग होता है। 13 प्रतिशत उद्योग में और 85 फीसदी फसल उत्पादन में। गरमी में धान की फसल उत्पादन भूजल स्तर के गिरने का बड़ा कारण है।

कलेक्टर ने कहा की भूगर्भ का जल असीमित नहीं है । नीचे बहुत सीमित मात्रा में जल बचा है । उन्होंने कहा कि पानी गिरने का पैटर्न में पिछले कुछ वर्षों में बदलाव आया है। अपनी एक साथ गिरकर बह जा रहा है, रुक नहीं रहा है। पहले जब झड़ी स्वरूप में पानी गिरता था तो जल स्तर रिचार्ज हो जाता था। पानी को पेड़ भी रोक कर रखता था। पेड़ भी अब कम हो गए। हम जितना पानी उपयोग कर रहे, उससे ज्यादा जमीन में पहुंचने की जरूरत है, तभी संतुलन बन पाएगा। 80- 90 के दशक में जहां 90 फीट की गहराई के आसपास पानी मिल जाता था, आज वही जलस्तर नीचे गिरकर 300 फीट तक में भी पानी मिलना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि अगले 200 पीढ़ी तक उपयोग करने लायक पानी को केवल दो-तीन पीढ़ी ने अभी उपयोग कर लिया है। अब समय आ गया है कि हम भूजल का उपयोग कम करें और रिचार्ज पर ज्यादा ध्यान दें। उन्होंने सूखे पड़े ट्यूबवेल के माध्यम से जल नीचे पहुंचा ने की व्यवस्था करने को कहा है। पानी दबाव के साथ नीचे पहुंचने को रिवर्स ट्यूबवेल कहा जाता है। अब बरसात के पानी को जमीन में डालने का समय आ गया है। राजनांदगांव जिले के कुछ गांव में इसके सफल प्रयोग किए गए हैं।

हाईकोर्ट में ग्रीष्म कालीन अवकाश अब 2 जून से

पहले 12 मई से अवकाश घोषित किया गया था

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वर्ष 2025 के लिए अपने कैलेंडर में आंशिक संशोधन करते हुए ग्रीष्मावकाश को आगे बढाते हुए इसे 12.मई 2025 से शुरू करने के बजाय 2 जून से निर्धारित कर दिया है । दूसरी ओर हाईकोर्ट बार एसोसियेशन ने इसे दोबारा 12 मई से ही रखने का आग्रह चीफ जस्टिस से किया है। चर्चा है कि भारत पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध के हालात को देखते हुए हाईकोर्ट ने यह संशोधन किया है । उधर पुलिस विभाग में भी छुट्टियों प प्रतिबंध लगा दिया गया है।

हाईकोर्ट में पूर्व में 12 मई से 6.जून .2025 तक समर वेकेशन निर्धारित हुआ था । आज दोपहर बाद चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के निर्देश पर रजिस्ट्रार जनरल मनीष सिंह ठाकुर ने इसे पूर्व तिथि की बजाय 2.जून 2025 से 28.जून 2025 तक रखे जाने का आदेश जारी कर दिया । इसमें कहा गया है कि, अधिवक्ताओं द्वारा उनकी अनुपस्थिति के लिए दायर समायोजन आवेदन, यदि कोई हो, या यदि वे वर्चुअल रूप से उपस्थित होना चाहते हैं, तो भी उक्त अवधि के दौरान उसे स्वीकार किया जाएगा। उधर हाईकोर्ट बार एसोसियेशन की ओर से अध्यक्ष उमाकांत सिंह चन्देल व सचिव वरुनेंद्र मिश्रा ने शाम चीफ जस्टिस के नाम दिये ज्ञापन में इसे यथावत रखने की मांग की है ।बताया गया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश तिथि बढ़ाये जाने इस नये सुझाव पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ द्वारा अधिवक्ताओं से सलाह ली गई । इसमें व्हाट्स अप के माध्यम से जनमत संग्रह किया गया। अधिकांश अधिवक्ताओं द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश की तिथि बढ़ाये जाने का विरोध किया गया एवं कई परेशानियां बतायी गईं इनमें कुछ अधिवक्ताओं द्वारा मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए बाहर जाकर पहले ही अपांइटमेंट लेने , पारिवारिक एवं वैवाहिक कार्यक्रम निश्चित हो जाने ,कुछ अधिवक्ताओं द्वारा पारिवारिक अवकाश हेतु महंगी टिकट बुक कराने और अन्य अधिवक्ताओं द्वारा कुछ अन्य समस्याएं शामिल हैं इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश की तिथि यथावत् रखे जाने का अनुरोध चीफ जस्टिस से किया गया है।

शिवतराई समाधान शिविर में 1808 आवेदनों का हुआ निराकरण

विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों को किया गया लाभान्वित

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। जिले में सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शासन की मंशा के अनुरूप जनसामान्य की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज कोटा ब्लॉक के ग्राम पंचायत शिवतराई में समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

समाधान शिविर में 10 ग्राम पंचायत के ग्रामीणों से प्राप्त सभी मांगों एवं शिकायत के आवेदनों का निराकरण किया गया। 1944 आवेदन मिले थे जिनमें से 1808 का निराकरण किया गया। शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, मछली पालन, पशुधन विकास, लोक निर्माण, विद्युत विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, आबकारी विभाग, जिला सहकारी, वन विभाग, श्रम विभाग, खाद्य विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा आवेदनों के निराकरण की जानकारी दी गई। सभी विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी। समाधान शिविर में प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, कोटा जनपद अध्यक्ष श्रीमती सूरज साधे लाल भारद्वाज, उपाध्यक्ष मनोहर सिंह राज सहित अन्य जनप्रतिनिधि, एडीएम शिव कुमार बनर्जी, एसडीएम नितिन तिवारी, सीईओ युवराज सिंहा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

समाधान शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास आवास की चाबी, कृषि विभाग द्वारा स्प्रेयर और लपेटा पाइप, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, एनआरएलएम के तहत समूह की दीदियों को बैंक लिंकेज का चेक से लाभान्वित किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने अवलोकन किया। स्टॉल में अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

बुजुर्गो को मिला आयुष्मान कार्ड, मिली सेहत की सुरक्षा

समाधान शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। श्रीमती आस बाई, श्रीमती गंगा बाई, कौशल्या बाई जगत और नेम सिंह जगत को आयुष्मान कार्ड मिला है। प्रधानमंत्री वय वंदन योजना के तहत उन्हें यह कार्ड दिया गया। कार्ड मिलते ही 77 वर्षीय शिवतराई निवासी श्रीमती आस बाई की बूढ़ी आंखों में चमक आ गई। उन्होंने कहा कि उम्र के इस पड़ाव में यह कार्ड हमारे लिए बहुत बड़ी सौगात है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हम बुजुर्गो की सुध ली है। उनका आभार जताते हुए कहा कि किसी बड़ी बीमारी में यह आयुष्मान कार्ड हमारे बहुत काम आएगा। हम जैसे गरीबों के लिए महंगा इलाज करा पाना संभव नहीं होता है।

शिवनाथ एक्सप्रेस के एसी कोच से 65 लाख की चोरी करने वाले दो आरोपी पकड़ाए

आरपीएफ की टीम ने एक माह तक सघन जांच की फिर पहुंची आरोपियों तक

उड़ीसा से किया गिरफ्तार

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। विगत 04 अप्रैल, को श्रीमती हिना दिनेश भाई पटेल ने जीआरपी थाना रायपुर में इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह 04 अप्रैल, को गोंदिया से रायपुर तक गाड़ी संख्या 18240 शिवनाथ एक्सप्रेस के कोच नंबर एच ए 1 के बर्थ नंबर 21 में यात्रा कर रहीं थी, राजनांदगांव से दुर्ग के बीच उनका पर्स किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया, जिसमे डायमंड की ज्वेलरी समेत नगद 45 हजार एवं 01 मोबाईल फोन कुल कीमत 65 लाख रूपये था। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर जीआरपी थाना भिलाई, चौकी दुर्ग द्वारा धारा 305 (सी) बी. एन.एस. कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ मण्डूल सुरक्षा, रे.सु.ब./रायपुर द्वारा अपराध में संलिप्त आरोपियों की पतासाजी के लिए आरपीएफ के एमके. मुखर्जी, निरीक्षक, अपराध गुप्तचर शाखा, भिलाई के नेतृत्व में एक टॉस्क टीम का गठन किया गया।

टॉस्क टीम के सदस्यों द्वारा अपराध के सभी पहलुओं की बारिकी से अवलोकन कर अपराधियों की पतासाजी तकनीकी साधनों का उपयोग करते हुए ईतवारी, गोंदिया, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, दुर्ग, भिलाई पावर हाउस, भिलाई, रायपुर, भाटापारा एवं बिलासपुर के स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज तथा उक्त ट्रेन के कोच में लगे सीसीटीवी के फुटेज को खंगाला गया, जिसमें पाए गये संदिग्धों की चलचित्रों एवं चित्रों का संकलन कर प्रार्थी से पहचान कराने एवं मुखबिरी को सक्रिय कर उन्हें दिखाकर पतासाजी की गई। इसके साथ ही रिजर्वेशन चार्ट में पाए गए नामों के आधार पर मुखबिरों से जुटाई गई जानकारी पर कुछ संदेहियों के नामों का अलग से उन सभी नामों एवं उनकी गतिविधियों का सत्यापन किया गया। आरपीएफ टीम द्वारा टीम के सदस्यों द्वारा अनेक दिनों के रिजर्वेशन चार्ट का अवलोकन/विश्लेषण कर आरोपियों के यात्रा करने की जानकारी जुटाने पर कछ संदेहियों की पहचान की जा सकी तथा करीबन 50 होटलों के रिकार्ड/रजिस्ट्रर / सीसीटीवी फुटेज को चेक किया गया। अथक प्रयास के बाद दोनों संदेहियों को होटल सावरिया/रायपुर के होटल में रूकना पाया गया। होटल से प्राप्त रिकॉर्ड के अनुसार 02 संदेही की पहचान की गई जिसमें संदेही का नाम अब्दुल मन्नान वल्द अब्दुल जब्बार कुरैशी उम्र लगभग 54 वर्ष पता प्लांट साइड कुरैशी मोहल्ला, राउरकेला जिला सुंदरगढ़ (उड़ीसा) तथा 2) संतोष साव वल्छु रामजी साव उम्र 38 वर्ष पता मधुसुदन मॉल, प्लांट साइड कुरैशी मोहल्ला, राउरकेला जिला सुंदरगढ़ (उड़ीसा) पाया गया।

आरपीएफ टास्क टीम को द 25 अप्रैल,2025 को संदेही आरोपी के राउरकेला में होने की जानकारी मिली।आरपीएफ के द्वारा मामले की सटीक एवं विस्तृत जानकारी पुलिस अधीक्षक (रेल) रायपुर को दी गई, जिसके आधार पर दोनों आरोपियों को आरपीएफ के द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर 07 मई, 2025 को गिरफ्तार किया।

बेलतरा विधायक सुशांत ने विजेता पुरुष-महिला मलखंब टीम को किया सम्मानित

1 रजत व 10 कास्य पदक जीतकर वापस लौटे

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। 4 मई से 8 मई तक बोधगया बिहार में आयोजित 7वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ की पुरुष/महिला मल्लखंब खिलाड़ियों ने टीम चैम्पियनशिप व व्यक्तिगत में 1 रजत एवं 10 कास्य पदक जीतकर वापस आने पर आज बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने भव्य स्वागत किया तथा कहा कि आगामी 19 से 24 मई तक खेलों इंडिया बीच गेम्स, दीव में भी स्वर्ण पदक जीतने का लक्ष्य लेकर तैयारी करना है और छत्तीसगढ़ नाम पूरे देश में ऊँचा उठाए रखना है।

सम्मान कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ मल्लखंब संघ के पदाधिकारीगण सुशांत शुक्ला, विधायक बेलतरा, अनिल टाह, संरक्षक, प्रेमचंद शुक्ला, अध्यक्ष, डा राजकुमार शर्मा, महासचिव, राजा सरकार, बिसन कसेर,उपाध्यक्ष,विरेन्द्र तिवारी, अनिल सिंह, कोषाध्यक्ष, डा.मिलिंद भानदेव, मनोज प्रसाद, पूनमप्रसाद राजेन्द्र पटेल, किशोरकुमार वैष्णव, पुष्कर दिनकर, पंचराम वस्त्रकार, कृष्ण प्रसाद यादवअंशुमाला आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रेमचंद शुक्ला, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मलखंब संघ ने दिया।

भौवाकापा के ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रहा जल जीवन मिशन

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। यह कहानी तखतपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत भुण्डा के आश्रित ग्राम भौवाकापा की है। भौवाकापा एक छोटा सा ग्राम है जिसमें 151 परिवार रहते हैं। जल जीवन मिशन आने के पहले गांव के लोगों को पेय जल सम्बंधित समस्या बनी रहती थी।

भौवाकापा के लोगों को पीने के पानी के लिए हैण्डपंप पर निर्भर रहना पड़ता था और गर्मी के दिनों में भू जल स्तर में गिरावट की समस्या के कारण हैण्डपंप से भी पानी नहीं मिल पाता था, तब गांव में हैण्डपंप होने के बाद भी पेयजल संबंधित समस्या बनी रहती थी। अब जल जीवन मिशन के तहत भौवाकापा में एकल ग्राम योजना अंतर्गत 44.16 लाख रूपये की लागत से पूरे गांव में 151 टेपनल कनेक्शन दिए जाने के लिए 40,000 लीटर का उच्च स्तरीय जलागार का निर्माण किया गया एवं 1894 मीटर यू.पी.वी.सी. पाइप लाइन ग्राम में बिछाया गया है।

भौवाकापा में जल जीवन मिशन का पानी पहुंचने से लोगों में खुशी की लहर व्याप्त है, अब भौवाकापा के लोगों को पेयजल संबंधित समस्या से निजात मिल गई है।

जल जीवन मिशन के तहत हितग्राही कुमारी सुरूज लहरे का कहना है कि जल जीवन मिशन से पहले उन्हें पेयजल के लिए हैण्डपंप पर निर्भर रहना पड़ता था और अपनी बारी के इंतजार में बहुत समय व्यतित हो जाता था जिससे वे अपने घरेलु कार्यों को करने में पिछड़ जाती थी और कई महत्वपुर्ण कार्य समय के कमी के कारण चुक जाता था। कुछ साल पहले हैण्डपंप पर पावर पंप लगाया गया जिससे पानी निकालने में लगने वाला श्रम का बचत तो हुआ परंतु शुद्ध पेयजल के लिए घर से बाहर दूर ही जाना पढ़ता था और पंप खराब होने कि स्थिति में पानी की गंभीर समस्या होती थी, जल जीवन मिशन के तहत अब घर पर ही टेप नल लगाये जाने से पानी भरने हेतु बाहर दूर जाना नहीं पड़ता, अब घर का सारा काम सही समय पर हो जाता है।

हितग्राही हरप्रसाद चतुर्वेदी का कहना है कि इस योजना से पहले पानी भरने के लिए उन्हे दुसरे मोहल्ले जाना पड़ता था वहां लोगों की भारी भीड़ हुआ करता था जिसके कारण पानी भरने में बहुत मशक्कत करनी पड़ता था कई बार इनही लोगों से लड़ाई हो जाया करती थी परंतु अब जल जीवन मिशन योजना से घर पर ही शुद्ध पेयजल प्राप्त हो रहा है जिससे मैं बहुत खुश हूं।

भौवाकापा के ग्रामवासियों का कहना है कि जल जीवन मिशन ने भौवाकापा के लोगों के जीवन स्तर में काफी परिवर्तन लाया है, जहां लोग पहले पेयजल के लिए अपना मुख्य कार्य भी छोड़ देते थे परंतु अब घर पर नल से जल मिल जाने से लोग अपने मुख्य कार्य जैसे कृषि एवं अन्य व्यवसाय आदि पर ध्यान दे पाते है जिससे लोगों के आर्थिक स्थिति में सुधार संभव हुआ। ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद दिया।

गंगोत्री बाई नेताम पूरा हुआ पक्के आवास का सपना

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जताया आभार

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। सरकारी योजनाओं का जब बेहतर क्रियान्वयन होता है तब वे किसी के जीवन में बदलाव लेकर आती है। ग्राम लिमतरा की गंगोत्री बाई नेताम की कहानी इसका एक उदाहरण है। गरीबी, संघर्ष और कठिनाइयों के बीच गुजर-बसर कर रही गंगोत्री अब अपने पक्के घर के आँगन में खड़ी होती है,तो उसकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहता।

लिमतरा ने आयोजित समाधान शिविर में केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने गंगोत्री को घर की चाबी सौंपी।

गंगोत्री बाई ने बताया कि लिमतरा गांव उसका मायका है जहां वह कई वर्ष पूर्व ससुराल से परेशान होकर रहने आई, बाद में उसके पति भी यहां आ गए और रोजी-मजदूरी करके अपने बच्चों का पालन पोषण करने लगे, उनका जीवन लंबे समय तक एक कच्चे घर में बीता,जहाँ बारिश में पानी टपकता, गर्मी में दीवारें तपतीं और सर्दी में दीवारों से हवा घर के अंदर आती थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण अपने बच्चों को पक्का घर और बेहतर माहौल देने की उनकी इच्छा अधूरी रह जाती थी, क्योंकि घर के जरूरी खर्चों में ही उनके कमाए हुए पैसे खर्च हो जाते थे,पक्का घर मिलने से उनकी एक बड़ी चिंता दूर हो गई है। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री तोखन साहू ने गंगोत्री को घर की चाबी सौंपी तब गंगोत्री और उसका परिवार खुशी से झूम उठा। वह कहती है सरकार ने जो किया, वह मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं।

गंगोत्री को शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना का ही नहीं, बल्कि महतारी वंदन योजना का भी लाभ मिल रहा है जिससे वह अपनी छोटी छोटी जरूरतें पूरी कर पा रही है। इसके अलावा उसका श्रम कार्ड भी बना है जिसके जरिए 12 वीं में पढ़ रही उनकी बेटी को सरकार से 20,000 की आर्थिक मदद जल्द ही मिलने वाली है। गंगोत्री ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में गरीबों के लिए चल रही योजनाएं वास्तव में उन तक पहुंच रही है।

लंबे समय तक झेली पत्नी ने यातना अब पति के साथ रहने राजी

लोक अदालत में हुआ समझौता

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। लंबे समय तक घरेलू हिंसा की शिकार एक महिला ने प्रताड़ना झेलने के बाद पति से छुटकारा पाने और भरण-पोषण के लिए फैमिली कोर्ट का सहारा लिया। यह मामला काफी समय के बाद नेशनल लोक अदालत तक पहुंचा। यहां दोनों पक्षों को समझाइश मिली। जिस पर पति-पत्नी ने पुरानी कड़वाहट और शिकायत भुलाते हुए साथ रहना स्वीकार किया।

महिला का विवाह 3.05.2022 को हिन्दू रीति-रिवाज से संपन्न हुआ था, विवाह के कुछ दिन तक पति के साथ ठीकठाक संबंध रहे। लेकिन बाद में उसे प्रताड़ना दी जाने लगी। बाइक और रुपए लाने के लिए दबाव बनाया गया। इससे इनकार करने पर मारपीट शुरू हो गई। पत्नी ने यह सोचा कि कुछ दिन बाद पति का व्यवहार बदल जाएगा। इसलिए वह प्रताड़ना सहती रही। लेकिन यह सोचना गलत साबित हुआ। बाद में पति ने उससे मारपीट की और फिर उसे निर्वासित कर दिया। इससे तंग आकर महिला के द्वारा धारा 144 भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम वास्ते भरण-पोषण के तहत कुटुम्ब न्यायालय कोरबा में आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसमें कई पेशी में लगातार खंडपीठ के समझाईश तथा प्रयासों से नेशनल लोक अदालत में यह मामला आया।

कहा गया कि दंपत्ति ने बिना किसी डर और दबाव के इस बार पर सहमति दी कि वे एक साथ रह सकते हैं। इसके अलावा और भी प्रकरण यहां पर निराकृत किए गए। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में कुल 439245 प्रकरण रखे गये थे, जिसमें न्यायालयों में लंबित प्रकरण 6144 एवं प्री-लिटिगेशन के 433101 प्रकरण थे। जिसमें राजस्व मामलों के प्रकरण, प्री-लिटिगेशन प्रकरण तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के कुल प्रकरणों सहित 147872 प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत में समझौते के आधार पर हुआ। कोरबा में जिला स्तरीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन संतोष शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के अध्यक्षता में शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विभिन्न न्यायाधीशगण उपस्थित रहे। इनकी देखरेख में अनेक खण्डपीठों के द्वारा अपने यहां प्रस्तुत आवेदनों का परीक्षण करने के साथ निर्णय लिया गया।

कांग्रेस ने कहाः विपक्ष की आवाज दबाने बनाया मामला

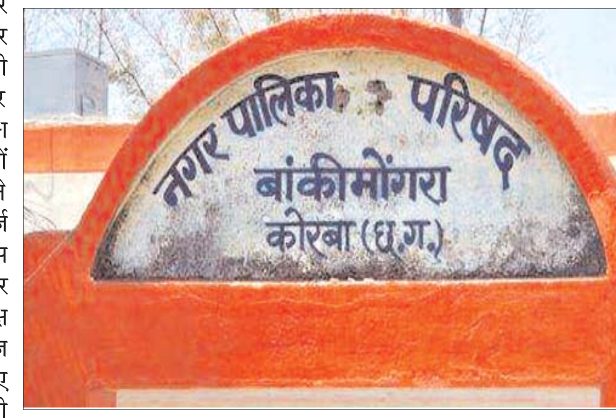

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद बाँकी मोंगरा में विकास कार्यों को शुरू किए जाने को लेकर हुए प्रदर्शन पर सीएमओ की शिकायत पर नेता प्रतिपक्ष सहित 5 लोगों पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। कांग्रेस नेताओं ने इस पर कहा कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए इस तरह की कोशिश की गई। हम इसकी निंदा करते हैं।

नगर पालिका कार्यालय में प्रदर्शन के बाद मुख्य द्वार पर ताला लगाने को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद सीएमओ के साथ नेता प्रतिपक्ष व पार्षद मधुसूदन दास, तेजप्रताप सिंह, संदीप डहरिया, शब्बीर ख़ान, सुनीता मिरी का विवाद हुआ। जिसके बाद सीएमओ ने धक्का-मुक्की और सरकारी काम में बाधा डालने की शिकायत पुलिस से कर दी। पुलिस ने संबंधितों पर बीएनएस की धाराओं में अपराध दर्ज किया। प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त महासचिव व सांसद प्रतिनिधि हरीश परसाई, जिलाध्यक्ष ग्रामीण मनोज चौहान, ब्लाक अध्यक्ष टीकाराम मनहर ने पुलिसिया कार्यवाही को गलत बताया। उनका कहना है कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए इस तरह से कार्यवाही की गई है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सभी पार्षद अपने क्षेत्र के विकास के लिए संकल्पित है। उन्होंने जिस मामले को लेकर विरोध दर्ज कराया, उस पर नगर पालिका अधिकारी ने चाल चली और पुलिस को आगे कर दिया। इस मामले की जांच की जानी चाहिए।

सार-संक्षेप

बस में खराबी आने से जाम लगा, हुई पेनाल्टी

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। पावर हाउस रोड नहर पुल से पहले एक निजी कंपनी की बस ब्रेकडाउन हो गयी, जिसके कारण पुल के दोनों और लंबा जाम लग गया और लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। जाम की जानकारी लगने पर यातायात विभाग के एएसआई मनोज राठौर और उनकी टीम ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था बहाल कराई और बस संचालक के ऊपर 2500 रुपए का जुर्माना लगाया। नहर पुल पर प्रतिदिन जाम लग रहा है जिसे यातायात विभाग के कर्मी बहाल करने में जुटे रहते हैं।

लायंस स्कूल के छात्रों का बोर्ड परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। छग माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा परिणाम की घोषणा की गई, जिसमें लायंस इंग्लिश हायर सेकण्ड्री स्कूल सीतामढ़ी का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। कक्षा 10वीं की छात्रा कु. ऐंजल पटेल प्रथम 96.50 प्रतिशत, प्रियांश शर्मा द्वितीय 95.67 प्रतिशत एवं कु. वंशिका गुप्ता ने तृतीय स्थान 95.33 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं विज्ञान संकाय से गीतांजली साहू प्रथम 83.2 प्रतिशत, अंजली गुप्ता द्वितीय 80.6 प्रतिशत, अरूण कुमार खैरवार तृतीय 70.6 प्रतिशत एवं वाणिज्य संकाय से चंचल साहू प्रथम 93.4 प्रतिशत, उन्नति सिंह गोंड द्वितीय 83.6 प्रतिशत, हर्षिता मानिकपुरी तृतीय स्थान 83.4 प्रतिशत प्राप्त कर विद्यालय को गौरवांवित किया। लायंस क्लब ऑफ कोरबा के अध्यक्ष रोहित राजवाड़े, विद्यालय के चेयरमेन एमजेएफ राजकुमार अग्रवाल (श्वेता), सचिव मीना सिंह, मधु पाण्डेय, एसके अग्रवाल, प्राचार्य जीआर हंस एवं समस्त शिक्षकों ने छात्रों को बधाई दी है।

रेलवे के नए प्रोजेक्ट का सिन्हा ने स्वागत किया

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। केन्द्र सरकार ने खरसिया से परमल कासा उड़ीसा बॉर्डर से महाराष्ट्र बॉर्डर तक 8741 करोड़ के प्रस्ताव को स्वीकृत किया है। सामाजिक कार्यकर्ता विनोद सिन्हा ने इसका स्वागत किया। केंद्र में भाजपा सरकार आते ही मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ का विभाजन कर नया प्रदेश का गठन किया गया। उसके बाद से कांग्रेस कार्यकाल के बजाय भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ का लगातार सभी क्षेत्रों में विकास हो रहा है। इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह छत्तीसगढ़ के लिए रेल यातायात में आम जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उड़ीसा के बॉर्डर खरसिया से महाराष्ट्र बॉर्डर परमलकासा तक 8741 करोड़ का प्रोजेक्ट स्वीकृत कर रेल मंत्री ने छत्तीसगढ़ को कृतार्थ किया है।

चिरमिरी रोड पर 13 को गोंगपा का प्रदर्शन

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा द्वारा 13 मई को चोटिया-चिरमिरी रोड पर धरना प्रदर्शन के साथ चक्काजाम किया जाएगा। कलेक्टर को इसकी जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि बालको के कोल ब्लाक चोटिया को प्रारंभ करने के लिए 21 अप्रैल को पत्र दिया गया था। 15 दिन के भीतर विभिन्न समस्या का समाधान और वार्तालाप कर हल करने के लिए कहा गया था। समयावधि में कंपनी ने पहल नहीं की जिससे कोल माइंस से प्रभावित पंचायतों व क्षेत्र की समस्त जनता परेशान हैं। उसने इस मामले को लेकर प्रदर्शन करना तय किया है।

नेटी जंगल में सुअर का हमला, युवती सहित 3 जख्मी

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। एतमानगर रेंज के नेटी जंगल में तेन्दूपत्ता तोड़ रहे लोगों पर पागल सुअर ने हमला कर दिया। एक युवती, महिला और उम्रदराज ग्रामीण इस घटना में जख्मी हो गए। नजदीक में मौजूद दूसरे लोगों ने सुअर को खदेड़ने के साथ पीड़ितों को बचाया और अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की।

एतमानगर रेंज के गुरसिया क्षेत्र में नेटी जंगल भैसा में आज सुबह 6 बजे यह घटना हुई। पोड़ी उपरोड़ा से नानक सिंह राजपूत ने इस बारे में सूचनाएं उपलब्ध कराई है। बताया गया कि इलाके के काफी लोग तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगलों में जा रहे हैं। बताया गया कि गुरसिया से लगे जंगल में लोगों का समूह अलग-अलग हिस्से में तेंदूपत्ता एकत्र कर रहा था। इसी दरम्यान जंगली सूअर ने अचानक उपस्थिति दर्ज कराई और 18 वर्षीय सुहानी पिता जयकरण, 42 वर्षीय पवारो बाई पति हीरा और 80 वर्षीय गंभीर साय पिता कुमार साय को जख्मी कर दिया। पीड़ितों को सिर, पैर और दूसरे हिस्सों में चोटे आई है। जंगली सूअर के हमले के दौरान इन लोगों के चीखने की आवाज आई जिस पर आसपास के लोग सक्रिय हुए। उन्होंने अपने स्तर पर सतर्कता बरती और तत्कालिक प्रयासों से जंगली सूअर को खदेड़ दिया। कुछ देर के बाद अन्य लोगों की सहायता से पीड़ितों को अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की गई। मामले की जानकारी होने पर वन विभाग की टीम यहां पहुंची और पीड़ितों के उपचार के लिए शुरूआती सहायता राशि दी।

एनकेएच में फिस्टुला पीड़ितों का उपचार होगा

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। एनकेएच ने एक दिन में 9 डायलिसिस मरीजों की सफलतापूर्वक आर्टेरियोवेनस फिस्टुला (ए वि फिस्टुला) सर्जरी पूरी करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि एनकेएच की चिकित्सा सेवाओं में उत्कृष्टता और मरीजों के कुशल उपचार और देखभाल का प्रमाण है। लम्बे समय से जिनका डायलिसिस होता है उनको ए वि फिस्टुला बनवाने की जरुरत पड़ती है। सभी मरीजों की सर्जरी अत्याधुनिक तकनीक से की गई और अगले दिन ही स्वस्थ हालत में डिस्चार्ज भी कर दिया गया। अब मरीजों को कहीं बाहर बड़े अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, एनकेएच कोरबा में ये सुविधा उपलब्ध है। पिछले 10 वर्षों से अधिक समय से एनकेएच में डायलिसिस सेवाएं उपलब्ध हैं। जहां 50 हजार से अधिक सफल डायलिसिस किए जा चुके हैं। अस्पताल में 8 अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें, 5 से अधिक प्रशिक्षित डायलिसिस तकनीशियन और सहायक स्टाफ उपलब्ध हैं। हेपेटाइटिस-सी पॉजिटिव मरीजों के लिए अलग डायलिसिस सुविधा उपलब्ध है। वही आयुष्मान भारत कार्ड से निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा भी उपलब्ध। एनकेएच कोरबा में नफ्रोलॉजिस्ट और वेस्कुलर सर्जन अपनी सेवाएं नियमित रूप से दे रहे है। एनकेएच कोरबा की टीम मरीजों की सुरक्षा और तेजी से रिकवरी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है, जिससे अस्पताल कोरबा सहित आसपास के क्षेत्र में किडनी और वेस्कुलर सम्बन्धित बीमारी के उपचार का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

राष्ट्रप्रथम के भाव से काम करेगा भारत विकास परिषद

रविवार को पॉलीक्लीनिक में निःशुल्क शिविर

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। भारत विकास परिषद की कोरबा इकाई के नवीन पदाधिकारियो ने समारोह में दायित्व ग्रहण किया। पदाधिकारियो ने संकल्प लिया है कि वह परिषद के उद्देश्यों की पूर्ति करने का हर संभव प्रयास करेंगे।

भारत विकास परिषद कोरबा द्वारा दायित्व ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में कोरबा मुख्य शाखा और शक्ति स्वरूपा शाखा के पदाधिकारियो ने दायित्व ग्रहण किया। श्रीमती सुषमा दानी अध्यक्ष निधि तिवारी सचिव और मोहिंदर कौर ने कोषाध्यक्ष का दायित्व स्वीकार किया। भारत विकास परिषद कोरबा मुख्य शाखा के अध्यक्ष कमलेश यादव, सचिव कन्हैयालाल सोनी और कोषाध्यक्ष प्रेम रामचंदानी ने भी दायित्व ग्रहण किया। दोनों शाखाओ के पदाधिकारियो को परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष बृजेश तिवारी ने दायित्व ग्रहण कराया। अध्यक्ष ने कहा कि भारत विकास परिषद राष्ट्रप्रथम की भावना से काम करेगा। शक्ति स्वरूपा शाखा की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा दानी ने कहा कि उनके कार्यकाल में परिषद से जुड़े सभी लोगों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित कर सेवा कार्यों को गति दी जाएगी। निवर्तमान अध्यक्ष मोहन अग्रवाल ने स्वागत भाषण में अतिथियों का अभिनंदन करते हुए अपने कार्यकाल में सब से मिले सहयोग के लिए साधुवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन विष्णुशंकर मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में संजय द्विवेदी महामंत्री नरेश अग्रवाल मुरलीधर मखीजा, छेदीलाल अग्रवाल डॉ जेके दानी, डॉक्टर बीबी बोर्डे गजेंद्र श्रीवास्तव जेपी अग्रवाल सुभाष अग्रवाल दिलीप अग्रवाल विकास अग्रवाल, टोमन तिवारी, मधु पांडेय समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

छात्रों को मधुमक्खी पालन पर तकनीकी जानकारी मिली

कृषि कॉलेज में कार्यशाला आयोजित की गई

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। मधुमक्खियां किस पद्धति से अपना छत्ता बनाती है और फिर वह कौन सी तकनीक होती है जो मधुरस या शहद बनाने में सहायक होती है। कटघोरा के सरकारी कृषि कॉलेज में एक दिन की कार्यशाला में मधुमक्खि पालन विषय पर विद्यार्थियों को इस बारे में तकनीकी और रोचक जानकारी मिली। विशेषज्ञों से मिले मार्गदर्शन से विद्यार्थी खुश हुए।

कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने व नवाचार पर यह कार्यशाला केन्द्रित थी। कृषि विवि के प्रमुख डॉ. हुलास पाठक यहां मुख्य वक्ता थे। उन्होंने सभी छात्रों से उनके विषय तथा नवाचार एवं एंटरप्रेन्योरशिप के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने नए आडिया और उस पर काम करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दिशा में काम करने से अच्छे मौके मिल सकते हैं और आपकी आमदनी बढ़ सकती है। उन्होंने एक सत्र में छात्राओं की समस्याओं का समधान भी किया। डॉ. दुष्यंत कौशिक ने कार्यशाला के उपरांत प्रोफेसर श्री पाठक को कृषि महाविद्यालय में अध्ययनरत चतुर्थ वर्ष में पंजीकृत छात्रों के लिए तैयार किया गया। मधुमक्खी पालन इकाई को दिखाया गया एवं वहां से मधुरस निकलना, मधुरस के अतिरिक्त अन्य उत्पाद तैयार करना और बी हाइ कैसे निकाला जाता है इस पूरी प्रक्रिया को सजीव प्रदर्शन कर विस्तृत रूप से समझाया गया।

मधुमक्खी पालन के संबंध में विशेष रूप से रूबी, सौम्या, नवीन, बिना, स्वाति और अन्य छात्रों के कार्य के प्रति समर्पण को भी बताया गया। कार्यशाला के आयोजन में मुख्य योगदान डॉ. रोशन भारद्वाज, डॉ. साधना साहा, साइना सिद्दीकी, डीपी पटेल सहित समस्त स्टाफ तथा छात्रों का रहा।

सरस्वती विद्यालय में आरएसएस का प्रशिक्षण वर्ग, हुआ भूमिपूजन

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम वर्ष का प्रशिक्षण वर्ग 15 दिन के लिए कोरबा में आयोजित हो रहा है। वीआईपी रोड स्थित सरस्वती विद्यालय परिसर में इसके लिए बुनियादी तैयारी शुरू कर दी गई है। इसी सिलसिले में यहां प्रशिक्षण वर्ग के लिए भूमि पूजन विधि विधान से संपन्न हुआ।

कोरबा के सरस्वती विद्यालय परिसर में आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण वर्ग में छत्तीसगढ़ के सभी संगठन जिलों से चयनित किए गए स्वयंसेवक शामिल होंगे। एक पखवाड़े तक स्वयंसेवकों को यहां शारीरिक और बौद्धिक प्रशिक्षण देने की व्यवस्था होगी। भीषण गर्मी के दौर में होने वाले प्रशिक्षण को ध्यान में रखते हुए यहां अनुकूल व्यवस्थाएं की जा रही है। प्रशिक्षण वर्ग सुचारू रूप से संपन्न हो इस कामना के साथ इस परिसर में भूमि पूजन संपन्न कराया गया ।ष्यिद्वश्च राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि प्रथम वर्ष के प्रशिक्षण वर्ग का दायित्व कोरबा जिले को प्राप्त हुआ है और नगर क्षेत्र के सभी स्वयंसेवक इसमें सहयोग करेंगे ।भूमि पूजन के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी किशोर बुटोलिया, अशोक तिवारी, रामकिशोर श्रीवास्तव, कैलाश नाहक, मृगेश यादव, रामविलास पाल, शत्रुघन वर्मा, दीपक मुखर्जी, सुरेश चंद गुप्ता और स्वयंसेवकों की उपस्थिति सुनिश्चित हुई।

नागरिक सुरक्षा की जानकारी देने ऑपरेशन सुरक्षा कवच

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा तैयार कार्यक्रम ऑपरेशन सुरक्षा कवच के तहत आपातकाल की स्थिति में आपदा प्रबंधन का क्रियान्वयन कैसे किया जाए, इसकी जानकारी आम नागरिकों की दी जाएगी। इसके लिए एक कार्ययोजना तैयार की गई है। आपातकालीन स्थिति में सेवाकार्य की भी योजना बनाई गई है।

शनिवार को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त डा. सोमनाथ यादव के निर्देशानुसार एक बैठक का आयोजन किया गया। जिला मुख्य आयुक्त मोहम्मद सादिक शेख की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में ऑपरेशन सुरक्षा कवच नामक कार्यक्रम तैयार किया गया। संयोजक भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, कोरबा के जिला सचिव भरत सिंह वर्मा होंगे। टीम में जिला संयुक्त सचिव रेखारानी लाल, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गनेशी सोनकर, गाइड केप्टिन पुष्पा शांडिल्य, रेणु श्रीवास्तव, रोवर लीडर राजीव साहू, जगन्नाथ सिंह नेताम, जिला युवा समिति के अध्यक्ष पप्पू चन्द्रा को सम्मिलित किया गया है। टीम को अन्य लीडर्स, रोवर्स, रेंजर्स सहयोग करेंगे। क्विक एक्शन टीम 13 से 25 मई के बीच ऑपरेशन सुरक्षा कवच के तहत लोगों को आपदा प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी।

प्रिशिका बनी मिस सेंट्रल इंडिया फर्स्ट रनर अप

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। कोरबा-पश्चिम दीपका क्षेत्र अंतर्गत मिस्टर, मिस और किड्स सेंट्रल सीजन 1 का आयोजन होटल सिटी इन अंबिकापुर में किया गया, जिसमें भारत के अनेक राज्यों से लोग शामिल हुए। जूरी मेंबर्स उमा कुशवाहा, सुजाता पटेल, किरण रात्रे और विष्णु कुजूर रहे।

कार्यक्रम में टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री कलर्स टीवी की डोरी फेम सोनी सिंह सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में उपस्थित रही। कोरबा-पश्चिम दीपका क्षेत्र अंतर्गत प्रिशिका जायसवाल ने मिस सेंट्रल इंडिया सीजन 1 का फर्स्ट रनर अप का खिताब अपने नाम किया। इसके पहले भी प्रिशिका जायसवाल ने किड्स आफ छत्तीसगढ़ 2025 की विनर रह चुकी है। इस आयोजन के ऑर्गेनाइजर एसीडी फाउंडेशन की आयोजक अर्पिता सिंह और बीबी फाऊंडेशन के निर्देश क्षमा बंजारे रहे।

शारदा विहार में गायत्री परिवार ने किया दीप यज्ञ

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारतीय सेवा के जांबाज लगातार अपना पराक्रम दिखा रहे हैं।

भारत में हर क्षेत्र में सेना और सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए कई प्रकार की कोशिश की जा रही है। कोरबा के शारदा विहार में गायत्री परिवार से संबंधित महिला शक्ति ने युग संगीत, हनुमान चालीसा का पाठ करने के साथ दीप यज्ञ का आयोजन पिछले शाम किया। इसके माध्यम से सैन्य शक्ति के उच्च मनोबल के लिए ईश्वर से कामना की गई।

सार-संक्षेप

जिले के विकास कार्यों को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

कोरिया बैकुंठपुर, 10 मई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सीएम हाउस में भेंट कर जिले में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने, औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने, बैकुण्ठपुर शहर के सड़क चौड़ीकरण, जिले में स्टेडियम निर्माण, हवाई पट्टी निर्माण हेतु अनुरोध किया. इस संबंध में मुख्यमंत्री भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी को जानकारी देते बताया कि जिले के सम्पूर्ण विकास के लिए सरकार की ओर से आवश्यक पहल किए जाने का आश्वासन दिया। ज्ञात हो कि कोरिया जिले की विकास के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष की द्वारा उठाए गए अनुकरणीय पहल को लेकर जिले की आम जनता अपने जिलाध्यक्ष से पूर्ण रुप से आस्वस नजर आ रही है।

एकलव्य संयुक्त आदर्श आवासीय स्कूलों में कक्षा 6वीं प्रवेश हेतु कॉउसलिंग 12 एवं 13 को

एमसीबी, 10 मई (देशबन्धु)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में संचालित दो एकलव्य संयुक्त आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु कक्षा 6वीं में विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए अंतिम मेरिट अनुसार चयनित एवं प्रतीक्षा सूची में शामिल विद्यार्थियों की सूची जारी कर दी गई है। यह सूची कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं संबंधित एकलव्य संयुक्त आदर्श आवासीय विद्यालयों के कार्यालयीन सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

चयनित एवं प्रतीक्षा सूची में शामिल विद्यार्थियों की कॉउसलिंग विकासखण्ड खड़गवां में अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने प्रवेश परीक्षा कोरिया जिले से दी है, उनको सम्मिलित करते हुए आयोजित की गई है। चयनित एवं प्रतीक्षा सूची में दर्ज सभी विद्यार्थी 12 एवं 13 मई 2025 को अनिवार्य रूप से एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोडीडीह विकासखण्ड खड़गवां, जिला एमसीबी के ऑडिटोरियम कक्ष में प्रात: 09ः00 बजे तक उपस्थित होना सुनिश्चित करें, जहां प्रात: 10ः00 बजे से कॉउसलिंग प्रारंभ की जाएगी। किसी कारणवश अनुपस्थित विद्यार्थियों के लिए 14 मई 2025 को अंतिम अवसर स्वरूप विशेष कॉउसलिंग आयोजित की जाएगी। चयनित विद्यार्थियों को प्रवेश के समय छत्तीसगढ़ का मूल निवास प्रमाण पत्र, अनुसूचित जनजाति का स्थायी जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, विद्यार्थियों का सिकल सेल शासकीय चिकित्सक द्वारा जारी प्रमाण पत्र, माता-पिता को वामपंथी उग्रवाद, विद्रोह या कोविड से खोने वाले, विधवाओं के बच्चे, दिव्यांग माता-पिता के बच्चे, भूमि दान करने वाले, अनाथ वर्ग के बच्चे, वामपंथी उग्रवाद से लड़ते हुए जान गंवाने वाले पुलिस/अर्धसैनिक/सशस्त्र बल के बच्चे, दिव्यांग बच्चे आदि का प्रमाण पत्र, विशेष शासकीय कर्मचारी के बच्चों का प्रमाण पत्र एवं जिला चिकित्सालय बोर्ड द्वारा जारी स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (जो कि प्रवेश के 15 दिन के भीतर प्रस्तुत करना होगा) की मूल एवं सत्यापित प्रति के साथ उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

समाधान शिविरों और विभागीय प्रयासों से ग्रामीणों में बढ़ रही है जागरूकता

बलरामपुर, 10 मई (देशबन्धु)। शासन-प्रशासन बाल विवाह जैसी कुप्रथा के उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए बालिकाओं के शिक्षा, उनके अधिकारों की रक्षा, और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी सजगता से कार्य कर रही है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखंडों में आयोजित समाधान शिविरों में जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बाल विवाह के विरुद्ध एक सशक्त जनचेतना अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में लुरघुट्टा समाधान शिविर में बताया गया कि बाल विवाह रोकना केवल कानूनी कर्तव्य नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। हमें बेटियों को शिक्षा, आत्मनिर्भरता की बढ़ाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह जागरूकता अभियान अंतर्गत शिविर में लगाए गए स्टॉल में जहां बाल विवाह के दुष्परिणाम, कानून, और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और अधिकारों को लेकर बुकलेट, ब्रोसर और पोस्टर वितरित किए गए। ''पहले पढ़ाई फिर विदाई'' जैसे स्लोगन के माध्यम से आमजनों को जागरूक किया गया।

बाल विवाह की सूचना पर की जा रही त्वरित कार्रवाई

प्रशासनिक अमला अब बाल विवाह जैसे मामलों में सक्रियता एवं सजगता से कार्य कर रही है। किसी भी गांव में बाल विवाह की सूचना मिलने पर महिला बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, आंगनबाड़ी सहायिका, कार्यकर्ता और पंचायत प्रतिनिधियों की संयुक्त टीम के द्वारा घर पर पहुंचकर विवाह को रोके जाने की कार्रवाई की जा रही है। हाल ही में जिले के क्षेत्रों में 20 बाल विवाह समय रहते रोके गए, जिनमें परिजनों को समझाइश देकर विवाह की तिथि स्थगित कराई गई। साथ ही ऐसे मामले जहां समझाइश के पश्चात भी विवाह करवाने की कोशिश करने पर संबंधितों के ऊपर एफ आई आर की कार्यवाही भी की गई है।

राज्य शासन द्वारा रजिस्ट्री में 10 क्रांतियों का शुभारंभ

बलरामपुर, 10 मई (देशबन्धु)। समाधान शिविर लुरघुट्टा में कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने पंजीयन विभाग की 10 जनोपयोगी क्रांतिकारी पहलों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि राज्य शासन के द्वारा 'रजिस्ट्री में 10 क्रांतियों' का शुभारंभ किया गया है। योजना के तहत इसका मुख्य उद्देश्य पंजीयन संबंधि सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सरल एवं नागरिकों की सुविधा के अनुरूप बनाना है। योजना से आमनागरिकों को पंजीयन से जुड़े कार्यों हेतु कार्यालयों का बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी और साथ ही संपत्ति पंजीयन में होने वाली फर्जीवाडे की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण होगा। योजना के शुभारंभ होने से फर्जी रजिस्ट्री रोकने के लिए आधार सत्यापन जिससे फर्जी रजिस्ट्री की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। रजिस्ट्री खोज एवं डाउनलोड इससे क्रेताओं को विवादित या बंधक जमीन की जानकारी पहले से ही प्राप्त हो जाएगी, ऑनलाईन भारमुक्त प्रमाण पत्र, स्टांप एवं रजिस्ट्री शुल्कों का कैशलेश भुगतान,

ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ पहुंचाने सुशासन तिहार का तीसरा चरण भी खत्म

कुंवारपुर में सुशासन तिहार शिविर में आए 1555 आवेदनों में से 1552 आवेदनों का हुआ समाधान

एमसीबी, 10 मई (देशबन्धु)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला भरतपुर ब्लाक के कुंवारपुर में बाजार के पास सुशासन तिहार के अंतर्गत 08 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक प्राप्त आवेदनों के तीसरे चरण के तहत आज विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इस अवसर पर समस्त जनप्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों को दी गई, जिसमें कुंवारपुर, कोइलरा, गढ़वार, फुलझर, गोधौरा, तितौली,तोजा, सेरी, कुदरा, लाखनटोला एवं जोलगी ग्राम पंचायत के लोग शामिल रहे।

जिला पंचायत सदस्य सुखमंती सिंह ने भावनात्मक और प्रेरणादायी संबोधन में ग्रामीणों से अपील की कि सभी माताएं, बहनें और भाई जो बाहर बैठे हैं, कृपया आगे आकर भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं छोटे-छोटे गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और उनका निराकरण कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग आवेदन तो करते हैं लेकिन समाधान शिविर में भाग नहीं लेते। उन्होंने पानी की समस्या को लेकर आश्वासन दिया कि आने वाले दो महीनों में हर गांव में हैंडपंप और जल व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी और सिंटेक्स टंकी को जल्द ही चालू किया जाएगा। शिविर में प्राप्त आवेदनों की जानकारी साझा करते हुए बताया गया कि कुल 1555 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें से 1552 आवेदनों का निराकरण किया गया जबकि 3 आवेदन लंबित हैं। आवास योजनाओं में 278 आवेदन आए थे, जिसमें सभी का निराकरण किया गया। वही राशन कार्ड के 72 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें सभी का निराकरण कर लिया गया है, पेंशन के 27 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें सभी का निराकरण किया गया । वही एसबीएम के 190 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमे सभी का निराकरण कर दिया गया, इसके साथ ही मनरेगा विभाग में 755 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिसमें सभी का निराकरण हो गया है । इसके साथ ही में 1 आवेदन प्राप्त हुआ था जिसको निराकरण कर दिया गया। इसी के साथ पशुधन विकास विभाग के 36 सभी आवेदन को निराकरण किया गया । महिला एवं बाल विकास विभाग की महतारी वंदन योजना के तहत कुंवारपुर क्लस्टर में प्राप्त 23 सभी आवेदनों का निराकरण कर दिया गया। आदिम जाति विकास विभाग में जमीन पट्टा एवं वन अधिकार पत्र के कुल 6 आवेदनों की प्रक्रिया चल रही है और कोई भी मामला लंबित नहीं है। स्वास्थ्य विभाग को कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ। इसके साथ ही कृषि विभाग को 41 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2 शिकायतों का निराकरण किया गया और 39 में से 22 लोग पात्र पाए गए। उद्यानिकी विभाग को प्राप्त तीनों आवेदनों का निराकरण कर दिया गया। शिक्षा विभाग को 17 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें सभी का निराकरण कर दिया गया और अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 10 लाख रुपये डीएमएफ से स्वीकृत किए गए। क्रेडा विभाग को 48 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से सभी 48 मांगों का समाधान किया गया। विद्युत विभाग को 10 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें 9 का निराकरण हुआ और 1 लंबित है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को 107 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें 67 का निराकरण हुआ और 40 आवेदन लंबित हैं। वहीं समाज कल्याण विभाग को प्राप्त एकमात्र आवेदन का समाधान कर दिया गया। जल संसाधन विभाग को प्राप्त 8 आवेदनों में से 5 का निराकरण हुआ और 3 प्रोसेस में हैं। वन विभाग को प्राप्त 6 सभी आवेदनों का समाधान हो गया है। खाद्य विभाग को प्राप्त 54 में से 52 आवेदनों का निराकरण हुआ जबकि 2 लंबित हैं।

कलेक्टर, एसपी डीएफओ ने समाधान शिविर में पिया ओआरएस घोल

बलरामपुर, 10 मई (देशबन्धु)। जिले में आयोजित समाधान शिविर के दौरान एक अनोखा दृश्य देखने को मिला जब कलेक्टर राजेंद्र कटारा और पुलिस अधीक्षक बैंकर वैभव रमनलाल एवं वनमण्डलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी व जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने शिविर स्थल पर मौजूद स्वास्थ्य विभाग द्वारा वितरित ओआरएस घोल का सेवन किया। गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन से बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य प्रशासनिक अधिकारियों ने ओआरएस घोल का सेवन किया। कलेक्टर ने कहा कि तेज गर्मी में शरीर में पानी की कमी हो सकती है, ऐसे में ओआरएस का सेवन बेहद जरूरी है। एसपी ने भी आमजनों से अपील की कि वे अधिक से अधिक पानी पिएं और स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्मी के मौसम के लिए दिये गये दिशा-निर्देशों का पालन करें। इस दौरान समाधान शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गर्मी से बचाव के संबंध में जानकारी दी। साथ ही शिविर में ओआरएस घोल वितरण कर लोगों को इसके उपयोग और लाभ के संबंध मे बताया।

गौरतलब है कि जिले में सुशासन तिहार अंतर्गत तीसरे चरण में समाधान शिविर जारी है, जिसके लिए कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन मे जिले के सभी विकासखंड में समाधान शिविर में आवश्यक व्यवस्था की गई। शिविर स्थल पर आमजनों के लिए छाया, उचित बैठक व्यवस्था, भोजन, पेयजल की व्यवस्था की गई है। पंजीयन काउंटर बनाए गए है जिसके माध्यम से ग्रामीण जन अपनी समस्या संबंधित आवेदन जमा कर सकते हैं। विभागीय स्टॉल का प्रदर्शन करते हुए अलग-अलग काउंटर बनाया गया ताकि ग्रामीण जन अपनी समस्याएं सीधे संबंधित विभाग को दे सकें। प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है जिसके माध्यम से बीपी, शुगर, आदि का जांच कर नि:शुल्क दवाई का वितरण किया जा रहा है।

कृषि मंत्री ने लुरघुट्टा एवं रामचन्द्रपुर में समाधान शिविर का लिया जायजा

सुशासन तिहार बना जनसेवा का माध्यम - मंत्री श्री नेताम

बलरामपुर, 10 मई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा संचालित सुशासन तिहार के तहत जनसमस्याओं के त्वरित समाधान एवं शासकीय योजनाओं के लाभों को सीधे जनता तक पहुंचाने का अभियान निरंतर जारी है। इसी कड़ी में सुशासन तिहार के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने विकासखंड बलरामपुर में ग्राम पंचायत लुरघुट्टा में आयोजित समाधान शिविर का जायजा लिया एवं जनसमुदाय से सीधा संवाद किया।

कृषि मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे सुशासन तिहार का उद्देश्य न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करना है, बल्कि आम जनता तक सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचाना भी है। मंत्री नेताम ने कहा कि ऐसे शिविरों के आयोजन से शासन और प्रशासन के प्रति विश्वास और जागरूकता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के सुशासन में मोर आवास मोर अधिकार के तहत गांव-गांव में पक्का आवास बन रहा है। शासन-प्रशासन के द्वारा योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करते हुए सभी को पक्का आवास का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने किसानों को बेहतर फसल उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करते हुए उन्नत बीज, आधुनिक तकनीक, कृषि योजनाओं का लाभ लेने प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि समाधान शिविर में आवेदनों के निराकरण की स्थिति एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही पंजीयन काउंटर में नए आवेदन लिए जा रहे हैं, जिनका शीघ्र निराकरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए शासन-प्रशासन के द्वारा मॉनिटरिंग किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण की दिशा में सहयोग करने की बात कही। सुशासन तिहार के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री ने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया और लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी प्राप्त की।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की सीधी पहुंच

बसकेपी समाधान शिविर में पहुंचे कलेक्टर कटारा
ग्रामीणों को मिल रहा शासकीय योजनाओं का लाभ

बलरामपुर, 10 मई (देशबन्धु)। विगत दिवस बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखण्ड कुसमी के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसकेपी के प्रांगण में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में सम्मिलित गांव साहपुर, भवानीपुर, महकेपी, मगाजी, धनजी, बसकेपी, सुखरी, कंदरी के ग्रामीणों ने अपनी मांग, समस्या एवं शिकायतों के निराकरण के लिए उत्साहित होकर पहुंचे।

कलेक्टर राजेन्द्र कटारा ने बसकेपी में आयोजित शिविर में पहुंचकर शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने विभागों द्वारा लगाए स्टॉलों का निरीक्षण भी किया तथा ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्या एवं मांगो से अवगत होकर आवेदनों का निराकरण त्वरित करने के निर्देश दिए और सभी आवेदकों को उनके आवेदन के निराकरण की जानकारी शिविर के माध्यम से कराने को कहा।

8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक समाधान पेटी के माध्यम से प्राप्त किए गए आवेदनों का निराकरण करते हुए विभिन्न मांगों के हितग्राहियों को समाधान शिविर के माध्यम से सामग्री वितरण किया गया। जिसमें समाज कल्याण विभाग अर्न्तगत दिव्यांगजनों को ट्रायसायकल, खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड, श्रम विभाग द्वारा जॉब कार्ड, लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास की चाबी, कृषि विभाग द्वार बीज का वितरण किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी के लिए स्टॉल भी लगाए गए थे, जिसका ग्रामीणों ने अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी ली।

शंकरगढ़ के मनोहरपुर में किया गया शिविर का आयोजन

शंकरगढ़ के कलस्टर मनोहरपुर के शासकीय हाई स्कूल मनोहरपुर में समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बताया गया कि सुशासन तिहार के प्रथम चरण में मनोहरपुर कलस्टर के अंतर्गत मांग के 721 एवं 02 शिकायत कुल 723 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिसे संबंधित विभाग द्वारा निराकरण पूर्ण कर लिया गया है। शिविर के दौरान 243 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें कुछ आवेदनो का निराकरण शिविर स्थल पर ही किया गया। शेष लंबित आवेदनो का निराकरण समय-सीमा के अंदर किया जाएगा। शिविर में हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास की चाबी, बीज, जॉब कार्ड, महिला समूहों को सामुदायिक सूक्ष्म नियोजन के तहत राशि, राशन कार्ड, जाति एवं आय प्रमाण पत्र, मच्छरदानी, ऋष्रा पुस्तिका, निवास प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

कोरिया जिले में सड़क सुरक्षा और जनस्वास्थ्य की दिशा में नई पहल

ग्राम सुरमी चौक में आयोजित हुआ नौवाँ निःशुल्क नेत्र शिविर

कोरिया, 10 मई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में सड़क सुरक्षा और जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और परिवहन विभाग द्वारा एक विशेष नेत्र परीक्षण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत 10 मई को ग्राम सुरमी चौक में नौवां निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर न केवल स्वास्थ्य सेवा का प्रतीक रहा, बल्कि जन-जागरूकता, सामाजिक सहभागिता और प्रशासनिक कुशलता का उत्कृष्ट उदाहरण भी बना।

01 से 22 मई तक चल रहे इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों की दृष्टि जांच कर उन्हें सुरक्षित वाहन संचालन के लिए प्रेरित करना है। विशेषज्ञों के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं के पीछे कमजोर दृष्टि एक प्रमुख कारण है। ऐसे में यह अभियान समय की आवश्यकता बन गया है। शिविर में कोरिया जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों वाहन चालकों की आंखों की जांच की गई। शिविर में वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ मोहसीन रज़ा व उनकी टीम द्वारा सभी चालकों की सावधानीपूर्वक जांच की गई। दृष्टिदोष पाए गए चालकों को मौके पर ही निःशुल्क चश्मे और आवश्यक दवाएं प्रदान की गईं। इस पहल ने न केवल स्वास्थ्य सेवा को आमजन तक पहुंचाया, बल्कि चालकों में आत्मविश्वास भी बढ़ाया। इस अभियान का नेतृत्व कोरिया जिला परिवहन अधिकारी अनिल भगत कर रहे हैं,श्री भगत ने बताया कि यह अभियान जिले के सभी प्रमुख क्षेत्रों में 22 मई तक चलाया जाएगा, ताकि कोई भी चालक इस सुविधा से वंचित न रह जाए। शिविर के आयोजन में सामाजिक संस्था 'आर्थो वेलफेयर फाउंडेशन' की भूमिका सराहनीय रही। संस्था के अध्यक्ष शकील अहमद और उनकी टीम मनोज कुमार मंडल, तरुण कुमार सिंह, कु. नंदनी, आकांक्षा गिद्ध , माही पंकज व पुलिस प्रशासन से निहाल मानिकपुरी, कमलेश कुमार व ग्राम सचिव बाबूलाल सिंह पूरे आयोजन के दौरान सक्रिय रहे और सभी व्यवस्थाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया। कई चालकों ने बताया कि आर्थिक सीमाओं के चलते वे नेत्र जांच नहीं करवा पाते थे और यह शिविर उनके लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। लोगों ने प्रशासन और सामाजिक संगठनों के समन्वय की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के शिविरों की अपेक्षा की।

आरटीओ द्वारा शिविर कल

कोरिया, 10 मई (देशबन्धु)। सरकार द्वारा 01 अप्रैल 2019 से पूर्व पंजीकृत सभी प्रकार के वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एच एस आर पी) लगाना अनिवार्य कर दिया गया है।

इस आदेश के पालन को सुनिश्चित कराने के लिए जिला परिवहन विभाग द्वारा 12 मई 2025 तक जिला परिवहन कार्यालय परिसर में शिविर का आयोजन किया गया है।

शिविर के माध्यम से वाहन मालिक आरसी , आधार कार्ड और मोबाइल नंबर के साथ निर्धारित शुल्क जमा कर एच एस आर पी की बुकिंग एवं फिटमेंट करवा सकते हैं। जिन वाहन स्वामियों का मोबाइल नंबर आरसी में अपडेट नहीं है, वे मौके पर ही मोबाइल नंबर भी अपडेट करवा सकेंगे।

जिला परिवहन अधिकारी अनिल भगत ने जानकारी दी है कि दोपहिया वाहन के लिए 365.80 रुपए, तिपहिया वाहन के लिए 427.16 रुपए, हल्के मोटरयान के लिए 656.80 रुपए और भारी वाहन के लिए 705.64 रुपए शुल्क निर्धारित की गई है।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि एच एस आर पी नंबर प्लेट नहीं लगवाने वाले वाहन स्वामियों पर भविष्य में कड़ी कार्यवाही की जा सकती है, जिसमें जुर्माना भी शामिल है। ऐसे में वाहन मालिकों से अपील की गई है कि वे इस शिविर का लाभ उठाएं और समय रहते अपने वाहनों पर एच,एस,आर,पी प्लेट लगवाएं।

एच,एस,आर,पी की बुकिंग जिले में स्थापित परिवहन सुविधा केंद्र,चॉइस सेंटर या परिवहन विभाग की वेबसाइट के माध्यम से भी की जा सकती है।

सार-संक्षेप

गोमर्डा अभ्यारण्य में हाथियो की दस्तक से क्षेत्र वासी परेशान

कनकबीरा क्षेत्र में रोज रात में बंद रहती है विद्युत सप्लाई

सारंगढ, 10 मई (देशबन्धु)। गोमर्डा अभ्यारण्य में पिछले कुछ दिनों से हाथियों के प्रवेश से अभ्यारण्य के अंदर आने वाले गांव के निवासी परेशान है 25 से 30 हाथियों का दल एक साथ पूरे अभ्यारण्य में भ्रमण कर रहा है जिससे कई लोगों की खेतों में भी चल रही है जिससे पका हुआ फसल बर्बाद हो जा रही है ग्राम सरायपाली, गांधराचूआ, में कई एकड़ के फसलों को नुकसान पहुंचा चुकी है साथ अभ्यारण्य के अंदर रहने वाले गांव रामटेक, दमदरहा, टमटोरा, कलगीडिपा, घठोरा, खम्हारपाली, लुढ़का , नवापाली, सरियादरहा, भालूकोना, के लोग भी दहशत में जीवन जी रहे है क्योंकि पिछले कई माह से हाथी यही रुके हुए है

रात होते ही विद्युत सप्लाई बंद

अभ्यारण्य के अंदर हाथियों के मूवमेंट पता चलते ही वन विभाग विद्युत सप्लाई को बंद करवा देता है ताकि करेंट से वन्य प्राणियों को नुकसान न हो मगर इस भीषण गर्मी में रात भर विद्युत आपूर्ति बंद रहती है तो लोगों काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है साथ ही गर्मी में हाथियों के दहशत के कारण बाहर में भी नहीं सो पा रहे है

विवाह समारोहों में बढ़ी परेशानी

अभ्यारण्य के अंदर आने वाले गांव कनकबिरा रामटेक दमदरहा टमटोरा कलगीडिपा घठोरा खम्हारपाली लुढ़का नवापाली सरियादरहा भालूकोना में शादी के इस सीजन में अगर रात भर विद्युत आपूर्ति बंद रहती है तो उस घर वालो का परेशानी का अंदाजा लगाया जा सकता है इतने मेहमानों को इस भीषण गर्मी में बिना कूलर पंखे के रखना पड़े कितनी बड़ी सजा है

समाज कल्याण और स्वास्थ्य विभाग के शिविर में 109 पंजीकृत, 72 दिव्यांग यूडीआईडी हेतु चिन्हित

सारंगढ़, 10 मई (देशबन्धु)। सुशासन तिहार में समाज कल्याण विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सारंगढ़ में दिव्यांगजन विशिष्ट पहचान पत्र यूडीआईडी हेतु प्रमाणीकरण एवं दिव्यांगजनों के सामान्य दिव्यांगता परीक्षण के लिए माह के दूसरे शनिवार सक्षम शनिवार की थीम पर दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया। समाज कल्याण विभाग के समन्वय में आयोजित शिविर में उपस्थित 109 दिव्यागजनों ने पंजीयन कराया, जिसमें से 72 दिव्यांग जनों को यूडीआईडी हेतु चिन्हित किया गया। साथ ही जरूरतमंद दिव्यांगजनों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया जाकर उचित परामर्श दिया गया। शिविर में दृष्टि बाधित के 11, अस्थिबाधित के 36, मानसिक दिव्यांगता के 08, श्रवण बाधित के 14 और सेरेब्रल पाल्सी के 3 दिव्यांगजनों का विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र के लिए परीक्षण उपरांत चिन्हांकन किया गया। दिव्यांग प्रमाण पत्र की जानकारी जनपद पंचायत सारंगढ़ के परिसर में संचालित समाज कल्याण विभाग के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में आयुष सिंह ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

विधायक शेषराज हरवंश ने घर पहुंच कर किया सम्मान

जांजगीर, 10 मई (देशबन्धु)। बिहार के बोधगया में 4 से 8 मई तक आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में जिले के मल्लखम्ब खिलाड़ी आयुष सिंह सिदार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। यह प्रतियोगिता देशभर के 24 राज्यों के 224 खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ संपन्न हुई, जिसमें 28 खेल विधाओं में मुकाबले हुए।

जिला मल्लखम्ब एसोसिएशन, जांजगीर-चांपा से आयुष सिंह सिदार (बालक वर्ग), शिक्षा दिनकर और डिंपी सिंह (बालिका वर्ग) ने हिस्सा लिया। आयुष की इस उपलब्धि पर जिले में खुशी की लहर है।

खिलाड़ी के सम्मान में पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश शनिवार दोपहर तीन बजे आयुष के निवास पहुंचे, जहां उन्होंने मिठाई, बुके और माला पहनाकर आयुष एवं डिंपी सिंह का सम्मान किया। विधायक हरवंश ने कहा, यह हमारे पामगढ़ और जिले के लिए गर्व की बात है।

मल्लखम्ब के ये खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और अब तक 54 मेडल अर्जित कर चुके हैं। खिलाड़ियों के कोच पुष्कर दिनकर, प्रभात कुमार जांगड़े और अकलेश नारंग ने बताया कि ये खिलाड़ी आगामी 19 मई से दमन और दीव में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया बीच गेम्स में भी भाग लेंगे। विधायक ने सभी खिलाड़ियों को इस आगामी प्रतियोगिता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

समय पर मरम्मत नहीं की तो कंपनी को देना होगा नया वाहन

जिला उपभोक्ता आयोग, जांजगीर का फैसला

जांजगीर, 10 मई (देशबन्धु)। उपभोक्ता फोरम ने वाहन निर्माता कंपनी को सख्त आदेश देते हुए कहा है कि यदि उपभोक्ता के वाहन की 45 दिनों के भीतर मरम्मत नहीं की जाती है, तो उसे उसी मॉडल की नई फोर्स ट्रैवलर वाहन प्रदान करनी होगी। यह फैसला उपभोक्ता भूपेंद्र सिंह द्वारा बार-बार वाहन खराब होने और इससे व्यवसायिक क्षति होने की शिकायत पर सुनाया गया है।

भूपेंद्र सिंह, जो कि केरा रोडवेज बस संचालक हैं, ने 6 फरवरी 2023 को सीजी 11 बीएच 0154 क्रमांक की फोर्स ट्रैवलर बस स्वरोजगार हेतु खरीदी थी। उन्होंने वाहन की समय पर सर्विसिंग भी कराई, किंतु वाहन बार-बार खराब होने से न केवल बुकिंग रद्द हुई, बल्कि नियमित परिचालन में भी बाधा आई। शिकायतकर्ता के अनुसार, वाहन की मरम्मत के लिए लगातार कंपनी को सौंपा गया, लेकिन हर बार कोई न कोई नई खराबी सामने आई और वाहन को ठीक से नहीं सुधारा गया। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक तनाव भी झेलना पड़ा।

भूपेंद्र सिंह ने कंपनी वनराज फास्ट के विरुद्ध सेवा में कमी का आरोप लगाते हुए जिला उपभोक्ता आयोग में वाद प्रस्तुत किया। सुनवाई में प्रस्तुत साक्ष्यों और खर्चों के बिलों की जांच के बाद आयोग ने माना कि वाहन में बार-बार आ रही खराबी सेवा में स्पष्ट कमी को दर्शाती है। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि कंपनी 45 दिनों के भीतर वाहन की निशुल्क मरम्मत कर उपभोक्ता को सुपुर्द करे, और यदि निर्धारित समय में मरम्मत नहीं होती है, तो उपभोक्ता को उसी मॉडल की नई फोर्स ट्रैवलर वाहन प्रदान की जाए। इसके अतिरिक्त, आयोग ने मानसिक क्षतिपूर्ति के रूप में ?20,000 तथा वाद व्यय के रूप में ?5,000 राशि उपभोक्ता को भुगतान करने का आदेश भी दिया है। यदि यह राशि 45 दिनों के भीतर अदा नहीं की जाती, तो उस पर आदेश दिनांक से भुगतान दिनांक तक 6त्न वार्षिक ब्याज लागू होगा। यह फैसला उपभोक्ता अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है और वाहन निर्माता कंपनियों के लिए स्पष्ट संदेश देता है कि सेवा में लापरवाही ग्राहकों की न केवल साख, बल्कि व्यवसायिक हितों को भी प्रभावित कर सकती है।

मुंबई-हावड़ा रूट की ट्रेनों में भारी भीड़, कन्फर्म टिकट के लिए महीनों का इंतजार

एक्सप्रेस ट्रेनों में वेटिंग 80 तक, तत्काल टिकट के लिए मारामारी

जांजगीर, 10 मई (देशबन्धु)। मुंबई-हावड़ा रेल मार्ग पर चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ देखी जा रही है। स्थिति यह है कि कई ट्रेनों में कन्फर्म टिकट पाने के लिए यात्रियों को एक से डेढ़ महीने पहले ही आरक्षण कराना पड़ रहा है। अधिकांश ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट 50 से ऊपर पहुंच चुकी है, वहीं कुछ ट्रेनों में यह आंकड़ा 80 से 100 तक जा पहुंचा है।

इस भीड़भाड़ के पीछे दो प्रमुख कारण हैं एक गर्मी की छुट्टियाँ और विवाह समारोहों का सीजन। स्कूलों में छुट्टियाँ होने के कारण कई परिवार छुट्टियां मनाने की योजना बना रहे हैं। साथ ही मई-जून में विवाह के शुभ मुहूर्त अधिक होने के कारण हजारों लोग एक ही समय में यात्रा कर रहे हैं। 11 जून तक विवाह समारोहों की संख्या चरम पर रहने की संभावना है, जिसके बाद एक माह का विराम आने की संभावना है।

तत्काल टिकट की मची होड़

तत्काल टिकट पाने के लिए यात्रियों को काउंटर पर लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। लोग रात से ही लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते हैं, लेकिन टिकट खुलते ही कुछ ही मिनटों में सभी सीटें भर जाती हैं। इससे अधिकांश यात्री निराश होकर खाली हाथ लौट रहे हैं।

स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि नियमित रूप से चलने वाली ट्रेनों — जैसे उत्कल एक्सप्रेस और मुंबई मेल में भी सीटें उपलब्ध नहीं हैं। रिजर्वेशन काउंटरों में रोजाना भीड़ उमड़ रही है और टिकट हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है।

रेलवे से अतिरिक्त व्यवस्था की मांग

यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए लोगों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि इस व्यस्त अवधि में विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाए ताकि यात्रियों को कुछ राहत मिल सके।

कर्म करने मात्र में ही मनुष्य का अधिकार है- राजेश्री महन्त

जिले में एकदिवसीय प्रवास, विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल

जांजगीर, 10 मई (देशबन्धु)। राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने अपने एकदिवसीय जिला प्रवास के दौरान विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने ग्राम नवागांव (झूलन पकरिया), विकासखंड अकलतरा में साहू परिवार द्वारा आयोजित संगीतमयी श्रीराम कथा में सहभागिता की। आयोजन स्थल पर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। व्यास पीठ की पूजा-अर्चना के पश्चात उन्होंने आचार्य दिनेश गोस्वामी को शाल व श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर आशीर्वचन देते हुए उन्होंने कहा, यह आयोजन साहू परिवार द्वारा अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति और मोक्ष की कामना हेतु किया गया है। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि सभी दिव्य आत्माओं को सद्गति प्राप्त हो। उन्होंने श्रीरामचरितमानस का उल्लेख करते हुए कहा, करम प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहिं सो तस फल चाखा, अर्थात् मनुष्य को अपने कर्मों के अनुसार ही फल की प्राप्ति होती है। मुखिया की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, मुखिया को मुख के समान होना चाहिए जो सभी स्वादों को स्वयं ग्रहण करता है परंतु पूरे शरीर के हित को ध्यान में रखते हुए विवेकपूर्वक निर्णय करता है। व्यास पीठ पर विराजमान आचार्य दिनेश गोस्वामी महाराज ने कहा, यह पूरे ग्राम वासियों का सौभाग्य है कि पूज्य महन्त जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। बसंत जहां आती है वहां प्रकृति खिल उठती है, और संत जहां आते हैं वहां संस्कृति मुस्कुराने लगती है। राजेश्री महन्त जी महाराज ने अपने प्रवास के दौरान पलारी (जिला बलौदाबाजार-भाटापारा) में लाला वर्मा के जन्मोत्सव, जांजगीर में आशुतोष गोस्वामी एवं चांपा में अजय अग्रवाल के निवास पर सौजन्य भेंट तथा ग्राम कुरियारी में जी.आर. कश्यप के मांगलिक कार्यक्रम में भी सहभागिता की। इन कार्यक्रमों में उनके साथ कमलेश सिंह, सुशांत सिंह, हरप्रसाद साहू, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, कृष्णकांत सिंग सार्वा, रज्जाक खान, भूषण ठेठवार, वरुण कहरा, सुशील साहू, शशिकांत सिंह, राकेश, मनोज मित्तल, राजेन्द्र देवांगन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मेंटनेंस के अभाव में जिम उपकरण हुए जर्जर

ओपन जिम बना शोपीस

जांजगीर, 10 मई (देशबन्धु)। शहर में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और लोगों को व्यायाम के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से लाखों रुपए खर्च कर ओपन जिम स्थापित किए गए थे, लेकिन अब ये जिम महज शोपीस बनकर रह गए हैं। अधिकांश स्थानों पर ओपन जिम के उपकरण या तो टूट चुके हैं या उनके पुर्जे ढीले हो गए हैं। बीडीएम गार्डन और भीमा तालाब परिसर जैसे प्रमुख स्थानों पर लगाए गए जिम की हालत बेहद खराब हो चुकी है।

बीडीएम गार्डन में तो कई उपकरणों के आधे से ज्यादा पार्ट्स गायब हैं, जबकि कुछ पूरी तरह टूट चुके हैं। इस कारण लोग सही मापदंडों के अनुरूप व्यायाम नहीं कर पा रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य को लाभ की बजाय हानि हो सकती है। वहीं भीमा तालाब परिसर में स्थिति और भी चिंताजनक है। यहां अधिकांश उपकरण इस्तेमाल लायक नहीं बचे हैं, जिससे लोग अब ओपन जिम में जाना ही कम कर चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय-समय पर इनका मेंटनेंस कराया गया होता, तो आज ये जिम लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकते थे। लेकिन जिम्मेदार विभाग ने मरम्मत पर कोई ध्यान नहीं दिया, जिससे ये परियोजना व्यर्थ साबित हो रही है। नागरिकों ने मांग की है कि जल्द से जल्द सभी ओपन जिम की मरम्मत कराई जाए, ताकि सार्वजनिक धन का सदुपयोग हो सके और लोग फिर से स्वास्थ्य लाभ ले सकें।

स्थानांतरण आदेश रद्द नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

जांजगीर, 10 मई (देशबन्धु)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए दंडात्मक स्थानांतरण के विरोध में प्रदेशभर के अधिकारी-कर्मचारी संगठनों में जबरदस्त आक्रोश है। इसी क्रम में जिला अस्पताल के स्टाफ तथा विभिन्न संघों के जनप्रतिनिधियों से मिल कर आदेश को निरस्त करने की मांग की।

गौरतलब है कि तीन चिकित्सकों द्वारा हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिसमें डॉ. दीपक साहू के स्थानांतरण आदेश को अदालत ने रद्द कर दिया है। अन्य दो डॉक्टरों के मामले लंबित हैं।

इसी मुद्दे को लेकर रायपुर में अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा एवं महासंघ के महासचिव आलोक मिश्रा की उपस्थिति में एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रदेशभर के विभिन्न संघों के प्रांताध्यक्ष शामिल हुए। बैठक में दंडात्मक ट्रांसफर के विरोध में कड़ा विरोध दर्ज किया गया और निर्णय लिया गया कि यदि एक सप्ताह के भीतर शासन द्वारा आदेश निरस्त नहीं किया गया तो प्रदेश स्तरीय आंदोलन शुरू किया जाएगा। स्वास्थ्य संगठनों का आरोप है कि जिला अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन द्वारा महिला कर्मचारियों से दुर्व्यवहार, वित्तीय अनियमितता एवं नियम विरुद्ध कार्यवाही की गई थी। इन मामलों के विरोध में किए गए आंदोलन के बाद शासन ने प्रतिशोध की भावना से डॉ. विष्णु पैगवार एवं डॉ. इकबाल हुसैन का दूरस्थ जिलों में स्थानांतरण कर दिया। संघ का कहना है कि यह दमनात्मक कार्यवाही न केवल लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है, बल्कि कर्मचारियों की आवाज दबाने का प्रयास भी है। यदि मांगे नहीं मानी गईं, तो आंदोलन के जरिए सरकार को जवाब दिया जाएगा।

होनहार छात्रा खुशी देवांगन का अकलतरा विधायक ने किया सम्मान

जांजगीर, 10 मई (देशबन्धु)। अकलतरा क्षेत्र की होनहार छात्रा खुशी देवांगन, जिन्होंने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में प्रदेश स्तर पर 9वां स्थान प्राप्त किया। विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह ने खुशी से मुलाकात कर विशेष सम्मान किया।

पंतोरा निवासी खुशी से मुलाकात कर विधायक ने मिठाई खिलाई, गुलदस्ता भेंट किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने खुशी के पिता से भी चर्चा की और उनकी भूमिका की सराहना की। खुशी ने बताया कि वह आगे चलकर चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहती है। विधायक ने उसे पढ़ाई में मदद के लिए टैबलेट पीसी भेंट किया।

अवैध प्लाटिंग पर प्रशासन की चुप्पी, भू-माफियाओं के हौसले बुलंद

जांजगीर, 10 मई (देशबन्धु)। जांजगीर शहर और इसके सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध प्लाटिंग का गोरखधंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और नगरीय निकाय की अनुमति के बिना ही भू-माफिया धड़ल्ले से कृषि भूमि को प्लॉट में तब्दील कर लोगों को बेच रहे हैं। खास बात यह है कि इस पर कार्रवाई करने के बजाय संबंधित विभागों ने आंख मूंद रखी है, जिससे अवैध कारोबारियों के हौसले और बुलंद हो गए हैं।

खोखसा, बनारी, कन्हाईबंद, पेंड्री और बड़ी नहर के पार रेलवे फाटक के किनारे बसे गांवों में खेतों को टुकड़ों में काटकर प्लॉट के रूप में बेचा जा रहा है। आम आदमी के लिए अब सीधे जमीन खरीदना मुश्किल हो गया है, क्योंकि अधिकांश सौदे दलालों के जरिए ही हो रहे हैं। हालांकि, पिछले वर्ष जिला प्रशासन ने अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए थे, जिसके तहत कलेक्टोरेट रोड में कार्रवाई भी की गई थी। लेकिन अब ऐसी कोई सख्त कार्रवाई नजर नहीं आ रही है।

पहले एग्रीमेंट, फिर प्लॉट बिक्री

भू-माफिया अपनी पहचान छुपाने के लिए पहले किसानों से जमीन का एग्रीमेंट करते हैं, फिर उसे प्लॉट में बदलकर एजेंटों के माध्यम से बेच देते हैं। बिजली खंभे, ट्रांसफार्मर और सड़कों का लालच देकर लोगों को आकर्षित किया जाता है, जबकि इन कॉलोनियों के लिए कोई वैध अनुमति नहीं ली जाती।

कोरबी व माखनपुर में समाधान शिविर 13 को

कोरबा, 10 मई (देशबन्धु)। सुशासन तिहार के तृतीय चरण अन्तर्गत जिले के विकासखंडों के क्लस्टर ग्रामों में समाधान शिविर आयोजन कर ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही प्राप्त आवेदनों के निराकरण की भी जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में 13 मई को विकासखंड पोंड़ीउपरोड़ा के ग्राम कोरबी कलस्टर अंतर्गत सम्मिलित ग्राम पंचायत कोरबी, सरमा, तनेरा, पुटीपखना, हरदेवा, पाली, बुढ़ापारा, कुल्हड़िया, खम्हारमुड़ा, झिनपुरी और मिसिया हेतु शासकीय हाई स्कूल कोरबी में समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी तरह 13 मई को ही विकासखंड पाली के ग्राम माखनपुर कलस्टर अंतर्गत सम्मिलित ग्राम पंचायत माखनपुर, बनबांधा, सेंद्रीपाली, कपोट, रंगोले, बांधाखार, नुनेरा, धौराभांठा, करतली और डूमरकछार हेतु हाई स्कूल ग्राउंड माखनपुर में समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा।

कार व पिकअप को जलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

भेजा गया न्यायिक रिमांड पर

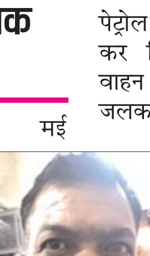

जांजगीर, 10 मई (देशबन्धु)। बलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम हरदी महामाया में एक आरोपी द्वारा पेट्रोल डालकर कार, पिकअप, ठेला व मकान के छज्जा को आग लगाए जाने की घटना सामने आई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, संतोष कुमार साहु, निवासी ग्राम हरदी महामाया, ने 8 मई की दरम्यानी रात फागुराम देवांगन की कार, पिकअप वाहन, तालपतरी व मकान के हिस्से को पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया। इस आगजनी से वाहन के टायर व अन्य सामग्री जलकर खाक हो गई। प्रार्थी की शिकायत पर बलौदा थाना में अपराध की धारा 326(जी) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान गवाहों के कथन, घटनास्थल निरीक्षण व आरोपी से पूछताछ में पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर उसे 10 मई को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष तंबोली, उनि राजेश कुमार साह, प्रआर मुकेश यादव, आरक्षक युवराज सिंह व लखेश विश्वकर्मा का सराहनीय योगदान रहा।

देश विदेश

चीन व अमेरिका के बीच जिनेवा में हुई व्यापार वार्ता

बीजिंग, 10 मई (एजेंसियां)। चीन और अमेरिका ने शनिवार को स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में अर्थव्यवस्था और व्यापार पर उच्च स्तरीय वार्ता की। यह जानकारी सरकारी चाइना सेंट्रल टेलीविजन (सीसीटीवी) ने दी। चीन के उप प्रधानमंत्री हे लिफेंग और अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के बीच वार्ता शुरू हुई। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने बैठक से पहले कहा कि वह अमेरिका के साथ टैरिफ पर बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वह वैश्विक व्यापार की स्थापित व्यवस्था को कायम रखते हुए अपने हितों की रक्षा दृढ़ता से करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा चीनी आयात पर कई दौर के टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध छिड़ गया, जो फिलहाल 145 प्रतिशत है।

पाकिस्तान के नापाक मंसूबे को भारतीय सेना ने पूरी तरह से किया विफल, कहा

पाकिस्तानी ड्रोन के निशाने पर थे निर्दोष नागरिक

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना की वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के हमले को नाकाम कर दिया है। पाकिस्तान ने हमला ड्रोन के जरिए शनिवार की सुबह किया। हालांकि, पहले से सतर्क भारतीय सेना के आगे पाकिस्तान की एक नहीं चली और उसके ड्रोन जमीन पर औंधे मुंह गिरे। बड़ी बात यह है कि पाकिस्तान की सेना ने विस्फोटकों से भरे ड्रोन भारतीय आबादी क्षेत्र में भेजे थे। इनका मकसद पंजाब में सामान्य नागरिकों के ठिकानों पर हमला करना था। पाकिस्तान के ड्रोन भारत में ज्यादा से ज्यादा सामान्य नागरिकों को नुकसान पहुंचाना चाहते थे। लेकिन, पाकिस्तान के नापाक मंसूबे को भारतीय सेना ने पूरी तरह से विफल कर दिया।

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि शनिवार तड़के सुबह लगभग पांच बजे, पाकिस्तानी सेना ने सीमा पार पंजाब के अमृतसर की ओर कई कामिकेज ड्रोन भेजे। कामिकेज ड्रोन एक खतरनाक आत्मघाती मानव रहित हवाई वाहन होते हैं। ये ड्रोन विस्फोटक के साथ उड़ान भरते हैं। पेलोड यानी विस्फोटक समेत ड्रोन अपने लक्ष्य से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं।

खतरनाक आत्मघाती मानव रहित हवाई वाहन होते हैं कामिकेज ड्रोन

पाकिस्तानी सेना द्वारा भेजे गए इन ड्रोनों का लक्ष्य भारत में अमृतसर की घनी आबादी वाले रिहायशी इलाकों पर हमला करना था। हालांकि, भारतीय सेना की वायु रक्षा प्रणाली की सतर्कता और तेज प्रतिक्रिया के चलते, ये ड्रोन भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते ही कुछ ही क्षणों में पहचान लिए गए। सेना की वायु रक्षा प्रणाली ने इन्हें ट्रैक किया और तुरंत ही नष्ट कर दिया। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि सीमा क्षेत्र में तैनात त्वरित प्रतिक्रिया वाली वायु रक्षा तोपों का उपयोग कर गनर्स ने इन ड्रोनों को हवा में ही मार गिराया। इन पाकिस्तानी ड्रोन का मलबा अमृतसर के रिहायशी इलाकों में नहीं गिरा और कोई जनहानि नहीं हुई।

सियालकोट के लूनी में आतंकी लांच पैड तबाह

नई दिल्ली। पाकिस्तान की ओर से लगातार भारतीय क्षेत्रों पर हो रहे हमलों के बीच बीएसएफ ने पाकिस्तान के सियालकोट जिले के लूनी में स्थित आतंकी लॉन्च पैड को तबाह कर दिया है। इस बात की जानकारी बीएसएफ ने एक बयान जारी कर दी है। बीएसएफ जम्मू के पीआरओ ने एक बयान में बताया कि 9 मई 2025 को, रात करीब 21:00 बजे से पाकिस्तान ने जम्मू सेक्टर में बीएसएफ चौकियों पर बिना उकसावे के गोलीबारी शुरू की। बीएसएफ ने इस गोलीबारी का उचित जवाब दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान रेंजर्स की चौकियों और संपत्तियों को व्यापक नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि अखनूर क्षेत्र के सामने सियालकोट जिले के लूनी में स्थित आतंकी लॉन्च पैड को बीएसएफ ने पूरी तरह नष्ट कर दिया है।

भारत ने ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर नहीं किया हमला, पाकिस्तान का दावा निकला झूठा

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच लगातार तनाव बढ़ता ही जा रहा है। पाकिस्तान के हमलों का भारतीय सेना मुंहतोड़ जवाब दे रही है। हालांकि, दोनों देशों के बीच बिगड़ते हालात ने सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों और झूठे दावों की झड़ी लगा दी है। सोशल मीडिया के माध्यम से भारत को नुकसान पहुंचाने और साजिश रचने के लिए तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। ऐसा ही एक दावा ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर ड्रोन हमले को लेकर किया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि भारत ने ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर ड्रोन हमला किया है। पीआईबी के फैक्ट चेक ने इस दावे की पोल खोलकर रख दी है।

पीआईबी ने फैक्ट चेक में बताया कि सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में दावा किया जा रहा है कि भारत ने ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर ड्रोन हमला किया है, जबकि यह दावा पूरी तरह फर्जी है। एक्स हैंडल पर फर्जी वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने के लिए ऐसे कंटेंट बनाए जाते हैं। कृपया सतर्क रहें। ऐसे वीडियो फॉरवर्ड न करें।

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : रविवार 11 मई , 2025 बैशाख शुक्ल पक्ष 14

राशिफल

मेष - आज का दिन गृहस्थ एवं दांपत्य जीवन के लिए बहुत अनुकूल है। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय गुजरेगा। वहीं आप प्रेम का सुखद अनुभव पा सकेंगे। आर्थिक लाभ तथा प्रवास की भी संभावना है।

वृषभ - आज का दिन शुभ फलदायी है। आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सारा दिन आप आनंद और उल्लास में गुजारने वाले हैं। दिन के सभी काम योजनानुसार पूरे होंगे। इनकम की संभावना रहेगी।

मिथुन - आपको जीवनसाथी और संतान के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है। किसी भी प्रकार के वाद-विवाद या बौद्धिक चर्चा से आज दूर ही रहें। बातचीत में सावधानी रखें, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

कर्क - आज मन में किसी बात की दुविधा रहेगी। आज ताज़गी का अभाव रहेगा। परिजनों के साथ विवाद होने की आशंका बनी रहेगी। धन का खर्च होगा तथा अपयश भी मिल सकता है।

सिंह - आज का दिन सुख-शांतिपूर्वक गुजरेगा। अपने भाई-बहनों के साथ सम्बंधों में निकटता का अनुभव करेंगे। उनका साथ भी आपको मिलेगा। किसी बात को लेकर इमोशनल बने रहेंगे।

कन्या - परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी, इससे आप अपना निर्धारित काम आसानी से पूरा कर सकेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। किसी भी बौद्धिक और राजनीतिक चर्चा में आज भाग ना लें।

तुला - आप व्यवस्थित रूप से आर्थिक योजना बना सकेंगे। आज कोई रचनात्मक काम में आप व्यस्त रह सकते हैं। शारीरिक और मानसिक रुप से अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। दृढ़ विचारों के साथ आप काम पूरा कर पाएंगे।

वृश्चिक - आज आप वाहन आदि के उपयोग में सावधानी बरतें। बातचीत में किसी के साथ कन्फ्यूजन हो सकता है। शारीरिक कष्ट और मानसिक चिंता से आप परेशान रहेंगे। आनंद-प्रमोद के पीछे विशेष खर्च होने की संभावना है।

धनु - आज का दिन आप के लिए लाभकारी है। गृहस्थ जीवन का आनंद ले सकेंगे। मित्रों के साथ सुंदर स्थल पर जाने का कार्यक्रम बनेगा। आय में वृद्धि के योग है। भोजन अच्छा मिल सकता है।

मकर - आज आपको व्यापार में कोई लाभ हो सकता है। आर्थिक दृष्टि से आज का दिन बहुत अच्छा बना हुआ है। मित्रों और सम्बंधियों से लाभ होगा। उनसे उपहार मिलने से आनंद होगा। पानी वाली जगहों से दूर रहें।

कुंभ - आप का आज का दिन मिश्रित फलदायी है। शारीरिक रूप से आप को अस्वस्थता का अनुभव होगा। शरीर में स्फूर्ति कम रहने के कारण कोई भी काम करने में आपकी रुचि कम रहेगी। अधिकारियों की अप्रसन्नता भी आपको अखरेगी।

मीन - आप का दिन मध्यम फलदायी है। अधिक परिश्रम वाले काम अभी टालें। आज हर काम में मानसिक और शारीरिक परिश्रम अधिक होगा। आकस्मिक धन लाभ के योग हैं। व्यापार में पुराना उधार का धन मिल सकता है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

रूस की ओर से उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती सही : किम जोंग

सियोल, 10 मई (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने कहा कि रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में समर्थन देने के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती उचित थी। उन्होंने अपनी सेना की भागीदारी को देश के संप्रभु अधिकारों के इस्तेमाल के रूप में बचाव किया। प्योंगयांग की सरकारी मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी।

किम ने यह टिप्पणी शुक्रवार को प्योंगयांग में रूसी दूतावास के दौरे के दौरान की, जहां वे द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत संघ की नाजी जर्मनी पर जीत की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर गए थे, जिसे विजय दिवस के रूप में जाना जाता है। योनहाप ने सरकारी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से यह जानकारी दी है। पिछले साल रूस संग हुई रक्षा संधि का हवाला देते हुए किम ने कहा कि उन्होंने कुर्स्क फ्रंट-लाइन क्षेत्र को मुक्त करने के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूस भेजने का आदेश दिया था, क्योंकि वे इस संधि को पूरी तरह लागू करने पर अडिग थे।

किम ने कहा कि हमारी युद्ध में भागीदारी उचित थी और यह हमारे संप्रभु अधिकारों के उपयोग के दायरे में है। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में शामिल उत्तर कोरियाई सैनिकों को हीरो बताया। पिछले महीने, उत्तर कोरिया ने पहली बार स्वीकार किया कि उसने रूस के साथ मिलकर यूक्रेन के खिलाफ लड़ने के लिए सैनिक भेजे थे। सियोल की जासूसी एजेंसी के अनुसार, उत्तर कोरिया ने अब तक रूस को लगभग 15,000 सैनिक भेजे हैं और इसमें 4,700 से अधिक हताहत हुए हैं।

■ किम ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में शामिल उत्तर कोरियाई सैनिकों को बताया हीरो

भारत के साथ तनाव के बीच कठिन स्थिति में है पाकिस्तान : मसूद अख्तर

इस्लामाबाद, 10 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व एयर मार्शल मसूद अख्तर ने स्वीकार किया है कि भारत की ओर से पाकिस्तान स्थित सैन्य प्रतिष्ठानों पर किए गए सटीक हमलों के कारण देश मुश्किल घड़ी में है।

सेवानिवृत्त एयर मार्शल ने कहा कि मौजूदा समय में हम कठिन स्थिति में हैं और अभी हमारे पास स्पष्ट जबाव नहीं है। उन्होंने भारत-पाक की सैन्य संख्याओं में व्यापक असमानता का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की सैन्य संख्या 16 लाख है जबकि पाकिस्तान की मात्र छह लाख ही सैन्य संख्या है।

पूर्व मार्शल ने अपने बयान में कहा कि किसी भी तरह की धार्मिक युद्ध की बयानबाजी भारत-पाक के बीच तनाव को कम नहीं कर सकती। उनका मानना है कि स्थिति दिनों-दिन बदतर होती जा रही है। उन्होंने अरब देशों और ईरान के कूटनीति प्रयासों की भी आलोचना की।

अरब देशों व ईरान के कूटनीति प्रयासों की भी आलोचना की

अमेरिका ने अपने राजनयिक कर्मियों से आवाजाही सीमित रखने का दिया निर्देश

वाशिंगटन, 10 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच अमेरिकी विदेश विभाग ने इस्लामाबाद में अपने राजनयिक कर्मियों को अपनी आवाजाही सीमित रखने का निर्देश दिया है।

सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए कहा कि हमने एहतियात के तौर पर पाकिस्तान में सभी राजनयिक कर्मियों को आवाजाही सीमित करने का निर्देश दिया है। समा टीवी की रिपोर्ट के अनुसार हालांकि तत्काल किसी खतरे का सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं किया गया, लेकिन अधिकारियों ने सुझाव दिया कि यह सलाह अत्यधिक सावधानी के रूप में जारी की गई। हालांकि यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह परामर्श केवल इस्लामाबाद के कर्मचारियों के लिए है या कराची, लाहौर और पेशावर स्थित वाणिज्य दूतावासों पर भी लागू होता है। चूंकि दोनों देश सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इससे पहले पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष असीम मुनीर को फोन करके तनाव कम करने के लिए कहा था।

बांग्लादेश में आवामी लीग पर पाबंदी लगाने की मांग को लेकर धरना

ढाका, 10 मई (एजेंसियां)। पिछले वर्ष अगस्त में शेख हसीना सरकार को गिराने वाले शक्तिशाली छात्र संगठन से जुड़े नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के सैकड़ों विद्यार्थी कार्यकर्ता और नेता ढाका के शाहबाग चौराहे पर धरना दे रहे हैं और अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं।

कई इस्लामी पार्टियों ने किया नाकेबंदी का समर्थन

नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के संयोजक हसनत अब्दुल्ला ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी पर औपचारिक रूप से प्रतिबंध नहीं लगाए जाने तक सड़क जाम करने की घोषणा की है। इस आह्वान के बाद हजारों की संख्या में एनसीपी और स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) समर्थक विरोध प्रदर्शन के लिए इलाके में उमड़ पड़े। विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन शनिवार को दूसरा दिन है। 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार हसनत ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी आवाज अंतरिम सरकार तक नहीं पहुंचती। शहीदों की चीखें उन तक नहीं पहुंचतीं, घायलों की चीखें उन तक नहीं पहुंचतीं। हम यहां से चले जाएंगे और शाहबाग की नाकेबंदी कर देंगे। हम नाकेबंदी तब तक जारी रखेंगे जब तक अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जारी नहीं हो जाती। आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर कल अपराह्न में एक रैली शुरू हुई और प्रदर्शनकारी मुख्य सलाहकार के आधिकारिक आवास के पास एकत्र हुए। शाम होते-होते श्री हसनत अब्दुल्ला के नेतृत्व में रैली शाहबाग की ओर बढ़ गई। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने सड़क पर बैरिकेड लगा दिए। हजारों प्रदर्शनकारियों ने आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए नारे लगाने शुरू कर दिए।

आज का इतिहास

1784- अंग्रेजों और मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के बीच संधि।
1833- अमेरिका से क्यूबेक जा रहे जहाज लेडी ऑफ द लेक के हिमखंड से टकराकर अटलांटिक महासागर में डूबने से 215 लोगों की मौत।
1940- ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग सर्विस ने अपनी हिंदी सेवा की शुरुआत की।
1951- राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद ने नवनिर्मित सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन किया।
1962- सर्वपल्ली राधाकृष्णन को भारत का राष्ट्रपति चुना गया। उन्होंने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का स्थान लिया।
1965- बांग्लादेश में चक्रवाती तूफान में 17 हजार लोगों की मौत।
1988- फ्रांस ने परमाणु परीक्षण किया।
1995- अमेरिका के न्यूयार्क शहर में 170 से अधिक देशों ने परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए।
1998- भारत ने राजस्थान के पोकरण में तीन परमाणु परीक्षण करने का ऐलान किया।
1998- यूरोप की एकल मुद्रा यूरो का पहला सिक्का बना।
2000- जनसंख्या घड़ी के मुताबिक भारत की जनसंख्या एक अरब पहुंची।
2007- उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी ने बहुमत हासिल किया और पार्टी नेता मायावती ने मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली।
2008- न्यूयार्क के कॉर्नेल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने देश का पहला जेनेटिकली मोडिफाइड मानव भ्रूण तैयार किया।
2011- भारत और पाकिस्तान ने लाहौर और अमृतसर के बीच बस सेवा शुरू करने पर सहमति जतायी।

मामला *दुनिया के सबसे सघन आबादी वाले क्षेत्रों में हैं भारत-पाकिस्तान*

परमाणु बम का इस्तेमाल मचा सकता है अकल्पनीय तबाही

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने कोई कार्रवाई होने पर भारत के खिलाफ कई बार परमाणु बम का इस्तेमाल करने की गीदड़ भभकी दी है। मौजूदा स्थिति में पाकिस्तान लगातार भारत पर ड्रोन, मिसाइल के साथ हवाई क्षेत्रों में हमले कर रहा है और सीमापार से बिना उकसावे के गोलाबारी भी कर रहा है। भारतीय सेना लगातार प्रभावी जवाबी कार्रवाई कर रही है और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जा रहा है। शनिवार को भी पाकिस्तान ने भारत के कई क्षेत्रों में हमले किए। पाकिस्तान की तरफ से भारत की पश्चिमी सीमा और एलओसी पर अपनाए गए आक्रामक रवैये के जवाब में, भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई अहम सैन्य ठिकानों पर जोरदार हमला किया।

जिन जगहों को निशाना बनाया गया, उनमें पाक सेना के तकनीकी केंद्र, कमांड सेंटर, रडार और गोला-बारूद के बड़े भंडार शामिल थे। इसी बीच, अमेरिका ने दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसियों से बातचीत शुरू करने और बढ़ते तनाव को कम करने की अपील की है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के शनिवार को नेशनल कमांड अथॉरिटी की एक बैठक बुलाने की खबर आई। नेशनल कमांड अथॉरिटी नागरिक और सैन्य अधिकारियों की सबसे बड़ी संस्था है, जो देश की सुरक्षा से जुड़े फैसले लेती है, जिनमें परमाणु हथियारों से संबंधित निर्णय भी शामिल हैं।

हालांकि, बाद में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने साफ किया कि ऐसी कोई बैठक तय नहीं है।

■ भारत की सैन्य शक्ति पाकिस्तान पर भारी, हर मोर्चे पर दुश्मन फेल

भारत-पाकिस्तान दुनिया के सबसे सघन आबादी वाले क्षेत्रों में आते हैं। परमाणु बम का इस्तेमाल यहां जानमाल की अकल्पनीय तबाही मचा सकता है। तमाम आशंकाओं के बीच माना जा रहा है कि दोनों ही देश परमाणु बम का इस्तेमाल करने जैसे चरम हालातों से बचना चाहेंगे।

सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार का कहना है कि अगर भारत हमले बंद करता है तो हम भी हमले बंद करने पर विचार करेंगे। हालांकि, पाकिस्तान भारत की तरह परमाणु बम का पहले इस्तेमाल नहीं करने की प्रतिबद्धता में नहीं बंधा है। दूसरी ओर भारत का रुख स्पष्ट है कि पाकिस्तान ऐसा कोई दुस्साहस करता है तो उसे कड़ा सबक सिखाया जाएगा। भारत और पाकिस्तान अपनी सैन्य शक्ति के मामले में हमेशा से चर्चाओं में रहे हैं। द मिलिट्री बैलेंस 2024, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज- ईयरबुक 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों की सैन्य ताकत में बड़ा अंतर है। भारत के पास 14.8 लाख सक्रिय सैन्य कर्मी हैं, जबकि पाकिस्तान के पास 6.6 लाख कर्मी हैं।

सुडोकू 6909

		2				6	5	3
					9	2		
	4	5	6					1
		1		7				
9			1	6	8			5
				9		1		
5					7	3	2	
		7	9					
2	3	8				9		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6909

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६			■		■	७			८
	■		■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	■
	■		■	१८		१९	■		■
२०			■		■	२१			२२
	■	२३					■	■	

बायें से दायें:-
१. दुख भरी कहानी
३. रेल का सिंग्नल
५. प्रधान, सरदार
६. निवासी (उर्दू)
७. समान दरजे का, बराबर
९. नियंत्रित, संयमित, दबाया हुआ
१०. निर्दयी(उर्दू)
१२. बदसूरत
१३. मौलिक, वास्तविक
१४. पानी का बुल्ला, क्षणभंगुर वस्तु
१६. झुका हुआ
१८. कमीशन लेकर दूसरोंका माल बिकवा देने का व्यवसाय
२०. माथा, ललाट
२१. आया हुआ अतिथि
२३. भेदभरा

ऊपर से नीचे:-
१. रोजगार, व्यापार
२. सेना का एक अफसर(उर्दू)
३. राजनीति, शासन (उर्दू)
४. प्रेक्षक, देखने वाला
५. नरम, कोमल (उर्दू)
८. माफ करना
१०. दुर्दशाग्रस्त बुरी हालत (उर्दू)
११. पते या प्रमाण के लिए किया गया उल्लेख, सिपुर्दगी (उर्दू)
१२. खानदानी
१३. निरक्षर
१४. होशियारी, चतुराई
१५. जुलाहा
१७. लहर
१८. सुस्ती, अकर्मण्यता
१९. पुत्र
२२. रीति, शैली, ढंग बनावट (उर्दू)

वर्ग पहेली-6908

१ ध	म	२ त	री	■	■	३ ग	जा	४ न	न
र्म	■	दु	■	५ प	र्व	ण	■	जा	■
६ शा	स	प	त्रि	त	■	७ रा	त	रा	८ नी
ला	■	रां	■	९ वा	रि	जा	■	■	म
■	१० इ	त	११ वा	र	■	■	१२ शे	र	पा
■	च्छु	■	र	■	१३ प्र	मु	ख	■	ग
१४ प्र	क	१५ र	ण	■	बं	■	१६ र	१७ म	ल
शं	■	वा	■	१८ रो	ध	१९ क	■	द	■
२० सि	वा	य	■	क	■	२१ लं	बो	द	२२ र
त	■	२३ त	म	ना	श	क	■	■	क्षा

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 6909 का हल

8	9	2	7	4	1	6	5	3
1	7	6	5	3	9	2	4	8
3	4	5	6	8	2	7	9	1
6	5	1	2	7	4	8	3	9
9	2	3	1	6	8	4	7	5
7	8	4	3	9	5	1	6	2
5	6	9	8	1	7	3	2	4
4	1	7	9	2	3	5	8	6
2	3	8	4	5	6	9	1	7

दुनिया को जानें

माल्टा बना यूरोप का सबसे बड़ा जहाज रजिस्ट्री स्थल

वैलेटा, 10 मई (एजेंसियां)। माल्टा की जहाज रजिस्ट्री में वर्ष की पहली तिमाही के अंत तक 10,000 से अधिक जहाज पंजीकृत हो चुके हैं, जिससे यह यूरोप में सबसे बड़ी और दुनिया में छठी सबसे बड़ी जहाज रजिस्ट्री बन गई है।

माल्टा के परिवहन मंत्रालय ने कहा कि जब सुपरयॉट की बात आती है, तो माल्टा विश्व स्तर पर शीर्ष स्थान पर है। मंत्रालय के अनुसार माल्टा जल्द ही डिजिटल प्रणाली की शुरुआत के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया को बेहतर बनाने और सुव्यवस्थित करने के लिए एक और कदम आगे बढ़ाएगा। परिवहन माल्टा माल्टीज़ ध्वज के तहत पंजीकृत जहाजों और नौकाओं के मालिकों को एक जून से इलेक्ट्रॉनिक प्रमाणपत्र (ई-प्रमाणपत्र) देना शुरू कर देगा। परिवहन, बुनियादी ढांचा और लोक निर्माण मंत्री क्रिस बोनेट ने कहा कि यह पहल माल्टा को समुद्री उद्योग में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगी, जो तेजी से अधिक दक्षता, पारदर्शिता और पहुंच की मांग कर रहा है। ट्रांसपोर्ट माल्टा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कर्ट फर्रुगिया ने कहा कि यह परियोजना 2021 में नाविकों के लिए ई-प्रमाणपत्र की शुरूआत का विस्तार है।

खेल जगत

फ्रेंच ओपन से पहले जोकोविच ने ली जिनेवा ओपन में वाइल्डकार्ड एंट्री

जिनेवा। फ्रेंच ओपन से पहले फॉर्म और फिटनेस हासिल करने के प्रयास के तहत जोकोविच ने जिनेवा ओपन में खेलने के लिए वाइल्डकार्ड एंट्री ली है। पेरिस में अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश कर रहे जोकोविच ने इटैलियन ओपन से नाम वापस ले लिया है। 37 वर्षीय सार्बियाई खिलाड़ी पिछले महीने मोंटे कार्लो और मैड्रिड में क्ले-कोर्ट इवेंट में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद अपने पिछले तीन मैच हार चुके हैं। छह बार के चैंपियन जोकोविच ने रोम में एटीपी मास्टर्स टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का कोई कारण नहीं बताया है। जोकोविच के लिये यह सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। वे ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे लेकिन जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ पहला सेट हारने के बाद उन्हें चोटिल होकर बाहर होना पड़ा।

विराट टेस्ट क्रिकेट से लेना चाहते हैं संन्यास

भारत के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास के सबसे कामयाब कप्तान हैं विराट

■ सत्येंद्र पाल सिंह

■ विराट को टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखने के लिए मनाने का काम भारतीय क्रिकेट की एक बड़ी शख्सियत को सौंपा गया है

नई दिल्ली, 10 मई (देशबन्धु)। भारत और दुनिया के तीनों फॉर्मेट के धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में अगले महीने 20 जून से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की अहम क्रिकेट सीरीज से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को बता दिया है कि वह टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कहना चाहते हैं। सूत्रों की माने तो विराट की टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने को लेकर बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों से करीब डेढ़ महीने से चर्चा चल रही थी। विराट को टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने के लिए 770 रन और चाहिए और वह इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज में खेले तो बेशक इस उपलब्धि को हासिल कर सकते हैं। बीसीसीआई आशा कर रहा है कि विराट कम से कम इंग्लैंड दौरे के लिए टेस्ट खेलना जारी रखे। कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद शुभमन गिल के भारत की इंग्लैंड दौरे पर कप्तानी संभालने की उम्मीद है। विराट कोहली का अनुभव ऐसे में नए कप्तान के बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। सूत्रों का मानना है कि बीसीसीआई विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के फैसले को बदलने की बाबत उन्हें मनाने में जुटा है। विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखने के लिए मनाने का काम भारतीय क्रिकेट की एक बड़ी शख्सियत को सौंपा गया है और दोनों के बीच यह बैठक 23 मई को इंग्लैंड के दौरे पर जाने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के घोषित करने की तारीख 23 मई से पहले होने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बीसीसीआई विराट कोहली को अपना फैसला टालने और इंग्लैंड में उसके खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज खेलने जाने के लिए मना पाती है। बीसीसीआई को उम्मीद है उसने जिस शख्स को विराट को मनाने का जिम्मा सौंपा है वह अपने इस मकसद में कामयाब रहेगा। रोहित शर्मा के हाल ही में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा के बाद बीसीसीआई को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत के नए कप्तान के साथ टीम की घोषणा भी करनी है। भारत के पांच टेस्ट के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाने से पहले इंग्लैंड के दौरे पर जाने वाली इंडिया ए टीम की भी एक दो दिन घोषणा की जानी है। विराट कोहली ने अपना 123 वां पिछला टेस्ट मैच इसी साल जनवरी में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें व अंतिम टेस्ट के रूप में सिडनी में खेला था और इसमें पहली पारी में उन्होंने 17 और दूसरी में छह रन बनाए और इसमें भारत को छह विकेट से हार के साथ सीरीज 1-3 से गंवानी पड़ी थी।

विराट कोहली

टेस्ट में प्रदर्शन

डेब्यू 2011

मैच 123

इनिंग्स 210

रन 9230

100/50/30/31

रायुडू ने कोहली से टेस्ट प्रारूप में खेलना जारी रखने की अपील की

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने कथित फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। शनिवार को, आईएएनएस ने बताया कि कोहली ने 20 जून से इंग्लैंड में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण पांच मैचों की श्रृंखला से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की अपनी इच्छा बीसीसीआई को बता दी है। लेकिन बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय कप्तान और टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था, जिसमें इंग्लैंड दौरे सहित प्रारूप में आगे महत्वपूर्ण सीरीज शामिल हैं। रायुडू का मानना है कि कोहली की बड़ी उपस्थिति के बिना टीम पहले जैसी नहीं रहेगी। रायुडू ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में लिखा, विराट कोहली, कृपया रिटायर न हों। भारतीय टीम को आपकी पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है। आपके पास अभी बहुत कुछ है। आपके बिना टेस्ट क्रिकेट पहले जैसा नहीं रहेगा.. कृपया पुनर्विचार करें। भारत का इंग्लैंड का पांच मैचों का टेस्ट दौरा उनके लिए एक नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत भी है।

खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ सुरक्षित रूप से बेंगलुरु लौट आए हैं : आरसीबी ने पुष्टि की

■ आरसीबी को शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल 2025 का अपना मैच खेलना था

बेंगलुरु, 10 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शनिवार को अपने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सुरक्षित रूप से बेंगलुरु लौटने की पुष्टि की, साथ ही कहा कि वे सभी अपने-अपने घरों के लिए रवाना हो गए हैं।

आरसीबी को शुक्रवार शाम को बीआरएसएबीवी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ आईपीएल 2025 का अपना मैच खेलना था। लेकिन यह मैच नहीं हो सका क्योंकि बीसीसीआई ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सीमा पार तनाव के कारण आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए रोक दिया है। फ्रेंचाइजी ने विराट कोहली, यश दयाल और जोश हेजलवुड की तस्वीरों वाले अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हमारे खिलाड़ी और विस्तारित स्टाफ सुरक्षित रूप से बेंगलुरु लौट आए हैं और अब अपने-अपने शहरों और देशों के लिए रवाना हो गए हैं। हम बीसीसीआई, स्थानीय अधिकारियों और पुलिस के त्वरित समन्वय और समर्थन के लिए बहुत आभारी हैं, जिन्होंने इसे संभव बनाया। इससे पहले शुक्रवार को एक विशेष वंदे भारत ट्रेन ने पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ सदस्यों के साथ-साथ मैच अधिकारियों, कमेंटेटरों, प्रसारण दल के सदस्यों, संचालन कर्मचारियों और अन्य प्रमुख कर्मियों को धर्मशाला से सुरक्षित रूप से नई दिल्ली पहुंचाया। धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में पहली पारी में केवल 10.1 ओवर के खेल के बाद पंजाब और दिल्ली के बीच आईपीएल 2025 का मैच रद्द कर दिया गया, क्योंकि पाकिस्तान की ओर से हवाई और ड्रोन हमलों के कारण जम्मू, पठानकोट और उधमपुर में ब्लैकआउट हो गया, जो सभी हिल स्टेशन के नजदीक हैं।

आपकी ताकत हमारी स्वतंत्रता की रक्षा करती है : अश्विन-मंधाना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और महिला टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने भारतीय सशस्त्र बलों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की है, क्योंकि वे पाकिस्तान की ओर से हाल ही में किए गए हवाई हमलों का कड़ा जवाब दे रहे हैं। पाकिस्तान ने शुक्रवार को भारतीय सीमावर्ती शहरों के साथ-साथ जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में अन्य सैन्य स्टेशनों पर ड्रोन और मिसाइलों से हवाई हमले जारी रखे। लेकिन भारत की रक्षा प्रणालियों ने उन सभी को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। ये हमले पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों, मुख्य रूप से पर्यटकों, के मारे जाने के बाद पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में किए गए हैं।शनिवार को अश्विन ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि हमारे सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता। ऑपरेशन सिंदूर। श्रीलंका में महिला वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग ले रहीं स्मृति ने भी इंस्टाग्राम पर लिखा कि हमारे भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, प्रतिबद्धता और बलिदान को सलाम। आपकी ताकत हमारी स्वतंत्रता की रक्षा करती है। हम हमेशा आपके साथ खड़े हैं, वंदे मातरम।

भारत-पाक तनाव के बीच पीसीबी ने तत्काल प्रभाव से पुरुष घरेलू टूर्नामेंट स्थगित किए

लाहौर, 10 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत के साथ सीमा पार बढ़ते तनाव के कारण देश में सभी पुरुष घरेलू टूर्नामेंटों को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की शनिवार को घोषणा की।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पुष्टि करता है कि देश में मौजूदा सुरक्षा स्थिति के कारण चल रहे प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड-II, क्षेत्रीय अंतर-जिला चैलेंज कप, अंतर-जिला अंडर-19 वनडे टूर्नामेंट को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है। पीसीबी ने शनिवार को अपने आधिकारिक बयान में कहा कि टूर्नामेंट बाद में उसी चरण से फिर से शुरू होंगे और फिर से शुरू होने के करीब एक संशोधित कार्यक्रम साझा किया जाएगा। इससे पहले शुक्रवार को, जब बीसीसीआई ने सीमावर्ती क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के कारण आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए रोक दिया था, तो पीसीबी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ द्वारा दी गई सलाह का हवाला देते हुए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के चल रहे संस्करण को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने की घोषणा की थी। टूर्नामेंट के स्थगित होने की खबर पीसीबी द्वारा दावा किए जाने के कुछ घंटों बाद आई कि वह यूएई में टूर्नामेंट के शेष आठ मैचों की मेजबानी करने जा रहा है, हालांकि संगठन ने उन पुनर्निर्धारित मैचों की तारीखों या स्थानों को निर्दिष्ट नहीं किया।

पंत का सबसे अच्छा खेल मैदान पर अपने शॉट खेलना है : बांगर

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने बताया कि ऋषभ पंत की सफेद गेंद के प्रारूप में गिरावट का कारण उनका अपने मजबूत क्षेत्र-मैदान पर शॉट खेलने- से हटकर स्टंप के पीछे खेलना है। पंत ने आईपीएल 2025 सीजन में 11 मैचों में केवल 128 रन बनाकर बुरी तरह संघर्ष किया है, जिसमें एक अर्धशतक भी शामिल है।

इस सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज के बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन के कारण अक्सर उनके खिलाड़ी मैदान पर निराश होते थे। बांगर ने पाया कि पंत की फॉर्म में गिरावट उनके शॉट चयन के कारण है, जिसका उद्देश्य स्टंप के पीछे अपरंपरागत तरीके से खेलना है, जिसके कारण आईपीएल 2025 में वे जल्दी आउट हो गए। बांगर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि हमें यह स्वीकार करना होगा कि उन्हें अभी भी सफेद गेंद के खेल को पूरी तरह से समझना बाकी है - दोनों प्रारूप, 50 ओवर के क्रिकेट के साथ-साथ टी20 क्रिकेट। एक शानदार टेस्ट मैच बल्लेबाज, इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन यहां इस विशेष सीजन में, मैंने जो देखा वह यह है कि वह विकेट के पीछे शॉट खेलने की कोशिश में कई बार आउट हो गए। बांगर ने कहा कि अब, आप ऋषभ की सर्वश्रेष्ठ पारी को देखें - उन्होंने रन बनाने के लिए कहां देखा है? कवर के माध्यम से ड्राइव किया, ट्रैक से नीचे कदम रखा और साइटस्क्रीन को हिट करने या मिडविकेट पर जाने की कोशिश की। लेकिन यहां वह उन रिवर्स स्वीप या शॉट्स को खेलने की कोशिश कर रहा था जो बहुत बढ़िया हैं।

■ पंत ने आईपीएल 2025 सीजन में 11 मैचों में केवल 128 रन बनाकर बुरी तरह संघर्ष किया है

वीर, अनाहत ने बड़ी जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया

स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप

शिकागो, 10 मई (एजेंसियां)। भारत के वीर चोटरानी पूर्व विश्व नंबर 15 डेक्लेन जेम्स के खिलाफ उलटफेर करने के बाद पहली बार स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। एशिया क्वालीफाइंग इवेंट जीतकर टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की करने वाले चोटरानी ने 3-1 (11-9, 9-11, 12-10, 16-14) से जीत हासिल कर विश्व चैंपियनशिप में अपनी पहली उपस्थिति में दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व नंबर 57 को अंग्रेज खिलाड़ी के साथ पांचवें गेम में लगभग मजबूर होना पड़ा, जब उनके पास चार मैच बॉल थीं, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं पाए। हालांकि, चोटरानी ने पांचवें प्रयास में जीत सुनिश्चित करने में सफलता हासिल की।

पिछले हफ्ते मुझे विश्वास नहीं था कि मैं शीर्ष 20/25 खिलाड़ियों को हरा सकता हूं : चोटरानी

उन्होंने कहा कि मैं राहत की सांस लेता हूं! पिछले हफ्ते मैंने बरमूडा में (मोहम्मद) जकारिया के साथ खेला था और मेरे पास चार मैच बॉल थे लेकिन मैं हार गया। जब मैं मैच बॉल पर था, तब वह मैच मेरे दिमाग में था और मैंने सोचा कि मैं इस बार इसे नहीं दे सकता, लेकिन मैंने कड़ी मेहनत की और बेहद केंद्रित रहा और मैं अंत में जीत हासिल करने में सक्षम रहा। चोटरानी ने कहा कि पिछले हफ्ते मुझे विश्वास नहीं था कि मैं शीर्ष 20/25 खिलाड़ियों को हरा सकता हूं, और मैं मैच में बिना कुछ खोए गया और मैंने खुद से कहा कि, बिना किसी दबाव के खेलो और इसका आनंद लो। वे मैच पॉइंट बहुत कठिन थे और उन्होंने दिखाया कि वह शीर्ष 15 खिलाड़ियों में क्यों हैं। मैं आगे बढ़ने के लिए बहुत खुश हूं। चार बार के विश्व चैंपियन अली फराग दूसरे राउंड में चोटरानी का इंतजार कर रहे हैं। एशियाई क्वालीफाइंग इवेंट की विजेता और चोटरानी की हमवतन अनाहत सिंह, जो इस इवेंट में पहली बार भाग ले रही थीं, ने पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में मरीना स्टेफनोनी की घरेलू उम्मीदों को खत्म कर दिया। हमारे बीच बहुत लंबी रैलियां चलीं और वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मैंने पिछले कुछ टूर्नामेंट में उन्हें खेलते हुए देखा है, वह वास्तव में अच्छा खेल रही हैं और वह शीर्ष 30 में शामिल हो गई हैं, इसलिए मुझे पता था कि मुकाबला रोमांचक होने वाला है। यह वास्तव में थका देने वाला था और मैं थक गई हूं और मैं वास्तव में खुश हूं कि मैं इससे बाहर निकल पाई।

चार बार के विश्व चैंपियन अली फराग दूसरे राउंड में चोटरानी का इंतजार कर रहे हैं

भारत का लक्ष्य श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना

कोलंबो, 10 मई (एजेंसियां)। भारत रविवार को आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले महिला वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में मेजबान श्रीलंका से भिड़ने पर सभी विभागों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ संकल्पित होगा। रविवार के फाइनल के लिए, श्रीलंका क्रिकेट ने घोषणा की है कि प्रशंसक स्टेडियम में मुफ्त में फाइनल देख सकेंगे। लीग चरण में श्रीलंका के खिलाफ ही भारत को त्रिकोणीय श्रृंखला में अपनी एकमात्र हार का सामना करना पड़ा था और रविवार का मुकाबला उन्हें चामरी अथापथु की अगुवाई वाली टीम पर पलटवार करने का मौका देता है, साथ ही फाइनल खेलने के दबाव का सामना करने का भी मौका देता है - ऐसा कुछ जो उन्हें इस साल के वनडे विश्व कप की तैयारी में भी मदद करेगा। भारतीय बल्लेबाजी के नजरिए से, जेमिमा रोड्रिग्स 67 की औसत से 201 रन बनाकर उनकी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रही हैं - जिसमें पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार 123 रन भी शामिल हैं। दीप्ति शर्मा, प्रतीक रावल और उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने भी बल्लेबाजी में योगदान दिया है, लेकिन अगर कप्तान हरमनप्रीत कौर अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदल देती हैं तो यह भारत के लिए बहुत अच्छा होगा।

■ ऑलराउंडर स्नेह राणा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद शानदार प्रदर्शन कर रही हैं

सार संक्षेप

यूएई ने कतर को 163 रन से रौंदा

बैंकॉक। कतर के खिलाफ महिला टी2 विश्व कप एशिया क्वालीफायर मुकाबले में यूएई ने पहले 16 ओवर में 192 रन बनाने के बाद समय बचाने के लिए बादलों से घिरे मौसम में अपनी पूरी बल्लेबाजी लाइन-अप को रिटायर करने का फैसला किया। यह कदम बाद में खेल में कारगर साबित हुआ, जब ईशा ओजा की टीम ने कतर को मात्र 29 रन पर आउट कर दिया, जिससे न उसे बड़ी जीत मिली बल्कि नेट रन रेट में भी बढ़त हासिल हुई। यूएई ने पहले बल्लेबाजी की और ओजा (113 रन 55 गेंद, 19 चौके) और तीर्था सतीश (74 रन,42 गेंदो 11 चौके) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत तेजी से रन बनाए। इस बीच बारिश की आशंका को देखते हुए कोच अहमद रजा के नेतृत्व में यूएई प्रबंधन ने 16 ओवर के बाद फैसला किया कि उनके पास खेलने के लिए पर्याप्त रन हैं।

रोमानिया में प्रग्गनानंद ने अब्दुसत्तोरोव को हराया

बुखारेस्ट। भारत के आर प्रग्गनानंद ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर महत्वपूर्ण जीत दर्ज करने के साथ ग्रैंड शतरंज टूर के सुपरबेट शतरंज क्लासिक 225 में संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। 19 वर्षीय ग्रैंडमास्टर ने पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन अब्दुसत्तोरोव के गलत निर्णय का फायदा उठाया, जिन्होंने अपना डार्क-स्क्वायर बिशप बहुत जल्दी छोड़ दिया था। अन्य मैच में, भारतीय प्रतिभा डी गुकेश को रोमानिया के बोगदान-डैनियल डेक ने ड्रॉ पर रोक दिया। दोनों खिलाड़ियों ने मामूली अवसरों को गंवा दिया और तनावपूर्ण संघर्ष के बाद साझा अंक पर समझौता किया। इस बीच अमेरिका के नंबर 1 फैबियानो कारुआना ने फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को हराकर प्रागनानंदा के साथ बढ़त बना ली है।

मधुरा के स्वर्ण पदक से भारत के पदकों की संख्या 4 पहुंची

तीरंदाजी विश्व कप स्टेज 2

शंघाई, 10 मई (एजेंसियां)। मधुरा धामनगांवकर ने शनिवार को फाइनल में यूएसए की कार्सन क्रेहे पर 139-138 से सनसनीखेज जीत के साथ तीरंदाजी विश्व कप स्टेज 2 में अपना पहला व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण पदक जीता। अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता से तीन साल की अनुपस्थिति के कारण विश्व तीरंदाजी स्टैंडिंग में अनरैंक्ड मधुरा, तीसरे एंड पर सात के निराशाजनक स्कोर के बाद 81-85 से पीछे चल रही थी। हालांकि, 24 वर्षीय ने दबाव में अविश्वसनीय संयम दिखाया, लगभग परफेक्ट चौथे एंड पर सिर्फ एक अंक गंवाकर मैच को 110-110 से बराबर कर दिया।

अंतिम दौर में, उसने अपना धैर्य बनाए रखा, दो परफेक्ट 10 - दोनों एक्स-रिंग शॉट - और एक 9 स्कोर करके क्रेहे को एक अंक से हराया। यह स्वर्ण पदक मधुरा का टूर्नामेंट का तीसरा पदक था, इससे पहले उन्होंने महिला टीम स्पर्धा में रजत और अभिषेक वर्मा के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था - तीन साल के अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी में यह एक उल्लेखनीय वापसी थी। यह तीरंदाजी विश्व कप स्टेज 2 में भारत का चौथा पदक था, इससे पहले उन्होंने पुरुष कंपाउंड टीम स्पर्धा में स्वर्ण, महिला टीम स्पर्धा में रजत और मिश्रित टीम प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था। पुरुष टीम - अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और ऋषभ यादव - ने फाइनल में मैक्सिको को 232-228 से हराकर एक शांत और लगातार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने एक कड़े सेमीफाइनल में डेनमार्क को 232-231 से हराया। महिला कंपाउंड फाइनल में, ज्योति सुरेखा वेन्नम, मधुरा धामनगांवकर और चिकिथा तानिपार्थी की भारतीय तिकड़ी को प्रमुख मैक्सिकन टीम से 221-234 से हार के बाद रजत से संतोष करना पड़ा। एकतरफा नतीजों के बावजूद, भारतीय महिलाओं ने पूरे टूर्नामेंट में प्रभावित किया और पोडियम पर अपनी जगह पक्की की। भारत के पदकों में अभिषेक वर्मा और मधुरा धामनगांवकर की मिश्रित टीम ने तीसरे स्थान के लिए कम स्कोर वाले मैच में मलेशिया पर जीत के साथ कांस्य पदक जीता।

यह स्वर्ण पदक मधुरा का टूर्नामेंट का तीसरा पदक था

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	गुजरात टाइटंस	11	8	3	16	+0.793
2-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	11	8	3	16	+0.482
3-	पंजाब किंग्स	11	7	3	15	+0.376
4-	मुंबई इंडियंस	12	7	5	14	+1.156
5-	दिल्ली कैपिटल	11	6	4	13	+0. 362
6-	कोलकाता नाइट राइडर	12	5	6	11	+0.193
7-	लखनऊ सुपर जायंट्स	11	5	6	10	-0.469
8-	सनराइजर्स हैदराबाद	11	3	7	7	-1.192
9-	राजस्थान रॉयल्स	12	3	9	6	-0.718
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	12	3	9	6	-0.992

साहित्य

कहानी

युद्ध

■ शानी

पाकिस्तान से युद्ध के दिन थे। हवा भारी थी। लोग डरे हुए और सचमुच नीमसंजीदा। आतंक, असुरक्षा और बेचैनी से लदा दिन वक़्त से पहले निकलता और शाम के बहुत पहले यक-ब-यक डूब जाता था। फिर शाम होते ही रात गहरी हो जाती थी और लोग अपने घरों में पास-पास बैठकर भी घंटों चुप लगाए रहते थे।

'सुना! वसीम रिज़वी से चार्ज ले लिया गया है।' दफ़्तर पहुँचते ही शंकर दत्त को एक दिन इसी तरह हतप्रभ रह जाना पड़ा था।

'यानी ? क्या वह नौकरी से...'

'नहीं, नौकरी पर तो है। रिज़वी से वह काम छीन लिया गया है, जो बरसों से करता आ रहा था। डायरेक्टर ने कहा है कि हालात को देखते हुए ऐसा बड़ा काम रिज़वी पर छोड़ना ठीक नहीं। सारे देश का मामला है...'

'क्या पिद्दी और क्या पिद्दी का शोरबा!' शंकरदत्त को हँसी आ गई थी। एक तो निहायत बेमानी और सड़ा महकमा और उस पर वह दो कौड़ी का काम, जो रिज़वी करता आ रहा था। अगर विभाग के प्रमुख होने के नाते डायरेक्टर भी चाहता, तो कुछ नहीं कर सकता था, फिर रिज़वी तो एक मामूली कर्मचारी था।

दफ़्तर में मुसलमानों की संख्या कुल मिलाकर चार थी और उस पर भी नोटिस लिए जाने वाले तीन थे। युद्ध छिड़ते ही शहर के मुसलमानों में जो आतंक और भय था, उसका आभास दफ़्तरों में पा लेना सबसे आसान था। दो-एक दिन हर क्षण यह लगता रहता था कि अब कोई दंगा छिड़ा, अब कोई फ़साद हुआ। दरअसल, आम मुसलमान झाड़ियों में दुबके खरगोश की तरह अजीब सकते के आलम में डरा हुआ और चौकस हो गया था। लोग दरवाजे-खिड़कियाँ बंद करके धीमी आवाज़ में रेडियो पाकिस्तान की न्यूज सुनते और जब भी दो या चार आपस में मिलते, खरगोश के अंदाज़ में बातें करते।

इसी बीच एक घटना हुई। सकते के दौरान ही एक रात शहर के संभ्रांत मुसलमानों की एक आम सभा हुई और दूसरे दिन शहर के बीचों बीच एक इमारत पर हिंदी का एक बहुत बड़ा बोर्ड लटका हुआ था-'राष्ट्रीय मुस्लिम संघ'।

शहर के नामी-गिरामी आदमी हामिद अली, जो दो बार हज करके लौटे थे, इसके प्रेसीडेंट चुने गए थे। हामिद अली के हस्ताक्षरों से मुसलमानों के नाम राष्ट्रीयता की शपथ दिलाने वाली कई बड़ी-बड़ी अपीलें निकाली गई थीं और इन अपीलों को प्रेस तथा अख़बारों तक पहुँचाने का काम क़ुरैशी ने ही किया था।

'क्यों दोस्तो, लाहौर और कितना रह गया?'

युद्ध के बीच के दिनों में लगातार दो दिनों तक जैसे इसी प्रश्न से दफ़्तर खुलने लगा था। टैंकों का नाश हो या आदमियों का, बड़ी अजीब-अजीब और उत्साहवर्धक अफ़वाहें फैलीं हुई थीं। इनमें सबसे बड़ी अफवाह यह थी कि पाकिस्तानी फ़ौज को गाजर-मूली की तरह काटती अपनी फ़ौज लगातार आगे बढ़ती जा रही है और लाहौर पर अब बस क़ब्ज़ा हुआ ही चाहता है।

'क्यों साहब, बहादुरों की किसी फ़ौज को दस-बारह मील का फ़ासला तय करने में कितना वक़्त लगता है?'

उस दिन यह सवाल सबसे पहले क़ुरैशी ने ही किया था। दफ़्तर अभी-अभी खुला था। रिज़वी भी आ चुका था और रोज़ की तरह चुपचाप बैठा वह कोई अख़बार पलट रहा था। क़ुरैशी ने यह सवाल हालाँकि पूरे दफ़्तर से किया था, लेकिन पहले उसने रिज़वी की ओर छिछलती और मानीख़ेज़ नज़रों से देख लिया था।

'दस घंटे भी लग सकते हैं, दस दिन भी और दस साल भी...'

'अमाँ, दस मिनट कहिए, दस मिनट!' दफ़्तर में अपनी कायरता के लिए प्रसिद्ध एक साहब ने ऐसे जोश में कहा, जैसे वह क्लर्क नहीं, फ़ौज के कप्तान हों।

'यार, लाहौर आ जाए ? बगल की मेज़ से आवाज़ आई, 'हम तो वहीं चलकर बसने की सोच रहे हैं। सुना है कि शहर साला बेहद ख़ूबसूरत है।'

'हाँ, है तो, लेकिन वहाँ करोगे क्या ?'

'क्यों, कुछ भी किया जा सकता है-अखबार है, प्रेस है। क्यों सर, वहाँ चलकर हिन्दी का प्रेस डाल लूँ, कैसा रहेगा?'

'मैं तो भाई होटल खोलूँगा।' एक दूसरे साहब ने पुलकित स्वर में कहा, 'पानी बेचो और पैसा सूँतो ! साली होटल में बड़ी आमदनी है। और कुछ नहीं, तो इस ग़ुलामी से तो पिंड छूटे...'

'कल मैं तेरह रुपए पंद्रह पैसे का मनीआर्डर करने जा रहा हूँ।' सहसा दफ़्तर के बीचों बीच और रिज़वी के सामने घोषणा हुई, 'किसके नाम जानते हो ?' प्रेसीडेंट अय्यूब के नाम ! बेचारा बड़ा ग़रीब आदमी है। पार्टिशन होते ही हमारे तेरह रुपए पंद्रह आने लेकर भाग गया था। यक़ीन न हो तो छिंदवाड़ा मिलिटरी कैंटीन का पुराना खाता देख लो...'

उसी समय रिज़वी, जो अब तक सारी बातों को अनसुनी करता मेज़ पर गर्दन झुकाए बैठा था, सहसा उठा और बिना किसी को देखे हुए चुपचाप गेट से बाहर निकल गया। एक क्षण को तो सब चुप हो गए थे, लेकिन दूसरे ही क्षण क़ुरैशी ने सबकी ओर देखकर आँख मारी थी और लोगों ने एक-दूसरे को कोहनियों से ठेला था।

'देख लिया दत्त जी!' किसी ने सीधे शंकरदत्त पर हमला किया, 'ये अचानक क्या हो गया? क्या मिर्च लग गई ?'

शंकरदत्त हमलावर का मुँह ताकते ही रह गए थे। कि क़ुरैशी ने तपाक से कहा 'अजी, दत्तजी बेचारे क्या कहेंगे ! अभी परसों जब मैं 'राष्ट्रीय मुस्लिम संघ' की अपील लेकर गया था, तो हजरत कहने लगे, काहे की अपील और क्यों?' पट्ठे ने दस्तख़त करने से साफ़ मना कर दिया। कहने लगा, मैं क्या बेईमान हूँ, जो ईमानदारी का सबूत पेश करता फिरूँ...?'

'बत्ती बुझाओ... बत्ती बुजाओ...!

दूर से अभी स्वयंसेवकों की आवाज़ें आ रही थी। बाहर अँधेरा और हैबतनाक ख़ामोशी थी, जैसे समूचे शहर को किसी ने ठंडे और अँधेरे गार में उतार दिया हो। रह-रहकर लड़ाकू हवाई जहाज़ों की आवाज़ सहसा आकाश के किसी कोने में जन्मती, फिर वह शैतानी जवान की तरह लपलपाती हुई मानो प्रत्येक घर की छत-मुँडेरों को चाटती हुई कहीं दूर निकल जाती।

'अब तो शहरों पर भी बम गिराए जा रहे हैं....सिविलियन्स पर!' शंकरदत्त ने साँस भरकर कहा, जैसे अपने आप से बात कर रहे हों। फिर रिज़वी की ओर देखने लगे। वह दोनों घुटने उठाए गुड़ी-मुड़ी-सा बैठा था। कमरे में एक मरियल मोमबत्ती की हलकी सी रोशनी थी, जिसे खिड़की-दरवाज़े बंद करके, या पर्दों को खींचकर रोका गया था। रोशनदान तक के शीशों पर काग़ज़ चिपकाककर उन्हें अंधा किया गया था।

'तुमने आज का अख़बार देखा?' शंकरदत्त को अपनी ही आवाज़ कहीं दूर से आती हुई सुनाई दी, 'सिविलियन्स अस्पताल पर बमबारी और बेग़ुनाह मरीजों के बीमार जिस्मों के परखच्चे उड़ जाना... हरे राम, क्या इस क्रूरता के लिए हमें ईश्वर कभी क्षमा कर सकता है ?' मुझे तो लगता है...'

उसी समय मोमबत्ती की लौ काँपकर टेढ़ी हो गई थी। लगा था कमरे के नीम उजाले फ़र्श को पलटती हुई अँधेरे की कोई लहर आई हो। रिज़वी ने घुटने पर से सिर उठाया। उसके होंठ भी खुले लेकिन वह बोला नहीं। उसने केवल सिर हिला दिया। उठकर शंकरदत्त पास गए और मनाने वाले स्वर में अपनेपन से बोल, 'अमाँ, भूलो भी उसे !'

'किसे?'

'वही सब...?'

'किसे भूलूँ, दत्तजी?'

'क्या वही सब दुहराकर मैं फिर से तुम्हारा मन ख़राब करूँ?' शंकरदत्त ने अत्यंत स्नेहपूर्वक रिज़वी के कंधे पर हाथ रख दिया, वसीम, मैं बराबर यही कहता रहूँगा कि नाइंसाफ़ियों को लेकर मातम करना आज ऐसा ही है जैसे आदमी की मौत पर सिर पटकना। क्या तुम समझते हो कि अपनी बच्चों जैसी ज़िद से लड़कर तुम ऐसी दुनिया से जीत जाओगे, जो युद्ध से कहीं ज्यादा क्रूर है...?'

'बत्ती बुझाओ...!' दूसरे ब्लॉक में से आवाज़ आई थी, लेकिन लगा जैसे वे फिर क्वार्टर के सामने आ गए हों। शंकरदत्त ने उठकर पर्दों को एहतियातन और ठीक कर दिया।

पिछले कई दिनों से शहर में ब्लैक आउट चल रहा था। शहर कैंटोनमेंट एरिया में नहीं आता था, तो भी ख़तरा बना हुआ था। चाहे नागरिकता के फ़र्ज़ के नाते हो या प्राणों के डर से लोग बेहद चौकस और समझदार हो गए थे। ब्लैक आउट बनाए रखने के लिए हर मोहल्ले में स्वयंसेवकों के जत्थे तैयार थे।

रोज़ की तरह आवाज़ लगाते हुए आज भी स्वयंसेवकों के जत्थे आए थे, लेकिन एक जत्था इस ब्लॉक में पहुँचकर आगे नहीं बढ़ा। ऐन रिज़वी के क्वार्टर के सामने आकर रुक गया था। शायद किसी खिड़की का पर्दा ज़रा—सा सरक गया था और रोशनी की शहतीर क्वार्टर से कूदकर सामने की सड़क पर पड़ रही थी।

'बत्ती बुझाओ! किसी ने डपटकर आवाज़ लगाई थी। रिज़वी घर पर मौजूद था। उसने झाँककर भी देखा था, लेकिन कोई असर लिए बिना वह चुपचाप बैठा पढ़ता रहा।

'क्यों साब, बहरे हैं ?' दो नौजवानों ने आगे बढ़कर पूरी ताक़त से कुंडी खटखटाई।

'क्या बात है ?' कुछ क्रोध और कुछ कैफ़ियत तलब करने के अंदाज़ में रिज़वी बाहर निकल आया और बात शायद यहीं से बिगड़ गई थी। 'अपना फ़र्ज़ मैं ख़ूब समझता हूँ, बत्ती बुझी हुई है।' आख़िर में रिज़वी ने कहा था।

'अगर बत्ती बुझी हुई है, तो यह रोशनी कहाँ से आ रही है?'

'वह मोमबत्ती है। मैंने पढ़ने के लिए जलाई है।'

'क्या मोमबत्ती में रोशनी नहीं होती ?'

'उससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। मैं पर्दे ठीक किए देता हूँ।'

'फ़र्क़ पड़ता हो या नहीं, आप बत्ती बुझाइए!' कहकर एक उत्साही युवक तीर की तरह दरवाज़े की ओर बढ़ा और जिसे अधबीच में बाँह अड़ाकर रिज़वी ने रोक लिया था।

'वह बत्ती नहीं बुझेगी!'

'बुझेगी !'

'नहीं बुझेगी!'

'बुझेगी !'

'ज़िद बेकार है,' रिज़वी ने कहा था, 'पहले सामने वाले क्वार्टर्स की मोमबत्तियाँ बुझाइए !'

'उनकी उन पर छोड़िए ! हम आपसे बात कर रहे हैं !'

'क्यों छोड़ दूँ ? क्या उन पर हीरे-मोती जड़े हैं !'

एक क्षण को यह युवक नवयुवक हतप्रभ सा देखता रहा, फिर सहसा वह शेर की तरह यों गर्जा कि सारी कॉलोनी गूँज उठी, 'यह बत्ती ज़रूर बुझेगी !'

सन्न, सकता पल-भर का, जिसे तोड़ते हुए अँधेरे में से एक आवाज़ आई, 'मार डालो जासूस को !'

'जासूस ! जासूस !'

कई लम्हों तक रिज़वी काँपता खड़ा रहा, फिर एकाएक अँधेरे में वह उस ओर लपका, जिधर से आवाज़ आई थी।

देर हो चुकी थी, जब तक शंकरदत्त वहाँ पहुँचे और बीच-बचाव किया, काफ़ी देर हो चुकी थी।

'भाईजान!' कोई दस मिनट बाद जब वे दोनों भीतर आकर संयत हुए तो इस रूँधी आवाज़ में शंकरदत्त चौंके थे। भीतरी दरवाज़े की चौखट में यह बेगम रिज़वी की आवाज़ थी, गले में फँसी-फँसी और अवरुद्ध।

'भाईजान, हम पर एक अहसान कीजिए। इनसे कहिए कि मुझे और बच्चों को ज़रा ज़हर देकर सुला दें, फिर चाहे ये दुनिया से जूझते फिरें... हम... हम... हमारा ख़ुदा है...'

आगे उनका स्वर रुलाई में फँसकर डूब गया था. शंकरदत्त ने दरवाज़े की ओर देखा, जहाँ बेगम रिज़वी के दुपट्टे का पल्लू झाँक रहा था, पर कुछ बोल नहीं पाए। रिज़वी के दोनों बच्चे अप्पू और सबा पर्दे से लगे हुए और भयभीत खड़े थे। ख़ासकर अप्पू जैसी ख़ामोश, कातर और डरी हुई आँखों से अपने पिता की ओर देख रहा था, उससे शंकरदत्त सहम कर रह गए। यक—ब—यक ख़याल आया था कि वे भी हिंदू हैं। इतने बरसों में इस घर में पहली बार... फिर जैसे यह भी पहली बार ध्यान आया कि रिज़वी अब भी उस हुलिए में बैठा हुआ है, 'फटी हुई कमीज, नुचे हुए बिखरे बाल, और निचले होंठ पर चोट का लहू-जमा निशान...'

'अप्पू बेटे!' सहमती हुई आवाज़ में शंकरदत्त ने धीरे से पुकारा, 'बेटे, अपने अंकल के पास आओ !'

अप्पू नहीं आया। एक बार उन्हीं आँखों से घूरकर वह परदे से और सट गया।

'पापा के लिए दूसरे कपड़े ले आओ, बेटे!' उन्होंने हतप्रभ होते हुए कहा था।

थोड़ी देर में कपड़े आए। लेकर अप्पू ही आया था, लेकिन कपड़े रखकर बिना किसी से कुछ कहे वह लौट गया था। शंकरदत्त हाथ बढ़ाकर उसे पकड़ना चाहता था, लेकिन वह मछली की तरह हाथ से फिसलता चला गया था। बहुत हल्के शंकरदत्त को कहीं चोट भी लगी, लेकिन उन्होंने फीकी हँसी हँसकर धीरे से कहा था, 'अप्पू हमसे नाराज़ है !'

पता नहीं रिज़वी ने उनकी बात सुनी थी या नहीं, स्वयं शंकरदत्त उसे देखते हुए भी नहीं देख रहे थे।

क्या अप्पू सचमुच नाराज़ नहीं है ? क्या लोग ठीक कहते हैं कि बच्चों की आँख में अच्छे या बुरे को सहसा भाँप जाने की शक्ति होती है ? लेकिन इतने बरसों में वे यक—ब—यक बुरे कैसे हो गए और क्यों ? और क्यों ? कहीं ऐसा नहीं है कि उन्हें लेकर घर पर इधर कोई बात हुई हो और बच्चे ने चुपचाप उसका असर ले लिया हो ? एक बार यह भी मन में आया था, लेकिन अभी कल तक ?

युद्ध का ग्यारहवाँ दिन चल रहा था। यही ब्लैक आउट और अँधेरा! लेकिन कल भी वे ऐसे ही लुढ़क आए थे, जैसे ढलान की ओर राह ख़ोजता जल... कोई अगर संतानहीन शंकरदत्त से यह पूछता कि अक्सर शामें इस घर में गुजारने के पीछे सचमुच कौन है ? रिज़वी या अप्पू, तो क्या वह जवाब दे सकते थे ? और सचमुच कौन है! रिज़वी की बरसों पुरानी दोस्ती या अप्पू की दहलीज़ पर से ही गले लिपट जाने वाली वह किलकारी, 'अपने अंकल आ गए... अपने अंकल आ गए...!'

कमरे में आग से फूटने वाले काँपते उजाले की तरह जरा-सी रोशनी और बहुत-सा अँधेरा था।

'अपने अंकल !' रोज़ की तरह अप्पू कल भी आ गया था, लेकिन आदत के मुताबिक़ न तो उसने शंकरदत्त के गले में अपनी छोटी-छोटी बाँहों का गजरा डाला था और न...

'अपने अंकल, आपको पता है, यह लड़ाई कब बंद होगी ?

शंकरदत्त बेतरह चौंक गए थे, 'क्यों बेटे?'

'बताइए, कब बंद होगी ?'

'लेकिन क्यों ?'

'अम्मी पूछ रही हैं। कहती हैं, अंकल से पूछकर आओ।'

शंकरदत्त ने भीतरी परदे की ओर देखा। कहीं बेगम रिज़वी तो नहीं खड़ी हैं ? नहीं थीं। लेकिन सवाल अकेले अंकल से क्यों, पापा से क्यों नहीं ? एक पल को उन्हें लगा था, जैसे वह कटघरे की ओर धकेले जा रहे हों। उसके छोटे से बदन को समेटते हुए उन्होंने धीरे से कहा, 'पता नहीं बेटे !'

अप्पू कुछ और कहता कि दूर कहीं उसी आवाज़ ने जन्म लिया। फिर कुछ ही पलों में वह आवाज़ सारे आकाश और सन्नाटे को रौंदती इतनी निष्ठुर और ख़तरनाक होकर पास आने लगी कि अप्पू ने कहा था, 'अंकल, आपको डर नहीं लगता ?'

'लगता है, बेटे !'

'आपको भी ?'

'हाँ, हमें भी।'

'यह जहाज़ लड़ाकू था न अंकल ?'

शंकरदत्त ने सिर हिला दिया।

'यह बम गिराने जा रहा है ?'

'अप्पू, अब अंदर चलो ! बीच में रिज़वी ने टोक दिया।'

'लड़ाई में लड़ता कौन है, अंकल ?'

'सैनिक लड़ते हैं, बेटे।'

'सैनिक कैसे होते हैं ?'

'जो फ़ौज में होते हैं, वे सैनिक कहलाते हैं।'

'अच्छा समझ गए। जैसे हमारे पाकिस्तान वाले मम्मा सैनिक हैं... है न ?'

'हाँ, बेटे वे भी लड़ रहे होंगे।'

'बंदूक से ?'

'हाँ। बंदूकों से, हथगोलों से, टैंकों से।'

'इन्हें फ़ौज में भेजता कौन है अंकल ?'

'देश भेजता है बेटे।'

'देश? देश कौन है ?'

'बेटे... देश...' शंकरदत्त को एक पल सोचना पड़ा था, 'देश वो है जिसमें लोग रहते हैं, जैसे हम...तुम...हमीं देश हैं, बेटे !'

'लेकिन अंकल आप तो कह रहे थे कि आपको लड़ाई से डर लगता है। फिर इन्हें क्यों भेजा?'

'अप्पू !'

रिज़वी ने इस बार डाँटने के स्वर में पुकारा था। अप्पू ने एक लम्हे को अपने पापा की ओर देखा था। फिर उनकी ओर मुड़कर बोला, 'अच्छा अंकल, एक बात और....सैनिक डरते नहीं हैं ?'

'किससे ?'

'लड़ाई में, गोली-वोली से। उनके लगती नहीं है ?'

'लगती है।'

'सच्ची-मुच्ची की ?'

'हाँ।'

'फिर वे मर जाते हैं ?'

'मर जाते हैं।'

'सच्ची-मुच्ची ?'

'हाँ बेटे, सच्ची-मुच्ची।'

अप्पू की छोटी सी पेशानी में बल पड़ा था और उसके छोटे-छोटे होंठ आश्चर्य और चिंता से खुल गए थे। एक पल उन्हें अजीब सी आँखों से घूरने के बाद सहसा पूछा था, 'तो अंकल, उन्हें पुलिस क्यों नहीं पकड़ती ?'

क्या शंकरदत्त उस सवाल का जवाब दे सकते हैं ? अगर रिज़वी ने इस दफ़ा और भी सख़्ती से डाँटकर अप्पू को ख़ामोश कर दिया होता, तो वह क्या कहते ?

'बहुत तंग करता है !' अप्पू के चले जाने के बाद रिज़वी ने धीरे से कहा।

'हाँ, सचमुच तंग करता है !' साँस भरकर शंकरदत्त बोले थे, 'वसीम, तुम्हें उस दिन की याद है...उस दिन की, जब अप्पू ने तुमसे एक सवाल कर दिया था और जिसका तुम्हारे पास बिल्कुल जवाब नहीं था। वह बात आज भी मुझे तंग करती है...'

कोई छुट्टी का दिन था। यही बैठक। यही दोनों। यही देर तक चलने वाली ख़ामोशी। बेगम रिज़वी अंदर थीं। अप्पू बाहर अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था। अचानक जाने क्या हुआ कि खेल छोड़कर वह सीधे पापा के पास आ पहुँचा था और फिर गोली दागने जैसा उसका यह सवाल था।

'पापा, हम हिंदू हैं कि मुसलमान ?'

'क्यों?' बेतरह चौंकते हुए भी रिज़वी ने उसे टालना चाहा था, 'बाहर खेलो, बेटे ! हमें बात करने दो'

'नहीं, पहले बताइए,' अप्पू मचल गया था, 'हम हिंदू हैं कि मुसलमान ?'

'लेकिन क्यों ?'

'बताइए ?'

'अच्छा, मुसलमान।'

'अल्ला मियाँ कहाँ रहते हैं पापा, ऊपर आसमान में न ?'

'हाँ।'

'और भगवान ?'

'वे भी वहीं।'

'वहीं?' कहते हुए अप्पू की आँखों में एक बहुत गहरा प्रश्न तैर रहा था।

आगे सवाल न पूछे इसलिए रिज़वी ने कहा, 'जाओ, बाहर खेलो...' पर अप्पू कोई अगला सवाल पूछने के लिए उतावला था और वे दोनों अपनी जान बचाने के लिए... रिज़वी ने निगाह बचाने के लिए दालान की तरफ़ देखा।

दालान में टँगे आईने पर बैठी एक गौरैया हमेशा की तरह अपनी परछाईं पर चोंच मार रही थी।

(प्रस्तुति : ज़ाहिद ख़ान, मो. 94254 89944)

'समकालीन कविता में माँ'

■ डॉ.नीरज कुमार मिश्र

मां एक ऐसा शब्द है, जिसमें संपूर्ण सृष्टि की ममता, त्याग, प्रेम और उसका बलिदान समाहित है। इसी मातृत्व की महानता को सम्मान देने और मां के प्रति अपने प्रेम और कृतज्ञता को प्रकट करने के लिए हर साल 'मदर्स डे' मनाया जाने लगा है। यह दिन माँ के प्रति हमारे प्रेम, सम्मान और समर्पण को व्यक्त करने का विशेष अवसर की तरह है। आज माँ को याद करने का दिन है। आधुनिक समय में माँ को प्यार और सम्मान देना किसी कल्पना से कम नहीं है।क्योंकि हम विकास की अंधी दौड़ में इस कदर भागे जा रहे हैं कि अपनी माँ और उसके त्याग को भूले जा रहे हैं। याद कीजिए भीष्म साहनी की कहानी 'चीफकीदावत' और प्रेमचंद की कहानी' बूढ़ी काकी'को।एक तरफ हम इस दिन माँ को याद करते हैं,दूसरी तरफ उनकी ममता,त्याग,प्रेम और बलिदान को भूलकर उन्हें वृद्धाश्रम में छोड़ आते हैं।

इस दुनियाँ में यदि कुछ भी महान और नायाब तोहफा है,तो वह है-माँ। वैसे माँ को सम्मान और प्यार देने के लिए किसी दिन और तारीख की जरूरत नहीं होती है। फिर भी यदि कोई दिन अलग से माँ के नाम में मनाया जाये तो और भी अच्छा है। ऐसा कहते हैं कि मदर्स डे मनाने की परंपरा प्राचीन यूनान और रोम से जुड़ी हुई है। वहां देवियों की पूजा की जाती थी, जिन्हें मातृत्व का प्रतीक माना जाता था। लेकिन मदर्स डे नाम हमें अमेरिका से मिला है। कहा जाता है कि अमेरिका एक्टिविस्ट एना जार्विस ने मदर्स डे मनाने की प्रथा शुरू की।एना अपनी माँ से बहुत प्यार करती थीं। उन्होंने कभी शादी नहीं की। वो हमेशा अपनी माँ के साथ रहीं।8 मई, 1914 को अमेरिकी कांग्रेस ने एक कानून पारित किया, जिसमें मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे घोषित किया गया। 9 मई 1914 को अमेरिकी राष्ट्रपति वुड्रो विल्सन ने नियम बनाया की मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जायेगा। इसे भारत में भी अब मनाया जाने लगा है।

हम और किसी दिन अपनी माँ को याद करें न करें,लेकिन इस दिन बाजारवाद के के असर से जरूर याद कर लेते हैं। यही वजह है की मई के इस विशेष दिवस पर सोशल मीडिया में माँ के प्रति अपार प्यार देखते ही बनता है।

कल सुबह पेपर पढ़ते हुए, ये बात दिमाक में आई कि शायद ही ऐसा कोई कवि हो,जिसने माँ पर कविता न लिखी हो। सुबहमहाविद्यालय के बहुत जरूरी काम से निकलने की वजह से थोड़ा ही लिख पायाथा ।लेकिन दिन भर मन में बेचैनी रही। देर शाम घर पहुँचा। मेरे पास जितने भी समकालीन कवियों की कविताएँ थीं,सभी को निकाल कर देखा। उन्हीं कविताओं के आधार पर माँ को याद करने का ये प्रयासकिया है।

समकालीन हिंदी कविता में अशोक वाजपेयी के 1966 में प्रकाशित पहले कविता संग्रह 'शहर अब भी संभावना है' और 1995 में में प्रकाशित कविता संग्रह 'आविन्यो' पर माँ पर लिखी अनेक कविताएँ हैं।अशोक वाजपेयी अपनी माँ को दीदीआ कहते हैं- 'अनंत में जहाँ तुम हो / पितरों के जनाकीर्ण पड़ोस में / वही अपने ढीले पेण्ट को सम्हालता /मैं भी हूँ गुड्डन / जैसे यहाँ इस असंभव सुनसान में / तुम हो इस कविता,इन शब्दों,इस याद की तरह दीदीआ।' अशोक वाजपेयी अपनी कविताओं में आने वाली माँ को भावात्मक ऊँचाई से नीचे लाकर, उसे वस्तुस्थिति से जोड़कर, सामान्य धरातल में लाकर खड़ा कर देते हैं।इनके यहाँ भी माँ चुप रहती है।दु:ख झेलती है।चुप्पी ही उसका निर्वेद है।चंद्रकांत देवताले जब माँ पर कविता लिखते हैं,तो ऐसा लगता है कि जैसे उनका पूरा कवित्व माँ को समर्पित हो गया हो।उनकी कविता 'माँ जब खाना परोसती थी' उन दिनों की याद दिलाती है,जो अभी भी दबे हैं शायद कहीं गहरे हमारे दिलों में- 'वे दिन बहुत दूर हो गए / जब माँ के बिना परसे पेट भरता ही नहीं था / वह मेरी भूख और प्यास को रत्ती-रत्ती पहचानती थी / और मेरे अकसर अधपेट / खाये उठने पर/ बाद में जूठे बरतन अबेरते / चौके में अकेले बड़बड़ाती रहती थी / बरामदे में छिपे मेरे कान उसके हर शब्द को लपक लेते थे / और आखिर में उसका भगवान के लिए बड़बड़ाना/ सबसे ख़ौफ़नाक सिद्ध होता / और तब मैं दरबाजा खोल / देररात के लिए सड़क के एकांत और /अंधेरे को समर्पित हो जाता है।' कवि नरेंद्र पुण्डरीक ने भी अनेक कविताएं माँ पर लिखीं हैं। इन्होंने 'माँ' कविता में उस माँ की बेबसी को मार्मिक ढंग से रखा है। जिसके बेटे अपनी माँ कोपिता के न होने पर बोझ समझते हैं-' पिता के बाद/हम भाइयों के बीच पुल बनी माँ / अचानक नहीं टूटी/धीरे-धीरे टूटती रही / हम देखते रहे और मानते रहे / कि बूढ़ा रही है माँ / हाथों-हाथ रहती माँ / एक दिन कंधों में आ गई / धीरे-धीरे महसूस करने लगे हम /अपने वृषभ कंधों में/माँ का भारी होना/जब तक जीवित रही माँ /हम बदलते रहे अपने कंधे / माँ आखिर माँ ही तो है/ बार- बार हमें कंधे बदलते देख / हमारे कंधों से उतर गई माँ / और माँ के कंधों से उतरते ही उतर गये हमारे कंधे।' आज लगभग हर माँ की स्थिति ऐसी ही है।माँ कितनी बार टूटती है।इसका भान हम बेटों को नहीं होता।बेरोजगारी की वजह से अपने घरों से महानगर में पलायन आज के समय की सबसे बड़ी त्रासदी है। कैसे माँ और गाँव से दूरी कवि मिथिलेश श्रीवास्तव को कचोटती है।इसकी बानगी उनकी कविता 'सूरज का घर' में देखी जा सकती है-'दो रोटी की व्यवस्था / मेरी माँ / अपने पास ही कर सकने में समर्थ होती / मैं वहीं होता माँ के पास / जहाँ सूरज का घर/दस कदम पर जान पड़ता है/नदी की बेचैनी अपनत्व से भर देती है'। ये महानगरीय टीस केवल कवि की अकेले की नहीं है। ये टीस हम जैसे न जाने कितने लोगों की है,जो अपनी माँ से दूर,इस महानगर की चकाचौंध में अपने गमों को दबाए हुए मशीन हो गए हैं।

कवि दिविक रमेश की कविताओं में माँ अनेक रूपों में आती है। माँ की विड़म्बना को उनकी कविता 'माँ के पंख नहीं होते' में देख सकते हैं- 'माँ के पंख नहीं होते / कुतर देते हैं / उन्हें होते ही पैदा / खुद ही उसके बच्चे।' हर माँ की अपनी चाहतें होती हैं। पूरी होने पर सबके सामने हँस लेती है और न पूरी होने पर अकेले में रो लेती है। इनकी कविता' तू तो है न मेरे पास% में इसी चाहत का बयान है- 'चाह जरूर थी माँ के पास /जैसे होती है जीने के लिए जीती हुई / किसी भी औरत के पास।' कवि सुभाष राय को उनकी माँ के स्पर्श ने तत्क्षण बदल दिया है। माँ के स्पर्श से वह स्त्री हो जाते हैं और उनके अंदर बहने लगती है माँ। 'मेरा परिवार' कविता के माध्यम से वह अपनी माँ को याद करते हैं- 'माँ के नाम पर/मैंने लगाये हैं ढेरों गुलाब/उनकी पंखुड़ियों पर ठहरी बूंदें देखकर बहुत याद आती है माँ।' एक संजीदा कविमन ही सभी स्त्रियों में माँ को देख सकता है।इनकी कविता 'पितरपक्ष और माँ' में ये कविमन प्रखरता से आता है-'सब मांएं एक जैसी लगती हैं मुझे / प्रेम और करुणा से भरी हुई/जीवन के युद्ध के लिए / बच्चों को पल-पल रचती हुई।' कवि राकेशरेणु की कविताओं में स्त्रियों के विविध रूपों को देखा जा सकता है।उनमें से एक रूप माँ का भी है।इनकी कविताओं में एक तरफ माँ का अकेलापन है,तो दूसरी तरफ माँ के चले जाने का दु:ख भी भी। 'अब जबकि तुम चली गई हो माँ %कविता माँ के चले जाने के बाद के दर्द को बयां करती है।जिनके सर से माँ का साया उठ गया है,वे ही इस दर्द को समझ सकते हैं-' जाड़े के उन्हीं दिनों में/ कौन रखेगा छुपा कर / खेसारी की साग मेरे लिए/ कौन बांधे रख पाएगा परिवार को / कौन बताएगा कि नहीं खाना चाहिए / अमौरियाँ / सतुआनी से पहले किसी भी हाल में? / कौन बताएगा यह सब / जब जबकि तुम चली गई हो माँ?' भरे पूरे परिवार में माँ अकेलपन का किस तरह शिकार हो जाती है। इसकी समूची व्यथा इस कविता में देखी जा सकती है। कवि स्वप्निल श्रीवास्तव के यहाँ माँ करघा के रूम में आती है।जो हम बच्चों को बुनती है।माँ के चले जाने का दु:ख सभी को होता,क्योंकि माँ ही हमें हर मुश्किल घड़ी में बचाती है।इसी दु:ख को स्वप्निल श्रीवास्तव अपनी कविता 'माँ' के माध्यम से व्यक्त करते हैं-'तूफान में हिलते थे घोसले / माँ उसे दिल से थामे रहती थी / अब घोसले की जगह/ तिनके बचे हुए हैं/माँ उड़कर अनन्त में चली गयी है।'

कवि विनय विश्वास ने अपनी कविता 'एक माँ का पुत्र प्रेम' के माध्यम से माँ की उस दबी चीख़ को उभारने की कोशिश की है।जिसमें उसका लड़का उसे छोड़कर चला जाता है। अमेरिका से माँ को लेने उसका लड़का आता है। जाते समय माँ को एयरपोर्ट में छोड़कर चला जाता है- 'जा चुका अमेरिका जाने वाला/ कोई कह गया / माँ का कलेजा धक से रह गया / बेटे का मखमली रास्ता देखते-देखते माँ की नज़र पथरा गई / बेटा नहीं आया रात आ गई।' ये दर्द हर उस माँ का है,जिसके बेटे माँ को महारानी बनाकर विदेश ले चलने का लालच इसलिए देते हैं;ताकि वह उसके नाम के मकान को बेंचकर पैसा हड़प लें।अंत में जब वे अपने मंसूबों में सफल होते हैं तो उसे अकेले यहीं बेसहारा छोड़ जाते हैं।इनकी कविताओं में माँ बचपन के उस होश की तरह है,जिसे हम बड़े होकर भूल जाते हैं । इनकी कविता में ' माँ आज तू उदास है / पर तेरी उदासी देखने का समय किसके पास है / बूढ़ी हड्डियां लिए भले तू पिसती रहे चूल्हे चक्की में।मैं मस्त हूँ अपनी तरक़्क़ी में।' यहाँ ऐसी माँ हमारे सामने नज़र आती है,जो अपने बच्चों के लिए अपना समूचा जीवन रात बना लेती है।और बच्चे हैं कि अपनी तरक़्क़ी के पीछे इतने पागल हैं कि माँ की कोई फ़िकर उन्हें नहीं है।कवि मणिमोहन मेहता अपनी कविता 'कविता भी समझ आनी चाहिए' में कहते हैं- 'समझ में आना चाहिए कविता / जैसे माँ के चेहरे पर लिखी चिंता ,समझ में आती है।' कवि कुमार अनुपम को अपनी कविता' पराये शहर में माँ की याद' में माँ बहुत याद आ रही है।पराये शहर में जब कोई अपनापन न मिले तो सबसे ज्यादा माँ ही याद आती है-'नींद नहीं आ रही और याद आ रही है माँ /लौटता था /पानी से सींचकर भूख का खेत /तो पड़ते ही खाट पर आ जाती थी नींद/ पर जाने क्या बात कि नींद नहीं आ रही / और याद आ रही है माँ।' कवि को लगता है कि उसकी नींद माँ के उपवास की ऊष्म बेचैनी से लथपथ, माँ के पास ही चली गई है।जब हमारे पास माँ का साया होता है तो हम बेखटके आराम से सो पाते हैं। माँ चाहे जैसी और जिस रूप में हो,हमें अच्छी लगती है।उसे समाज यदि बुरा कहता भी है तो भी एक बेटे के लिए माँ सबसे अच्छी होती है।कवि टेकचंद अपनी कविता 'बीड़ी पीती माँ' में इसी बात को बेझिझक कहते हैं- 'मिस्सी मजदूरों के साथ बैठ/बीड़ी पीती/दम लेती/सबको बुरी लगती/पर मुझे सुहाती सुस्ताती मुस्काती,बीड़ी पीती माँ।'

दुनियाँ में माँ का रिश्ता ही सबसे अनोखा है। जो स्वार्थ के नींव पर नहीं टिका।माँ हमेशा दु:ख को सहती हुई अपने परिवार को मजबूत रखती है।परिवार के सामने एक ढाल बनकर खड़ी रहती है। मुन्नवर राणा की इन पंक्तियों से अपनी बात खत्म करूंगा कि-'घेर लेने को मुझे जब भी बलाएँ आ गईं/ढाल बन कर सामने माँ की दुवाएँ आ गईं।' पहलगाव में जिस तरह निर्दोष नागरिकों को उनके परिवार के सामने मारा गया,उससे आज देश में युद्ध का माहौल है। ऐसे युद्ध के दौर में शहीद हुए बेटों के माँ का कलेजा रोता नहीं है। क्योंकि 'लिपट के रोती नहीं है कभी शहीदों से / ये हौंसला भी हमारे वतन की माँओं में है'। यह लेख देश की सभी माँओं कोसमर्पित,उनके लिए मेरी तरफ से एक छोटी सी भेंट है।

36 मॉल और रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था की मॉक ड्रील

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश में जिला पुलिस ने किया मॉक ड्रील

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। आतंकवाद या अन्य आपात काल स्थिति से निपटने हेतु जिला पुलिस, होम गॉर्ड, फायर टीम एसडीआरएफ, रेलवे पुलिस सशस्त्र बल का सामूहिक अभ्यास किया। 36 मॉल और रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था की मॉक ड्रील कराई गई ।

जिला प्रशासन व जिला पुलिस बिलासपुर द्वारा देश की वर्तमान स्थिति को ध्यान रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने हेतु जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल आईएएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह आईपीएस के नेतृत्व व मार्गदर्शन में आतंकवादी गतिविधि नक्सल गतिविधियों, आपातकाल स्थिति, बम्ब विस्फोट, हाईजैक और अन्य कानून व्यवस्था स्थिति से निपटने हेतु प्रशासन, जिला पुलिस, रेलवे और प्रतिष्ठित संस्थाओं, मॉल के संचालकों के साथ पब्लिक प्लेस में मॉक ड्रील किया गया इसी क्रम में 36 मॉल, रेलवे स्टेशन में आज मॉक ड्रील किया गया। सभी संदिग्ध व्यक्तियों वस्तु वाहन व अन्य सामग्री को चेक किया गया ।

इसी क्रम में 36 मॉल बिलासपुर में प्रशासन, पुलिस, होमगार्ड,एसडीआरएफ फायर ब्रिगेड और मेडिकल की टीम द्वारा मॉल संचालक को निर्देश देकर मॉक ड्रील किया जिसमे सभी व्यक्तियों को मॉल परिसर से बाहर निकाल कर सभी स्थानों को चेक कर नागरिकों को शांति पूर्वक रहने हेतु समझाईस देकर सभी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, मॉल में बीडीएस टीम द्वारा ड्रील हेतु पूर्व से रखे संदिग्ध वस्तु को स्नेफ़र डॉग के द्वारा बीडीएस टीम खोज निकाल कर सुरक्षित तरीके से खाली स्थान पर ले जा कर डिस्पोज किया गया ।इसके लिए मॉल खाली करा कर ज्वलन शील प्रदार्थ से दूर रहे, सभी लोगों परिसर से बाहर निकले, एलिवेटर लिफ्ट और आग लगने वाली

मशीनों को बंद करे ।ऐसे स्थिति में आम नागरिकों का कर्तव्य है की शांति व्यवस्था बनाये रखे और पुलिस प्रशासन को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु सहयोग करे ताकि आग नागरिकों को आपातकाल स्थिति के दौरान सुरक्षित स्थान और उचित सुरक्षा व्यवस्था प्रदान किया जा सके ।

मॉल में उस समय उपस्थित सभी लोगों ने पुलिस प्रशासन का भरपूर सहयोग दिया और पुलिस द्वारा निर्देश दिये जाने पर उसका पालन कर मॉक ड्रील को सफल बनाया। ऐसे स्थिति में आम नागरिकों से अपील है कि सभी पुलिस प्रशासन द्वारा निर्देशों का पालन करें सुरक्षित स्थान खाली जगह बेसमेंट आदि स्थान पर शांति पूर्वक पहुंचे ।दीवार के किनारे दीवार से चिपक के खड़े होये, आड़ लेकर छिप के खड़े होए और जमीन पर लेटे। उक्त करवाही को कलेक्टर संजय अग्रवाल आईएएस और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह आईपीएस द्वारा मॉल में मॉक ड्रील का निरीक्षण किए सभी पहलू की जानकारी ली और मॉल संचालक को उक्त कारवाही हेतु सावधानी बरतने और आवश्यक तैयारी रखने निर्देश दिये । साथ ही साथ आम नागरिकों का उक्त कार्यवाही में भरपूर सहयोग देने हेतु धन्यवाद देकर भविष्य में भी ऐसे सहयोग देने हेतू अपील किए । प्रशासन पुलिस होमगार्ड एसडीआरएफ फायर टीम मेडिकल टीम मॉल संचालक के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

चूंकि रेलवे स्टेशन बिलासपुर सेंट्रल रेलवे का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है जहाँ देश के हर हिस्से से ट्रेन गुज़रती है जिसमे सुरक्षा व्यवस्था का पूरा ध्यान दिया जाता है परंतु आपात स्थिति से निपटने हेतु प्रशासन पुलिस रेलवे पुलिस होमगार्ड एसडीआरएफ मेडिकल टीम द्वारा आग नागरिक जो सफ़र करने या अपने परिजन को लेने छोड़ने जाते है उनके एचएचएमडी डीएफएमडी चेकिंग कर संदिग्ध व्यक्ति वस्तु बाहर खड़े वाहन ट्रेन और परिसर की बीडीएस टीम द्वारा जाँच और जाँच के दौरान पूछताछ कर समझाई दी गई ।ऐसे स्थिति में शान्ति पूर्वक व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए ख़ाली स्थान आड़ वाले जगह पर छिप कर लेट जाए और पुलिस का सहयोग करे।

मेडिकल टीम एसडीआरएफ फायर ब्रिगेड अग्नि शामक यंत्र और पर्याप्त सुरक्षा उपकरण के साथ मॉक ड्रील कराया गया जिसमे जिला प्रशासन जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने सूक्ष्म निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए ।दोनों अधिकारियों द्वारा मॉक ड्रील के अभ्यास से संतुष्ट रहे अच्छी कार्यवाही हेतु सभी अधिकारी कर्मचारी को बधाई देते हुए हर परिस्थिति से निपटने हेतु हमेशा तैयार रहने हेतु निर्देशित किए।

मॉक ड्रील में अतिरिक पुलिस अधीक्षक राजेंद्र जायसवाल, सीएसपी कोतवाली प्रशिक्षु आईपीएस अक्षय सभद्रा सीएसपी सिविल लाइन निमितेश सिंह, डीएसपी लाइन मंजुलता केरकेट्टा रक्षित निरीक्षक भूपेंद्र गुप्ता थानप्रभारी सिविल लाइन सुम्मत साहू थाना प्रभारी तोरवा अभय सिंह, थाना प्रभारी तारबहार कृष्ण चंद सिदार और बिलासपुर पुलिस व एसडीआरएफ फायर ब्रिगेड टीम और बीडीएस टीम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध रूप से डंप किए गए 120 ट्रैक्टर जब्त

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के आदेशानुसार एसडीम तखतपुर के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग एवं खनिज विभाग द्वारा तहसील तखतपुर अंतर्गत गांव मोढ़े में किए गए अवैध रेत भंडारण में छापामार कार्रवाई की गई जिसमे प्रमोद कुमार निर्मलकर द्वारा 120 ट्रैक्टर अवैध रेत का अलग-अलग जगह भंडारण किया गया था । मौके पर अवैध रेत को जप्त कर उपसरपंच को सुपुर्द किया गया एवं अनावेदक को नोटिस जारी किया गया ।कार्यवाही में पंकज सिंह, तहसीलदार तखतपुर ,राजू यादव माइनिंग इंस्पेक्टर बिलासपुर, ऋषि राज राजस्व निरीक्षक ,हल्का पटवारी , सरपंच एवं कोटवार उपस्थित रहे।

शादी करने का झांसा देकर किया शारीरिक शोषण,आरोपी हल्दी बाड़ी से हुआ गिरफ्तार

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। दैहिक शोषण की शिकार पीड़िता ने 08 मई को रिपोर्ट दर्ज कराई कि इसका जान पहचान रथराम कैवर्त के साथ था जो जनवरी 2025 में पत्नि बनाकर रखने का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाकर दैहिक शोषण कर बालात्कार किया है, जिसे शादी करने के लिए कहने पर शादी करने से इन्कार कर भाग गया है। प्रार्थिया के उक्त रिपोर्ट पर अपराध सदर

कायम कर विवेचना में लिया गया, घटना के संबंध में थाना प्रभारी सरकंडा निरीक्षक निलेश पाण्डेय के नेतृत्व में टीम तैयार कर आरोपी रथराम कैवर्त को रिपोर्ट के महज 24 घंटों के भीतर 9 मई को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

4सी एयरपोर्ट बनाने के लिए हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति फिर से आंदोलन को तेज करेगी

समिति ने विधायक सुशांत शुक्ला के द्वारा पत्र लिखने पर स्वागत किया अन्य जनप्रतिनिधियों से भी सक्रियता की उम्मीद

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट को 4सी बनाने के लिए फिर से एक बार सभी जनप्रतिनिधियों और जन संगठनों को सक्रिय करने की मुहीम चालू करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि 4 सालों से विभिन्न अवसरों पर एवं हाईकोर्ट में राज्य सरकार के द्वारा 4सी एयरपोर्ट बनाने के कमिटमेंट के बावजूद हाल ही में अपनाए गए ढुलमुल रवैया की आम जनता में कड़ी आलोचना हो रही है।

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने बेलतरा के विधायक सुशांत शुक्ला द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को एयरपोर्ट के विकास के लिए पत्र लिखने का स्वागत करते हुए कहा कि सभी चुने हुए जनप्रतिनिधियों को इस मामले को प्राथमिकता से लेना चाहिए और राज्य एवं केंद्र सरकार पर दबाव बनाकर बिलासपुर में शीघ्र अति शीघ्र 4सी एयरपोर्ट का निर्माण करना चाहिए। पहले से ही यह काम पीछे हो चुका है और यदि आज सभी ने सक्रियता नहीं दिखाई तो आने वाले 10 20 साल बिलासपुर में एक सर्वे सुविधायुक्त एयरपोर्ट नहीं बन सकेगा। समिति ने बिलासपुर जिले के सभी जन संगठनों सामाजिक संगठनों को फिर से आंदोलन में सक्रिय करने की मुहिम चालू करने का फैसला किया है । यही नहीं वह सारे जनप्रतिनिधियों के पास जाकर उनसे इस मामले में पहल करने की भी बात रखेगी।

गौरतलब है कि हाल ही में हाई कोर्ट में राज्य सरकार के द्वारा दाखिल किए गए शपथ पत्र जिसमें 4सी एयरपोर्ट बनाने तथा रक्षा मंत्रालय से जमीन वापसी की कोई समय सीमा न देने के कारण हाई कोर्ट की खंडपीठ ने भी राज्य सरकार को फटकार लगाई थी। इस समाचार के प्रसारित होने के बाद विभिन्न जन संगठनों आदि ने समिति के सदस्यों से संपर्क करके कहा कि एक बार फिर से इस मामले में जन आंदोलन को फिर से तेज किए जाने की जरूरत है।

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने कहा कि यह देखते हुए कि भारत और पाकिस्तान में जारी संघर्ष में युद्ध विराम की घोषणा हुई है अतः अब बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट के विकास के लिए जन्म मुहिम तेज की जा सकती है । अतः इस कार्य को शीघ्र ही अंजाम दिया जाएगा।

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति का महा धरना आज भी जारी रहा जिसमें रवि बनर्जी ,अनिल गुलहरे ,बद्री यादव, मोहन जायसवाल ,पूर्व महापौर रामशरण यादव ,प्रेमदास मानिकपुरी, देवेंद्र सिंह ठाकुर ,समीर अहमद बबला, अशोक भंडारी ,महेश दुबे टाटा ,रणजीत सिंह खनूजा ,शिव मुदलियार ,आशुतोष शर्मा, संतोष पीपलवा डॉक्टर प्रदीप कुमार रही, चंद्र प्रकाश जायसवाल, गौरव आरी ,स्वर्ण शुक्ला, रमाशंकर बघेल, राकेश शर्मा ,प्रतीक तिवारी, गोपाल दुबे, अखिल अली ,साबर अली और सुदीप श्रीवास्तव शामिल थे।

नेशनल लोक अदालत में 22375लंबित और 885862 प्री लिटिगेशन मामलों का निराकरण

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में शनिवार को वर्ष की नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। उक्त नेशनल लोक अदालत में जिला बिलासपुर एवं गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के 22375 लंबित मामले तथा 885862 प्री-लिटिगेशन मामलों का निराकरण पक्षकारो के मध्य आपसी सहमति के आधार पर किया गया। उक्त नेशनल लोक अदालत हेतु कुल 36 खण्डपीठो का गठन किया गया था। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ सिराजुद्दीन कुरैशी, प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलन कर किया गया। उक्त शुभारंभ कार्यकम में जिला न्यायालय बिलासपुर के समस्त न्यायिक अधिकारीगण सहित जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष / सचिव सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित थे।

नया बस स्टेण्ड, बंधवापारा, हेमूनगर बाम्बे आवास में मोहल्ला लोक अदालत का आयोजन

छ0ग0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बिलासपुर सिराजुद्दीन कुरैशी के मार्गदर्शन में स्थायी लोक अदालत की पीठासीन अधिकारी श्रीमती प्रिसिल्ला पॉल होरो द्वारा नया बरा स्टेण्ड, बंधवापारा, हेमूनगर बाम्बे अटल आवास में मोहल्ला लोक अदालत का आयोजन किया गया। उक्त मोहल्ला लोक अदालत में आम जनों से संबंधित जनोपयोगी सेवाएं जैसे-नगर निगम के जलकर, सम्पतिकर, सार्वजनिक विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई, पेयजल इत्यादि से संबंधित 7714 प्रकरणों का निराकरण नागरिकों तथा नगर निगम के जोन कमिश्नर की मौजूदगी में किया गया। उक्त मोहल्ला लोक अदालत हेतु छ0ग0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा मोबाईल वैन उपलब्ध कराई गई थी। मोबाईल वैन को प्रधान जिला न्यायाधीश बिलासपुर सिराजुद्दीन कुरैशी द्वारा जिला न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मोहल्ला लोक अदालत में जिला स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से गोबाईल क्लीनिक वैन के साथ उक्त स्थल पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उक्त मोहल्ला लोक अदालत की कार्यवाही के दौरान स्थाई लोक अदालत की अध्यक्ष प्रिसिल्ला पॉल होरो, सचिव अनिल कुमार चौहान, सदस्य श्रीमती शालिनी मिरी एवं श्रीमती रेशमा गुलखान तथा बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित थे।

राष्ट्र प्रथम ही हमारे जीवन एवं कर्तव्य का मूलमंत्र-प्रो. चक्रवाल

सीयू में राष्ट्र प्रथम-ए कैंपेन इन सपोर्ट ऑफनेशन फर्स्ट पर रैली आयोजित

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) नैक से ए.ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय में आज 10 मई को अपराह्न 4 बजे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल के सक्षम नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन में राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा में जुटी भारतीय सेना के साथ एकजुटता प्रकट करने हेतु 'राष्ट्र प्रथम' अभियान के अंतर्गत एक रैली का आयोजन किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में राष्ट्र प्रथम- ए कैंपेन इन सपोर्ट ऑफ नेशन फर्स्ट के अंतर्गत रैली में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स एवं शिक्षक, अधिकारी और विद्यार्थी शामिल हुए। रैली का प्रारंभ रजत जयंती सभागार से गुरु घासीदास बाबा की प्रतिमा तक किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि हम सभी भारत वासियों के जीवन के प्रत्येक क्षण में राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि है। इस संकट की घड़ी में पूरा देश एकजुट होकर भारतीय सेना के साथ देश की संप्रभुता, एकता और सुरक्षा के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध खड़ा है।

कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल ने कहा कि देश की सीमा के प्रहरी हमारी सेना के जवानों के अदम्य साहस, बलिदान और निष्ठा को सलाम है। उन्होंने कहा कि जैसे सीमा पर हमारे जवान हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं वैसे ही एक सजग नागरिक के रूप में हम सभी अपने पूरे समर्पण के साथ डटे हुए हैं।

रैली में सहभागिता करने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भारतीय सेना के समर्थन में राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए भारत माता की जय, जय हिंद, राष्ट्र प्रथम सदैव प्रथम और तिरंगे की शान में, सिन्दूर की जान है जैसे जोशीले नारों के साथ देशभक्ति का अद्वितीय प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय परिसर देशभक्ति के जज़्बे और भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान और समर्थन की भावना से गूंज उठा। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रो. शैलेन्द्र कुमार अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने स्वागत उद्बोधन दिया। विश्वविद्यालय एनएसएस कोऑर्डिनेटर प्रो. राजेन्द्र कुमार मेहता ने संचालन किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. ए.एस. रणदिवे ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर विभिन्न विद्यापीठों के अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्षगण, अधिकारीगण, शिक्षणकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कोन्हेर गार्डन पोस्ट ऑफिस के पास तीन संदिग्ध महिलाओं को रक्षा टीम ने पकड़ा,की गई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। शहर के मध्य कोन्हेर गार्डन पोस्ट ऑफिस के आस पास खड़े होकर आस पास के एरिए का माहौल खराब करने वाली कुछ संदिग्ध महिलाओं को पुलिस की महिला रक्षक टीम ने पकड़ा है। यह महिलाएं गार्डन के आसपास छत्तीसगढ़ भवन के आसपास सुबह से बैठी हुई नजर आती है आसपास के लोगों के द्वारा भी इनकी शिकायत लगातार पुलिस को मिल रही थी जिस पर कार्रवाई करते हुए एसपी के निर्देश पर रक्षा टीम के द्वारा कोन्हेर गार्डन,पोस्ट ऑफिस, छत्तीसगढ़ भवन के आस पास के जगहों पर पेट्रोलिंग किया गया।

इस दौरान तीन संदिग्ध महिला मिली जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम (1)प्रिया वाधवानी पति दिनेश वधवानी उम्र 30 साल पता रामायण चौक चिंगराज पारा, (2) अमरीका सतनामी पति भागवत सतनामी उम्र 45 वर्ष पता बन्नाक चौक सिरगिट्टी, तथा (3) बिसाहीन धृतलहरे पति सरोद धृतलहरे उम्र 45 साल पता देहन पारा सकरी बिलासपुर और एक पुरुष प्रकाश मानिकपुरी पिता राजू मानिकपुरी उम्र 30 साल पता मिनी बस्ती जरहाभाठा शामिल है। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर ये महिलाएं महिला पुलिस से हुज्जत बाजी करने लगी जिन्हें महिला थाना लाया गया। पुलिस ने बताया उक्त महिलाओं की देह व्यापार में संलिप्तता है। महिलाओं के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर न्यायालय में पेश किया गया है।

कलेक्टर ने की कृषि विभाग के काम काज की समीक्षा

खाद -बीज के अग्रिम उठाव पर दिया जोर

शिविर लगाकर किसानों को सभी योजनाओं का लाभ दिलाएं

मार्केट की मांग के अनुरूप फसल लेने किसानों को दें सलाह

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने प्रार्थना सभाकक्ष में कृषि और इनसे जुड़े विभागों के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने खाद, बीज की जानकारी लेते हुए इनके अग्रिम उठाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसान अब खरीफ फसलों की तैयारी शुरू कर दिए हैं। समितियों और बैंकों में खाद बीज और लोन उठाने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं होने चाहिए।

उन्होंने समिति स्तर पर शिविर आयोजित कर केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि काफी सोच समझकर किसानों को सलाह दें। आपकी सलाह उनके लिए नुकसान का सौदा नहीं होने चाहिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, उप संचालक कृषि पीडी हथेस्वर सहित फील्ड स्तर के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा की 10 साल से ज्यादा अवधि के धान बीजों के किस्मों को रिप्लेस करना है। स्वर्णा, महामाया, राजेश्वरी, एमटीयू 1010, एमटीयू 1001

इस कैटेगरी में आते हैं। इनकी जगह दस साल से कम अवधि की किस्मों को प्राथमिकता देना हैं। जिनमें एमटीयू 1156, 1153,1318, विक्रम टीसीआर शामिल हैं। इनकी पर्याप्त मात्रा में बीज सभी विकासखंडों में उपलब्ध हैं।

कलेक्टर ने सभी आरएईओ से गांव - गांव में गोष्ठी कर किसानों को समझाइश देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को तुलनात्मक रूप से समझाएं कि उनके लिए क्या फायदा है। प्रयास करें कि उतने ही लागत में धान से ज्यादा फायदा अन्य फसलों में हो सकता है। कलेक्टर ने कहा कि पहले किसानों की दिक्कतें सुने और समझें उनके अनुरूप उन्हें निदान बताएं। उन्होंने कहा कि किसानों को समूह बनाकर शासन की योजनाओं का लाभ दिलाए। एक-एक दो-दो किसानों को लाभ दिलाने से इसके प्रबंधन में दिक्कत आती है।

हॉर्टिकल्चर विभाग की समीक्षा करते हुए फसल विविधता पर जोर दिया । उन्होंने कहा कि हॉर्टिकल्चर क्रॉप में रिस्क अपेक्षाकृत ज्यादा होता है। इसलिए केवल एक ही फसल पर निर्भर न होकर कई फसल एक साथ लगाएं। श्री अग्रवाल ने कहा कि एक बार जो हॉर्टिकल्चर क्रॉप का लाभ ले लेता है वह वापस धान फसल की ओर नहीं आएगा ।

कलेक्टर ने कहा कि किसानों का व्यवहार परिवर्तन थोड़ा कठिन जरूर है, इसमें समय लगता है, हमें थकना नहीं है और ना ही हार मानना है। उन्होंने कहा कि हर किसान का केसीसी कार्ड होना चाहिए ।उन्होंने कहा कि केसीसी योजना से जो किसान छूट गए हैं, उनसे व्यक्तिगत संपर्क कर इसका लाभ दिलाए। न केवल फसल बल्कि मछलीपालन, डेयरी, पोल्ट्री वालों को भी केसीसी कार्ड इशू होना चाहिए। उन्होंने बैठक में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत एक विस्तृत कार्य योजना बनाने की निर्देश दिए। आपने कहा कि जिले में कई पुराने खदान हैं जिनमें वर्ष भर पानी भरा होता है । इन खदानों में मछली पालन किया जा सकता है। कलेक्टर ने कहा कि पीएम किसान सम्मान योजना के अंतर्गत लगभग 10000 किसान आज की तारीख में छुटे हुए हैं। इन सभी को एक-दो महीने में सम्मान निधि योजना से जोड़कर लाभ दिलाए। उन्हें एल साल में तीन किस्तों में 6000 कृषि कार्य में मदद के लिए दिया जाता है।

27 मई को केरल में मानसून के आगमन की संभावना

बिलासपुर, 10 मई (देशबन्धु)। देशभर में गर्मी का कहर जारी है, लेकिन अब राहत की खबर है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 2025 के मानसून को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल में सामान्य से पहले दस्तक दे सकता है।भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी आईएमडी ने 2025 के मानसून पूर्वानुमान की घोषणा कर दी है। 27 मई को केरल में मानसून के आगमन की संभावना जताई गई है। जिसमें 4 दिनों की संभावित त्रुटि हो सकती है। यानी मानसून 23 मई से 31 मई के बीच कभी भी दस्तक दे सकता है।

NECC

11.05.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	501	70	135
चिल्हर	6.00	100	160
डिलीवरी	516 सैकड़ा		

दर्जन अंडा 70 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.
CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 फोन- 07752 422771